रांची, गुरुवार
18.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 196, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

झारखंड राज्यसभा चुनाव आज : दो सीटों के लिए तीन उम्मीदवार

सीएम हेमंत की बैठक में बना राज्यसभा का चक्रव्यूह, मॉक ड्रिल में झामुमो को 29 और कांग्रेस को मिले 26 वोट

बिभा संवाददाता

रांची: 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव से पहले झारखंड में राजनीतिक हलचल चरम पर है.

एक तरफ बीजेपी ने एनडीए विधायकों को एकजुट रखने और क्रॉस वोटिंग रोकने के लिए होटल में शिफ्ट करवा दिया है तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी राजयसभा चुनाव से पहले महागठबंधन को मजबूत बनाए रखने के लिए लगातार जुटे हुए हैं.

राज्यसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री आवास में महागठबंधन विधायकों की बैठक बुलाई गई. इस बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई और मॉक पोल भी कराया गया. मॉक पोल में झामुमो प्रत्याशी बैजनाथ राम को 29 तथा कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को 25 वोट मिले.

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के अनुसार बैठक पहले से तय थी और मुख्यमंत्री की मौजूदगी में मॉक पोल भी हुआ. उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास केवल 24 विधायक हैं, जबकि महागठबंधन के पास पर्याप्त संख्या बल मौजूद है.

बैठक में विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो शामिल नहीं हुए. इस पर संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि महतो ने अपने पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए बैठक से दूरी बनाई, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया है कि मतदान के दिन महागठबंधन के पक्ष में वोट करेंगे. यह भरोसा महागठबंधन के लिए अहम है क्योंकि स्पीकर का वोट भी संख्या बल को मजबूत करता है.

इसी तरह झामुमो के एक और विधायक बीमारी के कारण बैठक में उपस्थित नहीं हो सके. राधाकृष्ण किशोर के अनुसार उन्होने मुख्यमंत्री को पहले ही सूचित कर दिया था और यह भी भरोसा दिलाया है कि मतदान के दिन वह कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा के पक्ष में ही वोट करेंगे.

राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि तीसरे उम्मीदवार की तुलना में महागठबंधन के पास अधिक वोट हैं और दूसरी वरीयता के वोट से जीत सुनिश्चित होगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव में परिंदा भी पर नहीं मार सकता.

बैठक के बाद झामुमो राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद ने दावा किया कि महागठबंधन दोनों सीटों पर जीत दर्ज करेगा. वहीं केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्या ने कहा कि महागठबंधन के सभी विधायक सुबह 10 बजे विधानसभा पहुँचेंगे और 11 बजे से मतदान करेंगे. उन्होंने कहा कि सभी विधायक समय से पहले अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे.

भट्टाचार्या ने आगे कहा कि हमारे विधायक लोकतंत्र के प्रहरी हैं. वे अपने-अपने घरों में रात बिताएंगे और सीधे विधानसभा पहुँचकर मतदान करेंगे. उन्होंने दावा किया कि भाजपा समर्थित प्रत्याशी का कीसी भी हाल में जीत पाना मुश्किल है क्योंकि उनके पास आवश्यक संख्या नहीं है. उन्होंने दोहराया कि महागठबंधन के पास पर्याप्त संख्या बल मौजूद है.

राज्यसभा चुनाव से पहले राजग विधायकों ने दिखाई एकजुटता, मॉक पोल का प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) खेमे में उत्साह का माहौल है। मतदान से कुछ घंटे पहले रांची के निवारणपुर स्थित होटल रेडिशन ब्लू में ठहरे राजग विधायकों की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में विधायकों को मतदान प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा मॉक पोल प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विधायकों को राज्यसभा चुनाव में मतदान की प्रक्रिया, मतपत्र के उपयोग और मतदान संबंधी तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया गया। खासकर नए विधायकों को मतदान की पूरी प्रक्रिया समझाई गई, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। कार्यक्रम में उपस्थित राजग विधायक गठबंधन समर्थित उम्मीदवार की जीत को लेकर आश्वस्त और उत्साहित नजर आए।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा पर होटल राजनीति का आरोप लगाने वाली कांग्रेस को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि बीएनआर होटल में उसके विधायक किस उद्देश्य से ठहरे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सार्वजनिक रूप से कुछ और कहती है, जबकि व्यवहार में कुछ और करती है।

आदित्य साहू ने दावा किया कि राजग के सभी विधायक एकजुट हैं और गठबंधन समर्थित उम्मीदवार परिमल नाथवानी के समर्थन में मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि परिमल नाथवानी की जीत शत-प्रतिशत सुनिश्चित है। साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि विपक्षी खेमे के कुछ विधायक भी अंतरात्मा और राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर मतदान कर सकते हैं।

जी-7 : साझा वैश्विक समृद्धि के लिए सभी मिलकर काम करें : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-7 देशों से साझा वैश्विक समृद्धि की दिशा में काम करने का आान करते हुए कहा है कि भारत विभाजन में नहीं, बल्कि एकीकरण, संरक्षणवाद नहीं, बल्कि भागीदारी और अनिश्चितता नहीं बल्कि साझा समृद्धि में विश्वास रखता है।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को फ्रांस के एवियन शहर में जी-7 देशों के 52 वें शिखर सम्मेलन में भागीदार देश के रूप में 'सभी के लिए संतुलित, साझा और टिकाऊ आर्थिक विकास ' विषय पर आउटरीच सत्र को संबोधित किया। साझा समृद्धि पर विचार रखते हुए उन्होंने जी-7 देशों से अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और प्रशांत द्वीप देशों के साथ व्यापार बढाने के लिए एक 'कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट' 'इंटरनेशनल मोबिलाइजेशन पार्टनरशिप फॉर एक्सेलरेटिंग कनेक्टिविटी एंड ट्रेड' (इम्पेक्ट) बनाने के साथ-साथ विकसित और विकासशील देशों के बीच 'ग्लोबल स्किल्स पार्टनरशिप' बनाने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि भारत का साझा वैश्विक समृद्धि में विश्वास केवल शब्दों तक सीमित नहीं है बल्कि यह कार्यों में भी दिखायी देता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस बैठक में उपस्थित अधिकांश देशों के साथ व्यापार समझौते किये हैं। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है , भारत विभाजन में नहीं, बल्कि एकीकरण, संरक्षणवाद नहीं, बल्कि भागीदारी और अनिश्चितता नहीं बल्कि साझा समृद्धि में विश्वास रखता है।

प्रधानमंत्री ने सदस्य देशों को आश्वस्त किया कि भारत आने वाले समय में भी उनके साथ मिलकर साझा आर्थिक मजबूती के लिए अधिक स्थिर, विश्वसनीय तथा समृद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए कार्य करता रहेगा।

श्री मोदी ने कहा , यह अच्छी बात है कि जी- 7 ने फ्रांस की अध्यक्षता में इस विषय को महत्व दिया है। आज सच्चाई यह है कि जब विकास की बात आती है, तो सवाल जीडीपी या व्यापार के आंकड़ों के बारे में नहीं होना चाहिए।असली सवाल यह है - विकास किसके लिए, किसके साथ और किस दिशा में ?

प्रधानमंत्री ने कहा कि साझा विकास को आकांक्षाओं से वास्तविकता में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा , जब भारत आगे बढ़ता है, तो वैश्विक आबादी का छठा हिस्सा आगे बढ़ता है। इसलिए भारत की विकास यात्रा पूरी मानवता के लिए समावेश, पैमाने और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण की कहानी है।

गुजरात के वडोदरा में बस-ट्रक की टक्कर, सात की मौत, 26 घायल

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा शहर स्थित कोटंबी स्टेडियम के पास बुधवार तड़के करीब 4 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 यात्री घायल हैं। सभी घायलों को वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद बस में कई यात्री फंस गए थे। सूचना मिलते ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), वडोदरा फायर विभाग, पुलिस तथा अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचा और युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। एनडीआरएफ की 6वीं बटालियन के कमांडेंट सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह 4:40 बजे कंट्रोल रूम से बस और ट्रक की टक्कर की सूचना मिली थी। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद कटर मशीन और अन्य अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया तथा बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला।

रांची में संघ कार्यालय पर पेट्रोल बम हमला : एसआईटी गठित, एनआईए-बीडीएस ने की जांच

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित निवारणपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यालय पर पेट्रोल बम से हुए हमले के बाद पुलिस जांच तेज कर दी गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची पुलिस ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है, जबकि मामले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) की टीम भी शामिल हो चुकी है।

पुलिस के अनुसार, 16 जून की रात लगभग 12 बजकर 36 मिनट पर दो अज्ञात हमलावरों ने कार्यालय परिसर पर पेट्रोल बम से हमला किया। सीसीटीवी फुटेज में दोनों हमलावरों को बम फेंकते हुए देखा गया है। बताया गया है कि एक पेट्रोल बम कार्यालय की छत पर गिरा, जिससे जोरदार धमाका हुआ।

घटना के बाद मौके पर पहुंची बीडीएस टीम ने जांच में पुष्टि की कि हमले में पेट्रोल का ही इस्तेमाल किया गया था और किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ बरामद नहीं हुआ है। अधिकारियों के अनुसार यह पूरी वारदात आगजनी की कोशिश से जुड़ी हुई प्रतीत होती है।

इसके बाद एनआईए की टीम ने भी घटनास्थल का विस्तृत निरीक्षण किया और परिसर के कई हिस्सों की जांच की। हालांकि जांच के निष्कर्षों को आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पुलिस ने हमले में प्रयुक्त चार पहिया वाहन को बरामद कर लिया है और उसके मालिक की पहचान की जा रही है। साथ ही दोनों हमलावरों की तलाश में अभियान चलाया जा रहा है। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक के अनुसार मामले के खुलासे के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है।

संघ कार्यालय के प्रभारी नरसिंह कुमार की शिकायत पर चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायत में कहा गया है कि कार्यालय में लगभग 20 लोग रहते हैं और यह हमला गंभीर जनहानि का कारण बन सकता था। साथ ही संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई गई है। प्राथमिकी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने, पुलिस पिकेट की स्थापना और हमलावरों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की हर पहलू से जांच कर दोषियों की पहचान कर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही यह मांग की गयी है कि संघ कार्यालय को सुरक्षा दी जाय। संघ कार्यालय के पास पुलिस पिकेट बनाया जाय तथा हमला करने वालों पर उचित कानूनी कार्रवाई करने की कृपा की जाए।

इस बीच, संघ कार्यालय पर हुए हमले का एक और सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इस फुटेज में यह साफ नजर आ रहा है कि हमलावरों के द्वारा फेंका गया एक पेट्रोल बम छत के ऊपर जाकर गिरा था, जिसकी वजह से जोरदार धमाका हुआ था। इससे पहले जो भी सीसीटीवी फुटेज मिले थे, उसे देखकर यह लग रहा था कि पेट्रोल बम आरएसएस कार्यालय के बाउंड्री के अंदर नहीं गिरे थे, लेकिन छत पर लगे सीसीटीवी फुटेज ने यह साबित कर दिया कि हमलावर पूरी तैयारी के साथ आए थे।

मुख्यमंत्री के विजन से पलाश ब्रांड के जरिए ग्रामीण महिलाओं की मेहनत को मिल रहा वैश्विक मंच

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का विजन और ग्रामीण महिलाओं की मेहनत के अनूठे संगम ने प्रमाणित कर दिया कि यदि दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत एक साथ मिल जाए, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को वैश्विक ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है।

इसी सोच और कड़ी मेहनत से पलाश ब्रांड के तहत झारखण्ड मैंगो मार्केटिंग इनिशिएटिव ने ग्रामीण महिलाओं और किसानों की तकदीर बदल रही है। आज झारखण्ड का आम न केवल देश के बड़े रिटेल चेन बल्कि सात समंदर पार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपनी मिठास घोल रहा है।

बड़े पैमाने पर फलदार पौधारोपण और स्थायी आजीविका

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बिरसा हरित ग्राम योजना की शुरूआत कोरोना संक्रमण काल में हुई थी। सखी मंडल की दीदियों के साथ साथ संक्रमण काल में अपने गांव लौटे प्रवासी श्रमिकों ने भी योजना को अपने आजीविका का साधन बनाया था। इसका असर आज साफ दिख रहा है। राज्य के करीब 1.86 लाख एकड़ क्षेत्र में आम के बगीचे लहलहा रहे हैं, जिससे लगभग 2.15 लाख ग्रामीण परिवारों को सीधे तौर पर स्थायी आजीविका और रोजगार के अवसर मिले हैं। वर्तमान में लगभग 52,000 एकड़ के बागान पूरी तरह से तुड़ाई के लिए तैयार हैं, जिससे इस सीजन में करीब 50,000 मीट्रिक टन आम के उत्पादन का अनुमान है।

ग्रामीण महिलाओं की मेहनत को मिला 'पलाश' का सम्मान

इस पूरी मुहिम के केंद्र में झारखण्ड की ग्रामीण सखी मंडल की दीदियां और महिला किसान हैं। ग्रामीण महिलाओं की श्रम शक्ति का सम्मान के नारे के साथ ये दीदियां आम के कलेक्शन, ग्रेडिंग और पैकेजिंग से लेकर उनकी बिक्री और मार्केटिंग की कमान खुद संभाल रही हैं। जेएसएलपीएस की ओर से किसानों को सक्रिय फार्मर प्रोड्यूसर ऑगेर्नाइजेशन्स से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें संगठित बाजार और सही मूल्य मिल पा रहा है।

सुव्यवस्थित बाजार और रिटेल लिंकेज

आमों की गुणवत्ता के आधार पर बाजार को तीन श्रेणियों ग्रेड ए, बी, सी में विभाजित कर सुव्यवस्थित किया गया है ताकि किसानों को अधिकतम लाभ मिल सके। ग्रेड-ए प्रीमियम क्वालिटी के इन आमों को एपीईडीए प्रमाणित निर्यातकों के माध्यम से यूएई, सऊदी अरब और यूके जैसे देशों में निर्यात किया जा रहा है। साथ ही, घरेलू बाजार में इन्हें पलाश मार्ट और अपना मार्ट के आउटलेट्स पर 60 रुपये प्रति किलो की दर से सह-ब्रांडेड पैकेट में बेचा जा रहा है।

करोड़ों का कारोबार और भविष्य की योजनाएं

राज्य में सक्रिय लगभग 115 एफपीओएस को पलाश मैंगो कैनोपी काउंटर्स से जोड़ा गया है, जो जिला-वार संग्रह और बिक्री का काम देख रहे हैं। इन काउंटर्स के माध्यम से अब तक झारखण्ड में लगभग 2,24,200 किलोग्राम आमों की बिक्री की जा चुकी है, जिससे 60.51 लाख से अधिक का कारोबार हुआ है। बाजार को और मजबूत करने के लिए ब्लॉक और जिला स्तर पर फार्मर्स मेला तथा बायर-सेलर मीट आयोजित की जा रही हैं। इसके अलावा, बाजार विस्तार के लिए ब्लिंकिट, रिलायंस फ्रेश और कशिश मॉल जैसे कॉर्पोरेट के साथ भी बातचीत अंतिम चरण में है।

दुबई और लंदन तक पहुंचा झारखण्ड का आम

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में झारखण्ड के कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य ने निर्यात के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। सिमडेगा जिले से जेबी एक्सपोर्टर्स के माध्यम से 1,580 किलोग्राम प्रीमियम आम सीधे लंदन (यूके) भेजे गए हैं। वहीं, रामगढ़ क्लस्टर से 1,500 मीट्रिक टन से अधिक आम दुबई (यूएई) निर्यात किए गए हैं। इस वैश्विक निर्यात पहल में सिमडेगा, रामगढ़ और पूर्वी सिंहभूम जैसे ज़िले अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। आम की गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने के लिए आईसीएआर झ्र आरसीईआर, पलांडू की ओर से तकनीकी मार्गदर्शन और क्वालिटी प्रोटोकॉल दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के कोरिया में कार जलाने की घटना में तीन की मौत, एक गंभीर

एजेंसी

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के सोनहत तहसील अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी में बीती रात हुई दिल दहला देने वाली घटना में मरने वालों की संख्या तीन पहुंच गई है। घटना में 80 प्रतिशत तक जल चुके नागेंद्र सिंह ने बेहतर उपचार के लिए रायपुर ले जाते समय बिलासपुर से पहले दम तोड़ दिया।

रेत उत्खनन को लेकर सत्ताधारी दल के नेताओं के बीच मंगलवार दोपहर हुए विवाद के बाद रात में दिल को दहला देनी वाली घटना में आरोपितों ने फॉर्च्यूनर में सवार होकर गांव पहुंचे मृतकों की गाड़ी को पहले टिपर से मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया, जिसके बाद पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। आरोपितों ने मृतकों को गाड़ी से निकलने का मौका तक नहीं दिया।

इस घटना में भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह की जहां मौके पर ही मौत हो गई थी, वहीं चार घायलों को उपचार के लिए अंबिकापुर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से वीरेंद्र सिंह उर्फ वीरू की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं 80 प्रतिशत तक जल चुके नागेंद्र सिंह (53) अंबिकापुर से रेफर कर रायपुर ले जाते समय बिलासपुर के पहले मौत हो गई। इसके अलावा एक अन्य घायल मयंक सिंह की भी स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है।

इस घटना के बाद आक्रोशित सर्व समाज द्वारा कोरिया पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया है। सर्व समाज ने घटना की सीबीआई जांच की मांग करते हुए आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जानलेवा हमले के मामले में कुख्यात प्रिया सिंह उर्फ चटनी डॉन गिरफ्तार, भेजी गई जेल

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः सोनारी थाना पुलिस ने जानलेवा हमला और मारपीट के एक मामले में कुख्यात अपराधी प्रिया सिंह उर्फ चटनी डॉन को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार घटना 15 जून की है, जिसमें सोनारी ग्वाला बस्ती स्थित आदर्श नगर निवासी पूजा देवी ने प्रिया सिंह और उसके सहयोगियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डीएसपी मनोज कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि घटना के दिन पूजा देवी के पति ओम प्रकाश सिंह अपने घर के बाहर बैठे हुए थे। इसी दौरान एक छोटा बच्चा सड़क किनारे खेलते हुए अचानक सड़क की ओर चला गया। उसी समय एक स्विफ्ट डिजायर कार तेज रफ्तार से वहां से गुजरी, जिससे बच्चा बाल-बाल बच गया।

बताया गया कि इस बात को लेकर ओम प्रकाश सिंह और कार चालक पवन यादव के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि कार में सवार प्रिया सिंह उर्फ चटनी डॉन ने इसके बाद अपने सहयोगियों को फोन कर मौके पर बुला लिया। कुछ ही देर में पहुंचे लोगों ने हथियारों से लैस होकर पूजा देवी के परिवार पर हमला कर दिया।

हमले में परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने सोनारी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की मुख्य आरोपी प्रिया सिंह उर्फ चटनी डॉन को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार प्रिया सिंह उर्फ चटनी डॉन का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 15 मामले दर्ज हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी कर रही है।

दोवाडू में लाह व्यापारी से छिनतई का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

सिल्लीः सिल्ली थाना क्षेत्र के दोवाडू एवं बदालू के बीच 14 जून की संध्या लगभग 5 बजे दोवाडू गांव निवासी शिव शंकर दत्ता लाह व्यापारी से हुई छिनतई की घटना का शिकायत मिलते ही सिल्ली पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर पदार्फाश कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया बैग,नगद राशि 16500 समेत अन्य कई दस्तावेज बरामद कर लिए हैं, जिसमें एक नीले रंग का हैंडबैग, कीपैड वाली नोकिया मोबाइल फोन,पीड़ित व्यक्ति का बैंक एटीएम एवं चेक बुक,पैन कार्ड, वोटर कार्ड,एक डायरी एवं दो एंड्राइड मोबाइल फोन शामिल है।

सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निदेर्शानुसार सिल्ली थाना की एक छापामारी दल का गठन किया गया एवं घटनास्थल पर पहुंचकर जांच प्रारंभ किया गया।अनुसंधान और आवश्यक कार्रवाई के क्रम में ग्राम दोवाडू के निमाई चंद्र दत्ता,पिता हरे कृष्णा दत्ता से पूछताछ करने पर उसने अपराध को स्वीकार करते हुए राहे थाना के गोमदा गांव निवासी प्रवीण महतो,पिता इंद्रजीत महतो का भी घटना में संलिप्तता को बताया। निमाई चंद्र दत्ता के निशानदेही पर छिनतई की गई राशि 16500 एवं अन्य दस्तावेज प्रवीण महतो के घर से पुलिस ने बरामद किया।अभियुक्त निमाई चंद्र दत्ता ने पूछताछ के क्रम में छिनतई का कारण व्यापारिक दुश्मनी बताया।दोनों आरोपियों को पुलिस द्वारा न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नवीन कुमार,पुलिस अवर निरीक्षक रामदेव कुमार यादव,उदय कुमार सिंह,अरुण प्रसाद यादव,अमित कुमार दास, सहायक अवर निरीक्षक विनोद कुमार चौधरी,युधिष्ठिर महतो आरक्षी अमरकांत सिंन्हा, लिबनुस बा,मानस चंद्र गगन,मिथिलेश कुमार राय समेत अन्य सशस्त्र बल शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

आरएसएस कार्यालय पर हमला चिंताजनक, दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई : डॉ. जटा शंकर पाण्डेय

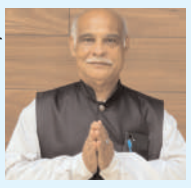

जमशेदपुर(बिभा)। भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. जटा शंकर पाण्डेय ने रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे बेहद गंभीर और दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने वाले संगठन के कार्यालय पर हमला किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंता का विषय है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में डॉ. पाण्डेय ने कहा कि इस तरह की हिंसक घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून व्यवस्था पर सीधा आघात हैं। उन्होंने राज्य सरकार से मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों की पहचान सुनिश्चित करने तथा उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि राजधानी रांची में यदि इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं तो राज्य के अन्य क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं। ऐसी घटनाएं कानून-व्यवस्था की स्थिति पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं और आम लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा करती हैं। डॉ. पाण्डेय ने आरोप लगाया कि यह घटना राज्य सरकार की विफलता को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि सरकार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और लोगों का सुरक्षा व्यवस्था पर विश्वास कायम रहे।

बाल विवाह नहीं करने का कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं ने लिया संकल्प

जमशेदपुर (बिभा)। नालसा एवं झालसा के निदेर्शानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में पूर्वी सिंहभूम जिले में चलाए जा रहे 90 दिवसीय सघन जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को गालूडीह बराज स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी की उपस्थिति में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया ।इस दौरान कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं को डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने नागरिक के मौलिक अधिकार व कर्तव्य, बाल विवाह , बालश्रम, चाईल्ड प्रोटेक्शन, पोक्सो एक्ट आदि कानूनो के बारे में गहन जानकारी दी। वहीं लीगल एड डिफेंस कौंसिल के सदस्य मनोज कुमार सिंह ने डालसा के कार्य व उद्देश्य तथा डायन विशाही एवं चाईल्ड ट्रैफिकिंग के बारे में विस्तार से बताया ।जागरूकता शिविर में सैकड़ों की संख्या में विद्यालय की छात्राएं अनुशासन पूर्वक शामिल होकर शिविर का लाभ उठाई। मौके पर विद्यालय की वार्डेन अंजना कुमारी, डालसा पीएलवी नागेन्द्र कुमार, दिलीप जायशवाल, दसमत हांसदा, गोलापी रानी महतो , अजय महतो , मिथुन महतो, रोबेन भकत, देवजानी दे , दुली हेंब्रम सहित अन्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय की छात्राओं ने अपने मुख्य लक्ष्य की प्राप्ति के लिए और अपने जीवन में कुछ बनने के लिए बाल विवाह नहीं करने का संकल्प लिया ।

दो बाइक में भीषण टक्कर, एक की मौत, पिता-पुत्र समेत तीन घायल

सिल्ली(बिभा)ः प्रखंड के सिल्ली बंता पथ लोवादाग के समीप बुधवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।हादसे में लोदमु निवासी दयानंद महतो (35),पिता मंगल नाथ महतो की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार,बोनडीह तुलिन निवासी नीतीश महतो (30),पिता बावरी महतो अपने चार वर्षीय बेटे उमेश महतो के साथ मोटरसाइकिल संख्या जेएच-01डीडटब्ल्यू-6422 से जा रहे थे। वहीं दूसरी ओर से लोवादाग रामपुर निवासी सुखदेव महतो (28) पिता भगीरथ महतो और लोदमु निवासी दयानंद महतो मोटरसाइकिल संख्या जेएच-02एएन-8819 पर सवार थे। बंता लोवादाग के पास दोनों मोटरसाइकिलों की तेज रफ्तार में टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दयानंद महतो ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।नीतीश महतो और सुखदेव महतो गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही सिल्ली थाना पुलिस मौके पर पहुंची।सभी घायलों को तुरंत सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने दयानंद महतो को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स रांची भेज दिया है। घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

धनबाद में स्थापना दिवस सह जनाक्रोश मार्च को सफल बनाने को लेकर आजसू की बैठक सम्पन्न

बिभा संवाददाता

सिल्लीः सिल्ली स्थित आजसू पार्टी प्रधान कार्यालय में बुधवार को आजसू कार्यकताओं की एक बैठक केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह की अध्यक्षता में की गई। बैठक में पार्टी प्रमुख सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में आगामी 22 जून को धनबाद में आयोजित स्थापना दिवस सह जन आक्रोश मार्च को सफल बनाने की तैयारी की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। सुदेश कुमार महतो ने कहा कि स्थापना दिवस सह आक्रोश मार्च के माध्यम से जनता की समस्याओं और विभिन्न जनहित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रीय एवं पंचायत प्रभारीयों तथा जोन के पदाधिकारीयों को गांव गांव जाकर लोगों को आक्रोश मार्च के उद्देश्य से अवगत कराने तथा हजारों की संख्या में कार्यकताओं को धनबाद पहुंचने की अपील की। साथ ही पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को जनसमपर्क अभियान तेज करने की ज़िम्मेवारी सौंपी। बैठक को केंद्रीय सचिव गौतम कृष्ण साहु, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, लक्ष्मी नारायण महतो, विजय चंद्र महतो, जोन्हा के जोन अध्यक्ष पुर्व सैनिक अशोक एक्का, भानुमती तंतुबाई, रीता महली, बबलु आदि ने सम्बोधित किया। संचालन प्रखंड प्रमुख जितेन्द्र नाथ बड़ाइक ने एवं धन्यवाद ज्ञापन त्रिलोचन महतो ने किया। इस मौके पर डबलु महली, शिव शंकर प्रसाद, पंसस अरविंद कुमार, ज्योति कुमारी, दीपा कुमारी, उर्मिला देवी, शेखा देवी, मामुनि देवी, नान्हू महतो, शशि सोनार, धीरेन महतो, गणेश महतो समेत आजसू पार्टी के क्षेत्रीय प्रभारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्वी चुरी पंचायत में पेयजल संकट गहराया, एक साल से ठप पड़े सोलर जलमीनार

विशाल कुमार

खलारी। खलारी प्रखंड की पूर्वी चुरी पंचायत स्थित चूरी कॉलोनी में पेयजल संकट अब गंभीर रूप ले चुका है। करोड़ों रुपये की लागत से लगाए गए अधिकांश सोलर जलमीनार पिछले लगभग एक वर्ष से खराब पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि पूरे क्षेत्र के लोग पीने के पानी के लिए एकमात्र कुएं पर निर्भर हो गए हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि कई जलमीनारों के मोटर खराब हो चुके हैं, जबकि कुछ की तकनीकी व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी है। लंबे समय से मरम्मत नहीं होने के कारण ये जलमीनार केवल शोपीस बनकर रह गए हैं। इससे लोगों को रोजाना पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गो पर सबसे ज्यादा असर

पेयजल संकट का सबसे अधिक असर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। सुबह से ही कुएं पर पानी भरने वालों की लंबी कतार लग जाती है। पानी की सीमित उपलब्धता के कारण लोगों का काफी समय सिर्फ पानी जुटाने में ही खर्च हो रहा है, जिससे दैनिक जीवन और अन्य जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है।

शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई, ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। एक वर्ष से अधिक समय से जलमीनार बंद पड़े होने के बावजूद मरम्मत नहीं होना विभागीय उदासीनता को दशार्ता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा प्रखंड प्रशासन से अविलंब सभी खराब सोलर जलमीनारों की जांच कर उन्हें चालू कराने और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।अब बड़ा सवाल यह है कि जब ग्रामीण एक वर्ष से पेयजल संकट झेल रहे हैं और एक कुएं के सहारे जीवन यापन करने को मजबूर हैं, तब जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की नींद आखिर कब टूटेगी? यह सवाल आज पूरे पूर्वी चुरी पंचायत के लोगों की जुबान पर है।

उलीडीह की खड़िया बस्ती में चली गोली, राजनगर के युवक देवदास गौड़ की इलाज के दौरान मौत

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः उलीडीह ओपी क्षेत्र स्थित खड़िया बस्ती में मंगलवार देर रात हुई गोलीबारी की घटना ने एक युवक की जान ले ली। सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर निवासी देवदास गौड़ को गर्दन में गोली लगने के बाद गंभीर हालत में एमजीएम अस्पताल लाया गया था, जहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है, जबकि पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवदास गौड़ मंगलवार को अपने कुछ परिचितों के साथ जमशेदपुर आया था। देर रात वह उलीडीह क्षेत्र की खड़िया बस्ती में मौजूद था, तभी किसी बात को लेकर विवाद होने की आशंका के बीच गोली चल गई। गोली सीधे उसकी गर्दन में जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे आनन-फानन में एक वाहन से एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी जान बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन अधिक रक्तस्राव और गंभीर चोट के कारण उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही उलीडीह ओपी और एमजीएम थाना पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली तथा मृतक के साथ मौजूद लोगों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना के समय कई लोग मौके पर मौजूद थे, लेकिन गोली किन परिस्थितियों में चली और किसने चलाई, इसे लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं।

पुलिस ने मामले से जुड़े और तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांचकताओं का मानना है कि घटना से पहले किसी प्रकार का विवाद या कहासुनी हुई थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को भी जुटाया जा रहा है। फॉरेंसिक जांच की भी तैयारी की जा रही है ताकि गोली चलने की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

देवदास गौड़ की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजन और रिश्तेदार अस्पताल पहुंच गए। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिल्ली के पतराहातु में कुरमी/कुड़मी समन्वय समिति का दो दिवसीय सेमीनार 4-5 जुलाई को

सिल्ली(बिभा) : कुरमी/कुड़मी(महतो) समन्वय समिति झारखंड बंगाल एवं उड़िसा का दो दिवसीय सेमीनार आगामी 4 जुलाई एंव 5 जुलाई दिन क्रमशः शनिवार एवं रविवार को समन्वय समिति के प्रधान कार्यालय पतराहातु सिल्ली में आयोजित किया गया है। सेमिनार में समिति के सभी पदाधिकारियों, प्रभारियों,बुद्धिजीवियों, समाज प्रेमियों एवं समाज के सभी सामाजिक संगठनों के प्रमुख नेगाचारियों को आमंत्रित किया गया है। सेमीनार में समाज को अनुसुचित जनजाति के सूची में सूचीबद्ध करना, 2026-2027 के जनगणना में, समाज के जाति, धर्म एवं भाषा के सम्बन्ध में विचार विमर्श कर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया जाएगा। सेमीनार को सुव्यवस्थित एवं सुचारू चलाने के लिए भुवनेश्वर महतो तुन्कू सिल्ली, सुनिल कुमार महतो चोगा सोनाहातु, प्रदीप कुमार महतो नवाडीह तमाड़, धनंजय महतो जारगा ढोड़ा अनगड़ा, देवेन महतो सालुखडीह ईचागड़, करम महतो साउडीह सोनाहातु, रघुनाथ महतो चैनपुर चिरुडीह राहे, परीक्षित महतो कोचों सिल्ली एवं फेक्नन राम महतो सातपालु सिल्ली को जिम्मेदारी सौपी गईं है।

सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पल्स पोलियो अभियान को लेकर बूथकर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

सिल्लीः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली में बुधवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रियंका सिन्हा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम 2026 को सफल बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में सभी बूथकर्मियों को 28 जून से 30 जून तक चलने वाले अभियान के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। डॉ. सिन्हा ने बताया कि बूथ दिवस 28 जून रविवार को सभी बूथकर्मी अपने-अपने क्षेत्र में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद अनिवार्य रूप से पिलाना सुनिश्चित करेंगे। इसके बाद घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को भी दवा पिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। बूथ पर आने वाले बच्चों का पूरा रिकॉर्ड संधारित करने और कोल्ड चेन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में दीपक कुमार, मारुति नंदन चक्रवर्ती, कमल कुमार दे और सुरेन्द्र नाथ महतो ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी कर्मियों ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

सोशल मीडिया पर उठी आवाज का असरः खलारी रेलवे स्टेशन से हटाया गया यात्रियों की जान के लिए खतरा बना पंखा

बिभा संवाददाता

खलारी। कभी-कभी एक जागरूक नागरिक की आवाज वह काम कर जाती है, जो लंबे समय से चली आ रही लापरवाही नहीं कर पाती। खलारी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-2 स्थित यात्री शेड में लगा एक क्षतिग्रस्त पंखा यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका था। लेकिन स्थानीय युवक मनोज केशरी द्वारा इस गंभीर मुद्दे को सोशल मीडिया के माध्यम से उठाए जाने के बाद रेलवे प्रशासन हरकत में आया और आखिरकार खराब पंखे को हटा दिया गया।

टूटे पंखे ने खड़े किए थे सुरक्षा पर सवाल

मनोज केशरी ने अपने फेसबुक पोस्ट में स्टेशन की उस चिंताजनक स्थिति का जिक्र किया था, जहां यात्री शेड में लगा एक पंखा अपने एक ब्लेड के टूट जाने के बावजूद

चलाया जा रहा था। पंखा चालू होने पर तेज कंपन और असंतुलन के साथ घूमता था, जिससे उसके नीचे बैठे यात्रियों में डर का माहौल बन जाता था। भीषण गर्मी के बीच जहां यात्रियों को राहत मिलनी चाहिए थी, वहीं उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता सताने लगी थी।पोस्ट में उन्होंने सवाल उठाया था कि आखिर यात्रियों की जान से जुड़े ऐसे मामलों को गंभीरता से क्यों नहीं लिया जाता। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि समय रहते ऐसी खामियों को दूर नहीं किया गया, तो कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है।

रेलवे ने स्वीकार की शिकायत, हटाया खराब पंखा

सोशल मीडिया पर मामला चर्चा में आने के बाद रेलवे प्रशासन ने शिकायत का संज्ञान लिया। रेलवे द्वारा जारी फीडबैक के अनुसार खलारी स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-2 स्थित यात्री शेड में लगा खराब पंखा हटा दिया गया है तथा उसके स्थान पर नया पंखा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही रेलवे ने शिकायतकर्ता को समस्या की जानकारी देने के लिए धन्यवाद भी दिया।

जनहित की पहल ने दिलाई राहत

यह घटना केवल एक खराब पंखे के हटने की कहानी नहीं है, बल्कि यह इस बात का उदाहरण है कि जागरूक नागरिकों की पहल और जिम्मेदार शिकायतें किस प्रकार व्यवस्था को सक्रिय करने का काम करती हैं। मनोज केशरी द्वारा उठाया गया मुद्दा आज यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सकारात्मक परिणाम लेकर आया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे द्वारा की गई यह कार्रवाई सराहनीय है, लेकिन साथ ही स्टेशन परिसर में मौजूद अन्य सुविधाओं और उपकरणों की भी नियमित जांच होनी चाहिए, ताकि भविष्य में यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा या खतरे का सामना न करना पड़े।

खलारी रेलवे स्टेशन पर टूटे पंखे को हटाए जाने से यात्रियों ने राहत की सांस ली है। यह मामला एक बार फिर साबित करता है कि जब जनता अपनी जिम्मेदारी निभाती है, तो प्रशासन को भी जवाबदेह होना पड़ता है।

पेट्रोल बम से किए गए हमले की विश्व हिंदू परिषद ने किया निंदा

बिभा संवाददाता

रांची : निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यालय में विगत रात्रि पेट्रोल बम से किए गए हमले की विश्व हिंदू परिषद कड़ी निंदा करती है तथा सरकार एवं प्रशासन से हमलावरों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग करती हैं। विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने कहा विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन जो राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगा हुआ है उस पर इस प्रकार का हमला अत्यंत चिंता जनक है। यह छोटी घटना नहीं है इस घटना के पीछे राष्ट्रविरोधी शक्तियों का हाथ हो सकता है जिसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। प्रांत कार्यालय में प्रशासन द्वारा स्थायी सुरक्षा व्यवस्था रहनी चाहिए जिससे इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति ना हो।

झारखंड कृषि व्यापार मेला बना ज्ञान और किसानों के उत्साह का संगम

राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में कृषि व्यापार मेला प्रभावी मंच : शिल्पी

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित झारखंड कृषि व्यापार मेला 2026 के दूसरे दिन बुधवार को किसानों की उत्साहपूर्ण भागीदारी, आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी और नवाचारों का संगम बना रहा।

राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने प्रदर्शनी, तकनीकी सत्रों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता कर कृषि के नए आयामों से परिचय प्राप्त किया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मेले का भ्रमण कर किसानों का उत्साहवर्धन किया और विभिन्न विभागीय एवं निजी स्टॉलों का निरीक्षण कर कृषि, पशुपालन और इससे जुडे क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों की जानकारी ली।

मेले में कृषि, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, बागवानी सहित अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और तकनीकी जानकारों ने किसानों को नई वैज्ञानिक तकनीकों, सरकारी योजनाओं, उन्नत नस्ल सुधार की जानकारी दी।

दिनभर आयोजित विभिन्न सत्रों में फसल उपरांत प्रबंधन, डिजिटल और जलवायु-स्मार्ट कृषि, कुक्कुट एवं अंडा उत्पादन, डेयरी आधारित कृषि व्यवसाय सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा किया। इन सत्रों ने किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने और आय में वृद्धि के नए मार्गों से अवगत कराया।

इस अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड कृषि व्यापार मेला 2026 किसानों को नई तकनीकों, सरकारी योजनाओं और बाजार से जोड़ने वाला एक प्रभावी मंच बनकर उभर रहा है। यह आयोजन राज्य की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ-साथ किसानों को आत्मनिर्भर, समृद्ध और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मेले में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू, पार्टी के सह प्रभारी डॉ सिरिबेला प्रसाद, भूपेश मरावी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कुमार राजा, सोमनाथ मुंडा, जोसाई मार्डी भी पहुंचे। सभी अतिथियों ने मेले में लगाए गए विभिन्न कृषि स्टॉलों, प्रदर्शनी क्षेत्रों और नवाचार केंद्रों को देखा और किसानों, कृषि उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों से बातचीत की। उन्होंने झारखंड सरकार के कृषि विभाग आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन किसानों की समृद्धि, आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भाजपा ने आरआरएस कार्यालय पर हमले को बतलाया कायरतापूर्ण और दुर्भाग्यपूर्ण

बिभा संवाददाता

रांची : रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने की घटना को दुखद और कायरतापूर्ण बतलाते हुए झारखंड भाजपा ने राज्य की विधि व्यवस्था पर सवाल उठाया है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सहित अन्य नेताओं ने संघ कार्यालय पहुंचकर मामले का जायजा भी लिया। भाजपा का मानना है कि यह कोई छोटी घटना नहीं है। घटना के पीछे की पूरी साजिश का फदार्फाश होना आवश्यक है।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने इस हमले को कायरतापूर्ण, निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण बतलाया है। घटना की सूचना पर उन्होंने संघ कार्यालय पहुंचकर मामले की विस्तृत जानकारी भी ली।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह जघन्य अपराध है। अपराधियों का मनोबल राज्य में बढ़ा हुआ है। करोड़ों की आस्था का केंद्र और राष्ट्रीय सेवाभाव से काम करने वाले संघ कार्यालय पर राजधानी में नाक के नीचे इस प्रकार की घटना बताती है कि अपराधियों को पुलिस प्रशासन का कोई भय नहीं है, वे समानांतर सरकार चला रहे हैं। जब इतने बड़े सामाजिक संस्थान का कार्यालय सुरक्षित नहीं है तो फिर आम लोग कैसे सुरक्षित रह पाएंगे?

वहीं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी घटना की सूचना पर निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने इस घटना को अत्यंत गंभीर और चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि आरएसएस जैसे वैचारिक संगठन के कार्यालय पर इस प्रकार का हमला कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है। यह बड़ी घटना है। इस घटना के पीछे क्या उद्देश्य था, इसकी निष्पक्ष और त्वरित जांच कर पूरे मामले का जल्द उद्भेदन किया जाना आवश्यक है। ऐसे कृत्यों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने रांची एसपी, डीसी एवं डीजीपी से वार्ता कर इस मामले के दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संघ कार्यालय के समीप स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

गौरव पुष्कर बने पीआईबी और सीबीसी के कार्यालय प्रमुख

रांची(बिभा)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के दो महत्वपूर्ण विभागों—पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) तथा केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), रांची—के कार्यालय प्रमुख का दायित्व श्री गौरव कुमार पुष्कर को दिया गया है। भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के अधिकारी पुष्कर वर्तमान में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी के साथ-साथ दूरदर्शन समाचार, रांची में समाचार संपादक के दायित्व का भी सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। इससे पूर्व वे सीबीसी की डालटनगंज इकाई के प्रमुख के रूप में कार्यरत रहे हैं तथा पीआईबी से संबंधित समन्वय कार्यों का भी प्रभावी संचालन करते रहे हैं। इनके नेतृत्व में राज्य में कई महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

रिनपास में प्रोजेक्ट मानस -ब्रेन्सवे डीप ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिकस्टिमुलेशन सेंटर का उद्घाटन

रांची(बिभा) : झारखंड में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा प्रदान करते हुए राँची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो-साइकियाट्री एंड एलाइड साइंसेज (रिनपास), कांके में प्रोजेक्ट मानस - ब्रेन्सवे डीप ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिकस्टिमुलेशन सेंटर का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने किया। यह परियोजना सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तपोषित की गई है। केंद्र की स्थापना रोटरी फाउंडेशन (इंडिया) द्वारा की गई है तथा इसमें रोटरी क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट का सहयोग प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में विधायक सुरेश कुमार बैठा, रिनपास की निदेशक डॉ. जयति सिमलाई, सीसीएल के जीएम सिद्धार्थ शंकर लाल तथा रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3250 की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन नम्रता, ललित त्रिपाठी, गौरव बागरॉय, मुकेश तनेजा, अमित अग्रवाल, योगेश गंभीर, रिनपास से डॉ विनोद महतो, डॉ भुवन ज्योति सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। अपने संबोधन में डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य आज सार्वजनिक स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण विषय है और इस प्रकार की अत्याधुनिक तकनीकों की उपलब्धता से राज्य के मरीजों कोबेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त होगा। उन्होंने रिनपास द्वारा मानसिकस्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। रिनपास की निदेशक डॉ. जयति सिमलाई ने बताया कि डीपट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन एक सुरक्षित, प्रभावी एवंगैर-आक्रामक उपचार तकनीक है, जिसका उपयोग अवसाद, ऑब्सेसिव कम्पल्सिव डिसऑर्डर, नशा मुक्ति उपचार तथा अन्य मानसिक एवं तंत्रिका संबंधी विकारों के उपचार में किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की स्थापना से झारखंड सहित पूर्वी भारत के मरीजों को अत्याधुनिक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभस्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने केंद्र का अवलोकन किया तथा आधुनिक ळिटर प्रणाली की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। उपस्थित अतिथियों ने इस पहल को झारखंड में मानसिक स्वास्थ्य उपचार के क्षेत्र मेंएक ऐतिहासिक कदम बताया।

रांची विवि के कॉलेजों से अब पीजी की पढाई होगी खत्म, छात्रों को मिलेंगी अब बारकोड युक्त डिग्रियां

बिभा संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के अधीन आनेवालों कॉलेजों से अब पीजी की पढाई खत्म होगी। पीजी करनेवाले छात्रों को अब विश्वविद्यालय से इसकी शिक्षा मिल पाएगी।

साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलनेवाली डिग्रियां अब बारकोड युक्त होंगी। यह निर्णय बुधवार को रांची विश्वविद्यालय के अकादमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया। विश्विविद्यालय के मास कॉम सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने किया। बैठक में अकादमिक काउंसिल के सभी सदस्य शामिल हुये। कुलपति प्रो सरोज शर्मा की अध्यक्षता में अकादमिक काउंसिल की यह पहली बैठक थी जिसमें 37 महत्वयपूर्ण विषयों और प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

बैठक में कुलपति प्रो शर्मा ने सभी सदस्यों से कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वतयन का समय है। साथ ही हमें समय के साथ एआइ, भारतीय ज्ञान परंपरा मूक्सय जैसे विषयों पर ध्यांन देना है। बैठक में कई एजेंडों पर चर्चा हुई।

मौके पर कुलपति ने कहा कि जिन विभागों में छात्रों की संख्या कम है वहां हम सभी प्रयास करें ताकि वहां छात्र नामांकन लें। उन्होंने कहा कि रांची विश्विविद्यालय की परंपरा बहुत समृद्ध है और हमें अब यूजीसी और झारखंड सरकार के वैधानिक नियमों के अनुसार ही तेजी से कार्य करना है। उन्होंने प्लेसमेंट के लिये जॉब मेला आयोजित करने की बात कही।

इस दौरान आइक्यूपएसी के प्रस्ताव जिसमें प्रवासी भारतीयों के लिये ह्वडायस्पो रा स्टाडीजह्व केंद्र को स्थापित करने पर कुलपति ने कहा कि विदेशों में बहुत बड़ी तादाद ऐसे प्रवासी भारतीयों की है जो झारखंड बिहार की भाषा सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यडम से सीखना चाहते हैं। इसके अलावा उन्हें अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए यह संस्थान विभिन्न अकादमिक गतिविधियों का केंद्र रहेगा।

राज्यसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत सुनिश्चित : राकेश सिन्हा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने राज्यसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन की जीत का दावा करते हुए कहा है कि कांग्रेस, झामुमो, राजद एवं सहयोगी दलों के विधायक पूरी तरह एकजुट हैं और अधिकृत उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित है। महागठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत है तथा सभी विधायक लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के जनादेश के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

सिन्हा ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव से पहले अपने ही विधायकों को होटल में ठहराने का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि भाजपा नेतृत्व को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं रह गया है। जो पार्टी लगातार दूसरों पर आरोप लगाती रही है, आज वही अपने विधायकों को एक स्थान पर रखने के लिए मजबूर है। इससे भाजपा की आंतरिक स्थिति और उसके नेतृत्व की असुरक्षा स्पष्ट रूप से सामने आ गई है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज्यसभा चुनाव में राजनीतिक भ्रम फैलाने और अनावश्यक चचाओं के माध्यम से माहौल बनाने की कोशिश कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि महागठबंधन पूरी मजबूती के साथ एकजुट है। भाजपा को यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि झारखंड की जनता ने जिस जनादेश के साथ वर्तमान सरकार को चुना है, उसके निर्वाचित प्रतिनिधि किसी दबाव या प्रलोभन में आने वाले नहीं हैं।

झाड़ लिपि के जनक डॉ. करम चन्द्र अहीर को केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राहे प्रखंड के फुलवार गांव पहुंचकर प्रख्यात साहित्यकार डॉ. करम चंद्र अहीर के घर पहुंचे। यहां उन्होंने भाषा, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. अहीर को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद संजय सेठ ने कहा कि लेखक और साहित्यकार समाज के आदर्श होते हैं। उन्होंने कहा, ह्लपांच परगना में भाषाई जागृति की जो ज्योति डॉ. करम चंद्र अहीर ने जलाई है, उसे इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। डॉ. अहीर ने पंचपरगनिया भाषा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है। उनकी रचनाएं आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेंगी।

डॉ. करम चंद्र अहीर ने वर्ष 1980 से पंचपरगनिया भाषा के विकास के लिए काम शुरू किया। 1982 में उन्होंने पंचपरगनिया भाषा विकास समिति का गठन किया। समिति के सक्रिय सदस्यों के सहयोग से इस भाषा को रांची विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल कराया गया। पंचपरगनिया के साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उनके प्रमुख सहयोगी रहे - परमानंद महतो, राजकिशोर सिंह, गोरेंद्र नाथ गोंझू, भूतनाथ प्रमाणिक, शक्तिधर अधिकारी, बुटन देवी, सोमवारी देवी, ज्योति लाल महादानी, आशुतोष कोइरी आदि।

इन्होंने पंचपरगनिया भाषा के लिए झाड़ लिपि का भी आविष्कार किया। वर्ष 2008 में उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए उन्हें ॠराष्ट्रपति शिक्षक पुरस्कारॠ से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. अहीर द्वारा रचित प्रमुख पुस्तकें:- पंचपरगनिया भाषा का इतिहास, आदर्श पंचपरगनिया व्याकरण और पंचपरगनिया भाषा का व्याकरणिक अध्ययन।

मतदाता जागरुकता को डिजिटल क्रियेटर मीट 27 जून को

बिभा संवाददाता

रांची। मतदाता जागरूकता एवं लोकतांत्रिक सहभागिता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के कार्यालय द्वारा राज्य स्तरीय डिजिटल क्रियेटर मीट 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का डिजिटल क्रिएटर मीट 2026 कार्यक्रम एक विशेष पहल है जिसके जरिए झारखंड के ऐसे डिजिटल क्रिएटर्स, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, ब्लॉगर, वीडियो ब्लॉगर एवं स्टोरीटेलर्स को एक साझा मंच प्रदान किया जाएगा, जो डिजिटल माध्यमों के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव और जन-जागरूकता के लिए कार्य कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम सहित निर्वाचन संबंधी प्रामाणिक एवं सत्यापित जानकारी के प्रसार, भ्रामक सूचनाओं के निराकरण तथा जागरूक एवं जिम्मेदार डिजिटल संवाद को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के ऑफिसियल वेबसाइट, ऑफिसियल सोशल मीडिया पेज पर गूगल लिंक उपलब्ध कराए जाएंगे जिसमें वांछित विवरण भरकर सभी डिजिटल क्रिएटर भाग ले सकेंगे। यह कार्यक्रम 27 जून 2026 (शनिवार) को दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के कार्यालय, रांची में आयोजित होगा। कार्यक्रम में 80 चयनित प्रतिभागियों को आमंत्रित किया जाएगा, प्रतिभागियों का चयन उनके डिजिटल रीच, प्रमाणिक प्रोफाइल, गुणवत्तापूर्ण कंटेंट तथा सकारात्मक सामाजिक प्रभाव के आधार पर किया जाएगा। वहीं, अन्य इच्छुक क्रिएटर्स ऑनलाइन माध्यम से भी कार्यक्रम से जुड़ सकेंगे। कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक डिजिटल क्रिएटर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स से अनुरोध है कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर पंजीकरण कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 जून 2026 निर्धारित की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कॉमन योग प्रोटोकॉल सत्र का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर बुधवार को आर.सी.एच. कैंपस, नामकुम, रांची में कार्यरत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के अंतर्गत विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुष योग प्रशिक्षक हेमा कुमारी एवं नंदकिशोर शर्मा ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा योग के नियमित अभ्यास के महत्व से अवगत कराया।

इस अवसर पर उपनिदेशक (आयुर्वेद) डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मियों को योग के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का एक प्रभावी माध्यम है तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी-सह-सदस्य सचिव, जिला आयुष समिति, रांची, डॉ. साकेत कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित यह सामूहिक योग सत्र स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य संवर्धन तथा कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती है।

कार्यक्रम में डॉ. फजलुस समी, रजिस्ट्रार आयुष डॉ. वकील कुमार सिंह, डॉ. लाल मांझी, डॉ. विजय रजक, डॉ. अनुज मंडल, नवल किशोर यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ एवं निरोग समाज के निर्माण हेतु सामूहिक संकल्प लिया।

उषा मार्टिन फाउंडेशन संचालित प्रशिक्षण में 20 युवाओं को ड्राइविंग लाइसेंस एवं प्रमाण-पत्र

पारंपरिक मूल्यों के साथ कौशल विकास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाता है : पद्मश्री महावीर नायक

बिभा संवाददाता

रांची। पारंपरिक संस्कार, अनुशासन और कौशल विकास के समन्वय से ही युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं तथा समाज के विकास में सार्थक योगदान दे सकते हैं। उक्त बातें वर्ष 2025 में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित पारंपरिक नागपुरी लोकगायक महावीर नायक ने कहीं। वे उषा मार्टिन फाउंडेशन के तत्वावधान में संचालित चार पहिया वाहन चालक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 20 प्रशिक्षुओं के बीच ड्राइविंग लाइसेंस एवं प्रमाण-पत्र का वितरण किया गया।

अपने संबोधन में महावीर नायक ने कहा कि झारखंड की युवा शक्ति में अपार संभावनाएं हैं। आवश्यकता केवल उन्हें सही दिशा, प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण युवाओं को सम्मानजनक रोजगार दिलाने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। जिस युवा के पास हुनर है, उसके लिए आगे बढ़ने के अवसरों की कमी नहीं होती।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के एचआर हेड निपेन्द्र नाथ झा ने कहा कि सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। निरंतर अध्ययन, अभ्यास और नई जानकारियों को आत्मसात करने की प्रवृत्ति ही व्यक्ति को अपने क्षेत्र में सफल बनाती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान और अनुभव को लगातार विकसित करते रहना चाहिए, तभी कौशल का वास्तविक लाभ मिल सकेगा। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षुओं को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए जिम्मेदार चालक बनने का संदेश दिया।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए कौशल विकास सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल ड्राइविंग सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ह्लहुनर कभी व्यर्थ नहीं जाता। सीखने की इच्छा और निरंतर अभ्यास के बल पर युवा अपने जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को सुरक्षित वाहन संचालन, सड़क सुरक्षा नियमों एवं रोजगार के अवसरों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई। सभी प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जिम्मेदार एवं सुरक्षित चालक बनने का संदेश दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में नेशनल ड्राइविंग स्कूल के संस्थापक कालीचरण जी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उनके मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग से प्रशिक्षण प्रभावी ढंग से संचालित किया गया तथा प्रशिक्षुओं को व्यवहारिक और तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में सिलवाई पंचायत के समाजसेवी एवं आजसू के नेता राजू नायक सहित उषा मार्टिन फाउंडेशन के बरुण कुमार, भुनेश्वर महतो, मोनित भूतकुमार एवं संगीता कुमारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ड्राइविंग लाइसेंस एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले प्रशिक्षु

अभिषेक वर्मा, पूनम महतो, सुरेन्द्र कुमार महतो, आशीष मुंडा, राज कुमार महतो, अनमोल सिकंदर एक्का, राहुल महतो, आकाश कुमार, जॉन तिर्की, अजय बालमुचु, नूतन पाहन, मनोज मुंडा, राम तिर्की, डेमियन बालमुचु, अनिल भूतकुमार, रंजय टोप्पो, जितेन्द्र शर्मा, संगीता कुमारी, रश्मि पाहन एवं अर्चना सिंह।

दिल्ली–गोड्डा–दिल्ली एक्सप्रेस नावाडीह स्टेशन पर रुकेगी

यात्रियों की सुविधा के लिए, **14049/14050 गोड्डा–दिल्ली–गोड्डा एक्सप्रेस** निम्नवर्णित समयसूची के अनुसार प्रायोगिक तौर पर नावाडीह स्टेशन पर रुकेगी:

ट्रेन नं. एवं नाम	नावाडीह में समयसूची		जबसे ठहराव प्रभावी
	आ.	प्र.	
14050 दिल्ली–गोड्डा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 22.06.2026)	08.53	08.55	23.06.26
14049 गोड्डा–दिल्ली एक्सप्रेस (यात्रा शुरू होने की प्रभावी तिथि 17.06.2026)	16.21	16.23	17.06.26

टिप्पणी: इन ट्रेनों की समयसूची सभी अन्य स्टेशनों पर अपरिवर्तित रहेगी।
मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक
पूर्व रेलवे

पुलिस अधीक्षक ने किया थानों का औचक निरीक्षण, कांडों के त्वरित निष्पादन व सीसीटीएनएस अपडेट पर जोर

बिभा संवाददाता

बोकारो। जिले के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने बुधवार को तेनुघाट ओपी, तेनुघाट कोर्ट तथा गोमिया थाना का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का समग्र मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना स्टाफ के साथ लंबित कांडों की समीक्षा कर गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित करने और मामलों का शीघ्र निष्पादन करने पर विशेष जोर दिया।

एसपी ने पुलिस कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सीसीटीएनएस सिस्टम में सभी कांडों एवं अभिलेखों का समयबद्ध तथा शत-प्रतिशत अद्यतन सुनिश्चित किया जाए, ताकि मामलों का ट्रैकिंग और भविष्य की जांच में सहायता मिल सके। साथ ही उन्होंने थाना क्षेत्रों में नियमित व प्रभावी पेट्रोलिंग बढ़ाने, अपराध नियंत्रण तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने की भी हिदायत दी ताकि आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत रहे।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थानों के अभिलेख, मालखाना, हाजत और अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और आवश्यक सुधारात्मक निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कर्मियों से जनता के साथ संवेदनशील तथा पेशेवर व्यवहार बनाए रखने का आवाहन करते हुए पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया।

साइबर अपराधों को देखते हुए एसपी ने जन जागरूकता बढ़ाने तथा ठोस कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। निरीक्षण के समय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बेरमो, पुलिस निरीक्षक गोमिया, पुलिस निरीक्षक जरीडीह, ओपी प्रभारी तेनुघाट, थाना प्रभारी गोमिया व अन्य थाने के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के बाद थाने में सुधारात्मक कदम उठाने और स्थानीय सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

असुरक्षित आवासों के लीजधारकों हेतु 'विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना'

बिभा संवाददाता

बोकारो। लोक सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा जर्जर एवं असुरक्षित आवासीय ब्लॉकों में रह रहे लीजधारकों / निवासियों के लिए 'विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना' की घोषणा जल्द ही की जाएगी.

इस योजना के तहत, वर्तमान में असुरक्षित एवं जर्जर लीज आवासों के बदले संबंधित लीजधारकों को प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक रिक्त आवास आवंटित किए जाएंगे. नए आवंटन मौजूदा लीज के नियमों एवं शर्तों के अनुसार ही प्रभावी होंगे. संबंधित प्रभावित निवासियों को पूर्व में ही कानूनी नोटिस के माध्यम से वर्तमान आवास खाली करने और पुनर्स्थापन की आवश्यकता से अवगत कराया जा चुका है. प्रस्तावित विशेष लीज पुनर्स्थापन परिपत्र के जारी होने के बाद सभी प्रभावित लीजधारकों से समय पर अपने आवेदन जमा करने का अनुरोध किया जाता है ताकि आवंटन की संपूर्ण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ जल्द संपन्न की जा सके. इस योजना से जुड़े विस्तृत विवरण, प्रभावित ब्लॉकों की सूची और आवेदन की प्रक्रिया शीघ्र ही जारी होने वाले विस्तृत परिपत्र में उपलब्ध कराई जाएगी.

ज्ञातव्य है कि अधिकतर असुरक्षित एवं जर्जर ब्लॉक सेक्टर 12 में चिन्हित किए गए हैं जबकि कुछ ब्लॉक सेक्टर 2, सेक्टर 6 एवं सेक्टर 9 में चिन्हित किए गए हैं. विशेष लीज पुनर्स्थापन योजना का उद्देश्य लीजधारकों और उनके परिवारों को जर्जर ब्लॉक के संभावित जोखिम से आगाह कराना और उन्हें वैकल्पिक सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है. अतः सभी प्रभावित लीजधारकों से इसमें सहयोग की अपील की जाती है.

चास नगर निगम ने स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 10 टिपर वाहनों को किया रवाना

बिभा संवाददाता

बोकारो। वार्डों में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा कचरा उठाव से संबंधित शिकायतों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से चास नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस क्रम में महापौर भोलू पासवान एवं उपमहापौर पूजा कुमारी ने संयुक्त रूप से 10 टिपर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न वार्डों के लिए रवाना किया।

नगर निगम के अनुसार, इन वाहनों के संचालन से वार्डों में कचरा संग्रहण एवं उठाव कार्य में तेजी आएगी, जिससे स्वच्छता संबंधी समस्याओं का अधिक प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सकेगा। यह पहल नागरिकों को बेहतर एवं सुदृढ़ सफाई व्यवस्था उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों ने नगर निगम की इस पहल की सराहना करते हुए वार्डों में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर सहयोग एवं प्रयास जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

सीसीएल के सुरक्षा विभाग ने 35 टन कोयला किया जब्त

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले के बेरमो थाना अंतर्गत 05 नंबर पीपलधोरा बस्ती के निकट अमलो रेलवे साइडिंग पर कोयला माफियाओं के खिलाफ सीआईएसएफ ने बड़ी कार्रवाई की। सीआईएसएफ, बेरमो पुलिस व कोल इंडिया लिमिटेड (सीसीएल) सुरक्षा गार्डों की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर 35.670 टन अवैध कच्चा कोयला बरामद कर उसे सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया।

सीआईएसएफ सीसीएल करगली के कमांडेंट राज प्रताप सिंह को अमलो रेलवे साइडिंग के पास अवैध रूप से कोयला जमा करने की सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि होते ही जीएम रंजय सिन्हा व कमांडेंट राज प्रताप सिंह के निर्देश पर सीआईएसएफ की क्राइम ब्रांच, क्यूआरटी टीम व जवानों के साथ बेरमो पुलिस और सीसीएल सुरक्षा गार्डों ने मिलकर छापेमारी शुरू की।

छापेमारी दल में श्री गारा अभिलाष, के.वी.ए. श्रीधर (सहायक कमांडेंट), इंस्पेक्टर पी.के. सिंह, सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार तिवारी, सउपनि विद्युत देवशर्मा, महिला आरक्षक पूजा कुमारी के साथ सीसीएल सुरक्षा गार्ड प्रभारी

शीलचंद व एरिया सिक्योरिटी इन्चार्ज भी शामिल रहे। टीम ने मौके पर 35.670 टन अवैध कच्चा कोयला जब्त कर सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया।

सीआईएसएफ कमांडेंट राज प्रताप सिंह ने बताया कि कोयला चोरी पर पूरी तरह अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि माइंस एरिया के बाहर या उन जगहों पर जहाँ सीआईएसएफ की तैनाती नहीं है, वहाँ भी जब कोयला चोरी की जानकारी मिलेगी तो तुरंत सीसीएल प्रबंधन, जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस को सूचित कर संयुक्त छापेमारी की जाएगी।

सीसीएल प्रबंधन ने जब्त कोयले को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक रिकॉर्डिंग व निरीक्षण शुरू कर दिया है। स्थानीय पुलिस व प्रशासन ने भी मामले की तफ्तीश जारी रखी है और संभावित आपराधिक साजिश में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रांत कार्यालय पर बमबारी की घटना अत्यंत गंभीर : बिरंची नारायण

बोकारो(बिभा)। बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झारखंड प्रांत मुख्यालय, रांची पर देर रात हुई बमबारी की घटना को सुनियोजित साजिश करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक संगठन पर हमला नहीं, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को चुनौती देने का गंभीर प्रयास है। श्री नारायण ने राज्य सरकार से संघ कार्यालय की सुरक्षा सुनिश्चित कर, दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की श्री नारायण ने कहा कि ईश्वर की कृपा से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन इस प्रकार की घटना अत्यंत चिंताजनक है। सीसीटीवी फुटेज में पूरी वारदात स्पष्ट दिखाई दे रही है जिससे अपराधियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र गिरफ्तार किया जा सकता है। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय की सुरक्षा की व्यापक समीक्षा कर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था तत्काल लागू की जाए।

सेक्टर-4 में दो कारों की आमने-सामने टक्कर, कोई नुकसान नहीं

बोकारो(बिभा) । बुधवार की शाम सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम और केंद्रीय विद्यालय के बीच दो कारों के बीच जोरदार आमने-सामने टक्कर हो गयी। दुर्घटना में दोनों वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मारुति सियाज (पंजीकरण नंबर जेएच-09-एजेड-2524) और हुंडई सैंट्रो (पंजीकरण नंबर जेएच-09-आर-9021) के बीच जाड़ो-मुकाबला हुआ। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि सियाज की सामने की एक पहिया अलग हो गयी और दोनों गाड़ियों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-4 थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि सियाज में सवार युवक नशे की हालत में थे और प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण अत्यधिक नशा माना जा रहा है। दोनों वाहन चालकों व अन्य मौजूद लोगों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने ग्रामीणों और राहगीरों से अपील की है कि वे सड़कों पर तेज रफ्तार और नशे की हालत में वाहन चलाने से बचें। घटना के बाद किसी भी तरह की संपत्ति के दावे या आगे की कानूनी कार्रवाई के बारे में जानकारी मिलने पर आगे खबर दी जाएगी। सेक्टर-4 थाना ने कहा कि दुर्घटना की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा दोनों वाहनों के मालिकों से संपर्क कर क्षति का आकलन किया जा रहा है।

श्रीकांत देसवाली की संदिग्ध मौत पर शोकसभा आयोजित, दी गई श्रद्धांजलि

तलगड़िया (बोकारो) (बिभा)। चास प्रखंड अंतर्गत तलगड़िया-चास मुख्य मार्ग स्थित बिजुलिया एवं जिला परिषद मार्केट के व्यवसायियों ने बुधवार को डीएम कलेक्शन के कर्मचारी स्वर्गीय श्रीकांत देशवाली की संदिग्ध मौत को लेकर शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बाजार की कई दुकानें बंद रहीं और व्यापारियों ने मृतक की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शोकसभा का आयोजन भाजपा युवा नेता निमाई महतो के नेतृत्व में किया गया, जबकि कार्यक्रम का संचालन डीएम कलेक्शन के प्रोपराइटर धनंजय महतो ने किया। सभा में उपस्थित लोगों ने दिवंगत श्रीकांत देशवाली के व्यक्तित्व और व्यवहार की सराहना करते हुए उनके असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सभा को संबोधित करते हुए निमाई महतो एवं धनंजय महतो ने कहा कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सके और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि श्रीकांत एक व्यवहारिक और मेहनती युवक था तथा उसकी मृत्यु ने पूरे बाजार क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। ज्ञात हो कि श्रीकांत देशवाली का शव बीते दिनों चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिंहडीह-बारकी रेलवे पुल के समीप संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। वहीं घटनास्थल के पास एक युवती घायल अवस्था में पाई गई थी, जिसका इलाज चल रहा है। मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। व्यवसायियों ने चास मुफस्सिल थाना, महुदा थाना एवं जिला प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर सच्चाई सामने लाने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। शोकसभा में बबलू महतो, मुकेश महतो, धनंजय महतो, निमाई महतो, रोहित कुमार सिंह, रमेश राजवार, कुंदन सिंह, मंटू सरकार, विक्रम रवानी, दिलीप खवास, दिलबर रजक, सहित दर्जनों व्यवसायी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सिवनडीह-मखदुमपुर पुल के पास कूड़े का बना पहाड़, जनस्वास्थ्य के लिए खतरा ग्रामीणों ने किया विरोध

बिभा संवाददाता

बोकारो । सिवनडीह-मखदुमपुर को जोड़ने वाले एकमात्र पुल के समीप कूड़ा-कचरे का विशाल ढेर लग जाने से क्षेत्र की स्वच्छता और जनस्वास्थ्य पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। इस समस्या को लेकर युथ क्लब मखदुमपुर जोन ने हैसाबातु पश्चिमी पंचायत के मुखिया को आवेदन सौंपकर तत्काल सफाई और स्थायी समाधान की मांग कि गई है। सिवनडीह मखदुमपुर को जोड़ने वाले पुल से प्रतिदिन हजारों लोगों का आना जाना होता है। पुल तीन पंचायत का सीमा है माना जाता है। पुल के दोनों तरफ से गरगा नदी में कचडे. का पहाड़ खड़ा हो चुका है।

युथ क्लब के बैनर तले स्थानीय मुखिया को आवेदन देकर कुडे.का बना पहाड़ को गरगा नदी को साफ सुथरा करने के लिए मुखिया को आवेदन दिया गया। युथ क्लब के अध्यक्ष शहंशाह मलिक ने बताया कि पुल के पास अनियंत्रित रूप से कूड़ा फेंके जाने के कारण गंदगी का ढेर अब छोटे पहाड़ का रूप ले चुका है। चिकन, मछली और सब्जी विक्रेता सहित राहगीर प्रतिदिन यहां कचरा डाल रहे हैं। परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है, मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है। यह पुल हैसाबातु, सिवनडीह और मखदुमपुर तीनों पंचायतों के हजारों नागरिकों के आवागमन का मुख्य मार्ग है। प्रतिदिन स्कूली बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और मजदूर इसी रास्ते से गुजरते हैं। क्षेत्र में प्रवेश करते ही लोगों को कूड़े के इस भयावह दृश्य का सामना करना पड़ता है, जिससे न केवल असुविधा हो रही है बल्कि पंचायतों की छवि भी धूमिल हो रही है।

युथ क्लब के सचिव सलमान मलिक ने कहा कि तीनों पंचायतों के जनप्रतिनिधियों से संयुक्त रूप से विशेष सफाई अभियान चलाकर उक्त स्थल को कूड़ा-मुक्त कराने का आग्रह किया गया है। साथ ही भविष्य में कचरा फेंकने पर रोक लगाने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाने, नियमित निगरानी रखने और दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इस अवसर पर युथ क्लब के सदस्य नूर सबा, शादाब आलम, मुश्ताक अंसारी, प्रोफेसर इनामुल हक, तस्लीम खान, वैस आलम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने कहा कि स्वच्छता और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रशासन शीघ्र ठोस कदम उठाए, ताकि क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित माहौल उपलब्ध हो सके।

एनबीडब्ल्यू वारंटी आरोपी दबोचा गया

बोकारो। बेरमो तेनुघाट, न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट के आलोक में चंद्रपुरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक वारंटी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 16 जून 2026 को आरोपी के आवास पर विधिवत छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित कुमार वर्मा, पिता-सुखदेव प्रसाद वर्मा, निवासी न्यू पिपराडीह, भामाशाह पथ, थाना-चंद्रपुरा, बोकारो के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध सीपी-927/20 मामले में न्यायालय द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय, बेरमो तेनुघाट में प्रस्तुत कर दिया। छापेमारी दल में पुलिस पदाधिकारी कुंदन कुमार पासवान सहित चंद्रपुरा थाना के रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे।

भोजूडीह पुलिस ने 14 लीटर महुआ शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बिभा संवाददाता

चंदनकियारी (बोकारो): भोजूडीह ओपी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 14 लीटर महुआ शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने इस दौरान एक ग्लैमर मोटरसाइकिल भी जब्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में भोजूडीह ओपी क्षेत्र के पोलकिरी गांव स्थित छाटाडीह टोला निवासी गोरांग बाउरी तथा धनबाद जिले के सुदामडीह थाना क्षेत्र निवासी किशोर राय शामिल हैं। दोनों युवक ग्लैमर मोटरसाइकिल पर महुआ शराब लेकर जा रहे थे। भोजूडीह ओपी प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने भोजूडीह क्षेत्र में सड़क पर बैरिकेडिंग कर विशेष छापेमारी अभियान चलाया। जांच के दौरान एक ग्लैमर मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 14 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद हुई।

पुलिस ने मौके से दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया तथा मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। इस संबंध में उत्पाद एवं संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

ओपी प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे कार्यों में संलिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एमजीएम हायर सेकेंडरी में शिक्षकों के लिये कार्यशाला: लर्निंग आउटकम व अनुशासनहीनता पर जोर

बिभा संवाददाता

बोकारो। एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर चार एफ में शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए लर्निंग आउटकम एवं आज के समय में बच्चों के बीच अनुशासनहीनता एक नई चुनौती विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सत्र की शुरूआत प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस, रिसोर्स पर्सन अंग्रेजी विषय की शिक्षिका चंदा कुमारी सामाजिक विज्ञान विषय की शिक्षिका कंचन सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि स्कूली बच्चों में अनुशासन संबंधी समस्याओं का प्रबंधन आवश्यक है। यह एक संवेदनशील काम है। इसे धैर्य, स्पष्टता व सकारात्मक दृष्टिकोण से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लर्निंग आउटकम रटने की बजाय वास्तविक ज्ञान पर जोर देता है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में लर्निंग आउटकम का विशेष महत्व है। विद्यार्थी स्वयं की क्षमता का आकलन कर सकते हैं। अध्ययन - अध्यापन के प्रत्येक दिन हमारे पढ़ाने का उद्देश्य विद्यार्थियों ने क्या सीखा, इससे जुड़ा होना चाहिए अन्यथा हमारा पढाना निरर्थक होगा। रिसोर्स पर्सन चंदा कुमारी ने पाठ के उद्देश्य एवं बच्चों में लर्निंग आउटकम को विभिन्न उदाहरण के माध्यम से बताया। उन्होंने पाठ के उद्देश्य को बच्चों के बीच समझने के बाद उसे अपने व्यावहारिक जीवन में अपनाने सीखने पर विशेष बल दिया। आईसीटीआरसी के मनोवैज्ञानिक आदित्य नायर ने शिक्षक शिक्षिकाओं के बीच बच्चों के व्यवहार से होने वाली दिक्कतों पर अपने अनुभव साझा किया। साथ ही उसका निदान बताया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में क्लासरूम के अंदर बच्चों में बढ़ रही अनुशासनहीनता को शिक्षक अपने व्यवहार में शालीनता लाकर के दूर कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण सत्र में आईसीटीआरसी के प्रो. केशव सिंह ने आभासी माध्यम से जुड़कर शिक्षकों को विषय के अनुभव के साथ-साथ क्लास रूम में व्यावहारिक रूप से अनुभवी होने पर बल दिया।

पूर्व सांसद ने बोकारो स्टील प्लांट के विस्तारीकरण, रोजगार और आवास समस्याओं पर निदेशक प्रभारी से की विस्तृत चर्चा

बिभा संवाददाता

बोकारो। पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह ने मंगलवार की देर शाम बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन से उनके कार्यालय कक्ष में विस्तृत बातचीत कर संयंत्र के विस्तारीकरण, आधुनिकीकरण, विस्थापितों तथा अप्रेंटिस विस्थापित युवाओं के रोजगार, मृत कर्मचारियों के आश्रितों के नियोजन, आवासों में अतिक्रमण और नागरिक सुविधाओं जैसे प्रमुख मुद्दों पर मजबूती से विचार-विमर्श किया।

श्री सिंह ने बैठक में कहा कि संयंत्र के विस्तारीकरण एवं आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाना आवश्यक है क्योंकि बोकारो का भविष्य इससे जुड़ा है। उन्होंने बताया कि वे इस विषय पर कई वर्षों से प्रयासरत हैं और इससे पहले भी सेल तथा चेयरमैन से अनेक बार गंभीर चर्चा कर चुके हैं।

ए. के. वर्मा ने बताया कि निदेशक प्रभारी ने संयंत्र से जुड़े सभी योजनाओं और कार्यों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। श्री रंजन ने बताया कि विस्तार योजना के तहत 4,500 घनमीटर क्षमता का नया ब्लास्ट फर्नेस, थिन स्लैब कास्टिंग एवं डायरेक्ट रोलिंग सुविधा, स्टैम्प-चार्ज्ड कोक ओवन बैटरी, कैल्साइनिंग प्लांट तथा सिंटर प्लांट विस्तार जैसी आधुनिक इकाइयाँ स्थापित की जानी हैं।

परियोजना का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि संयंत्र को आधुनिक और ऊर्जा दक्ष बनाना भी है। इसमें सौर ऊर्जा उपयोग, कार्बन उत्सर्जन में कमी और उन्नत उत्पादन तकनीकों को शामिल किया जा रहा है ताकि लागत में कमी और बेहतर गुणवत्ता वाले इस्पात का उत्पादन संभव हो सके।

श्री रंजन ने कहा कि परियोजना के शुरूआती चरण में कुछ अवसंरचनात्मक चुनौतियाँ सामने आई थीं; विशेष रूप से वैकल्पिक जलापूर्ति व्यवस्था के अभाव के कारण 2025 में कार्यान्वयन की गति प्रभावित हुई थी। हालांकि 2026 की शुरूआत में परियोजना को नया बल मिला है और प्रबंधन ने विस्तार कार्य के लिए आवश्यक ﾠ‘एनैबलिंग पैकेजों’ के टेंडर जारी कर दिए हैं, जिससे परियोजना अब क्रियान्वयन चरण में प्रवेश कर रही है।

श्री रंजन ने बताया कि विस्तार परियोजना से लगभग 2,500 प्रत्यक्ष और 10,000 अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। इससे बोकारो और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक तथा आर्थिक गतिविधियों को बड़ा प्रोत्साहन मिलने की आशा है। पूर्व सांसद ने इस परियोजना की कुल लागत लगभग 20,000 करोड़ रुपये का जिक्र करते हुए कहा कि विस्थापित और अप्रेंटिस युवाओं को प्राथमिकता के साथ रोजगार दिए जाने चाहिए ताकि वे और उनके परिवार आत्मनिर्भर बन सकें।

बाल मजदूरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई: दो नाबालिगों का रेस्क्यू

बिभा संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त बोकारो के निदेर्शानुसार जिले में बाल मजदूरी के खिलाफ गठित जिला धावा दल ने एक विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया। इस अभियान के तहत सेक्टर 5डी स्थित 'राजू मोटरसाइकिल गैराज' से दो नाबालिग बाल मजदूरों को मुक्त कराया गया।

रेस्क्यू के दौरान मुक्त कराए गए बच्चों की उम्र 14 वर्ष और 17 वर्ष है। दोनों बच्चे क्रमशः चीरा चास और बिजूलिया गांव के रहने वाले हैं। रेस्क्यू अभियान के तुरंत बाद दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति, बोकारो के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के आदेशानुसार, बच्चों के पुनर्वास के लिए उन्हें तत्काल बाल गृह, चास (बोकारो) भेज दिया गया है। इस विशेष अभियान को सफल बनाने में जिला धावा दल के मुख्य रूप से अजीत राणा, बाल संरक्षण इकाई, राकेश कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चास पिंटू कुमार श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, चंदनकियारी, प्रदीप कुमार, चाइल्ड लाइन तथा रवि कुमार राय सहयोगिनी, बोकारो शामिल थे। धावा दल ने कहा कि बोकारो जिले में बाल मजदूरी के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान, होटल या गैराज में यदि बाल मजदूर काम करते पाए गए, तो उन्हें तुरंत रेस्क्यू किया जाएगा। इसके साथ ही संबंधित नियोक्ता (मालिक) के खिलाफ श्रम अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पलामू क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ, आधुनिक पुलिसिंग और अनुसंधान पर जोर

बिभा संवाददाता

लातेहार। झारखंड पुलिस को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाने तथा अपराध अनुसंधान की गुणवत्ता और दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन (टाउन हॉल) में तीन दिवसीय पलामू क्षेत्रीय पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कौशल किशोर एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर लातेहार, पलामू और गढ़वा जिलों के पुलिस पदाधिकारी, जवान तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।पुलिस ड्यूटी मीट का उद्देश्य

पुलिस अधिकारियों और जवानों को आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियों, डिजिटल साक्ष्य संकलन तथा नवीन पुलिसिंग प्रणाली की जानकारी प्रदान करना है, ताकि अपराध अनुसंधान और मामलों के निष्पादन में अधिक पारदर्शिता, दक्षता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। वर्तमान समय में अपराध की प्रकृति लगातार बदल रही है और अपराधी भी तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में पुलिस बल को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना समय की आवश्यकता है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि तीन दिवसीय ड्यूटी मीट के दौरान अन्वेषण, ट्रायल प्रक्रिया, फॉरेंसिक विज्ञान, साइबर अपराध अनुसंधान, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन और तकनीक आधारित जांच से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण सत्र और मूल्यांकन आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता का आकलन किया जाएगा तथा उन्हें बेहतर अनुसंधान के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट के लिए किया जाएगा। राज्य स्तर पर सफल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय पुलिस ड्यूटी मीट में झारखंड पुलिस का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह मंच पुलिसकर्मियों को अपनी प्रतिभा, ज्ञान और पेशेवर कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है।एसपी कुमार गौरव ने कहा कि किसी भी आपराधिक मामले में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और वैज्ञानिक साक्ष्य अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। समयबद्ध और सटीक अनुसंधान से न केवल अपराधियों को सजा दिलाने में मदद मिलती है, बल्कि न्यायिक व्यवस्था भी मजबूत होती है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पूरी लगन और ईमानदारी के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लें तथा अपने प्रदर्शन से जिले और राज्य का नाम रोशन करें।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया, एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता, मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया ने अपने संबोधन में डिजिटल और वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की आधुनिक विधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और डिजिटल माध्यमों से प्राप्त साक्ष्य अपराध अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए पुलिस अधिकारियों को इन तकनीकों की गहन जानकारी होना आवश्यक है।कार्यक्रम के अंत में मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान कई पुलिस पदाधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए और प्रतिभागियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। तीन दिवसीय इस ड्यूटी मीट से पुलिस अनुसंधान कार्यों में नई ऊर्जा, आधुनिक सोच और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

उपायुक्त ने उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय चटाक दुलमी का किया औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः क्षेत्रीय विकास, विकास योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन और शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बुधवार उपायुक्त, रामगढ़ ऋतुराज ने दुलमी प्रखंड क्षेत्र का भ्रमण किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय, चटाक पहुंचे, जहां उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, तकनीकी संसाधनों और बुनियादी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त स्वयं भी 'क्लास टीचर' की भूमिका में नजर आए और ब्लैकबोर्ड पर बच्चों को पढ़ाया। अंत में उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए सक्सेस मंत्र दिया । उन्होंने कहा की शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे आप अपने हर सपने को सच कर सकते हैं। आप सभी अभी से अपना एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पाने के लिए पूरी एकाग्रता के साथ सिर्फ और सिर्फ अपनी पढ़ाई पर फोकस करें।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बच्चों से सीधा संवाद कर उन्हें समय पर पाठ्य पुस्तकें, छात्रवृत्ति, पोशाक और साइकिल की राशि मिलने के संबंध में भी विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि सरकार की किसी भी कल्याणकारी योजना से कोई भी पात्र छात्र वंचित नहीं रहना चाहिए और विद्यालय में अनुशासन व साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए।

आधुनिक शिक्षा की दिशा में विद्यालय के प्रयासों को देखने के लिए उपायुक्त सीधे आईसीटी लैब पहुंचे। वहां उन्होंने कंप्यूटरों की कार्यशीलता को देखा और लैब में मौजूद छात्र-छात्राओं से बात की। उपायुक्त ने बच्चों की कंप्यूटर दक्षता को स्वयं जांचा और उनसे कुछ प्रैक्टिकल भी करवाए।

भ्रमण के दौरान प्रभारी पदाधिकारी गोनीय शाखा रवींद्र कुमार गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार, अंचल अधिकारी किशोरी यादव, जिला स्तर के कई अन्य पदाधिकारी एवं विद्यालय के शिक्षक गण मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सांसद मनीष जायसवाल से मिले भाजपा जिला संगठन प्रभारी किसुन कुमार दास

हजारीबाग(बिभा) : भाजपा के हजारीबाग जिला संगठन प्रभारी, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह सिमरिया के पूर्व

विधायक किसुन कुमार दास अपने हजारीबाग प्रवास के दौरान बुधवार को वे सांसद मनीष जायसवाल के विशेश्वर दयाल जायसवाल पथ स्थित आवास पहुंचे। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने उन्हें गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच जिले में आगामी पार्टी कार्यक्रमों और संगठन की मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, जिला महामंत्री जयनारायण मेहता, सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, जिला सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी और सांसद सेवा कार्यालय प्रभारी विजय वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

हजारीबाग यूथ विंग करेगा योग दिवस का आयोजन, प्रतिभागियों को मिलेगा प्रशस्ति पत्र

हजारीबाग(बिभा) : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग द्वारा विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर यूथ विंग की ओर से शहर के विभिन्न संस्थानों को आमंत्रण पत्र भेजकर अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने की अपील की जा रही है। आयोजकों ने बताया कि योग दिवस कार्यक्रम आगामी 21 जून को सुबह 6 बजे से अग्रसेन भवन, हजारीबाग में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को योग के विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी योग प्रतिभागियों को उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। संस्था ने शहरवासियों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थानों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर योग दिवस कार्यक्रम को सफल बनाएं।

आरएसएस कार्यालय पर हमला अत्यंत निंदनीय : सोनू गुप्ता

हजारीबाग(बिभा): भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सोनू गुप्ता ने रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत निंदनीय, दुर्भाग्यपूर्ण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताया।सोनू गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और सेवा कार्यों के लिए समर्पित संगठन है। ऐसे संगठन के कार्यालय पर हमला करना समाज में भय और अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने राज्य सरकार एवं प्रशासन से मांग की कि घटना में शामिल दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने इस घटना के पीछे की पूरी साजिश का पदार्फाश करने की भी मांग की।

बनवारी साहू महाविद्यालय में नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन

लातेहार(बिभा)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, बनवारी साहू महाविद्यालय के तत्वावधान में

बुधवार को महाविद्यालय परिसर में नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान 17 जून से 26 जून 2026 तक चलाया जाएगा, जिसके तहत छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार तिवारी ने छात्र-छात्राओं तथा कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और सभी को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन अपनाना चाहिए।कार्यक्रम पदाधिकारी नवल किशोर प्रसाद ने कहा कि नशा मुक्ति जीवन का आधार है। नशे का सेवन व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए घातक साबित होता है। उन्होंने कहा कि नशे के कारण जीवन की बबार्दी निश्चित है, इसलिए सभी लोगों को नशे से दूर रहकर दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

डीआईजी ने साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

एसपी कुमार गौरव बोले- जनता की सेवा के लिए 24 घंटे तत्पर है पुलिस

बिभा संवाददाता

लातेहार। पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय, विश्वास और संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से बुधवार को नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत डुरुआ गांव के सामुदायिक भवन में लातेहार पुलिस द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) किशोर कौशल, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) संदीप कुमार गुप्ता, सदर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा सहित कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बिजली बिल में अनियमितता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलने, मंईयां सम्मान योजना से जुड़ी परेशानियों तथा थाना स्तर के विभिन्न मामलों को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि संबंधित विभागों एवं पुलिस प्रशासन के स्तर पर समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल की जाएगी।

इस अवसर पर डीआईजी किशोर कौशल ने लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, ओटीपी, पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारियां किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या ऑनलाइन लेन-देन की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें।

डीआईजी ने कहा कि भूमि विवाद से जुड़े कई मामले थानों में पहुंचते हैं। इनके समाधान के लिए प्रत्येक थाना में नियमित रूप से थाना दिवस का आयोजन किया जाता है, जहां दोनों पक्षों की बात सुनकर विवादों को सुलझाने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने नशे के कारोबार, अवैध गतिविधियों और किसी भी आपराधिक घटना की सूचना तत्काल डायल-112 या नजदीकी थाना को देने की अपील की।पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि लातेहार पुलिस सप्ताह के सातों दिन चौबीसों घंटे जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आम लोगों के सहयोग और पुलिस की सतत कार्रवाई के कारण जिले की तस्वीर बदली है तथा लातेहार अब लगभग उग्रवाद मुक्त हो चुका है। कार्यक्रम का संचालन पुअनि सह सदर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने किया। मौके पर समाजसेवी असीम कुमार बाग, ललित पांडेय, वार्ड पार्षद सब्बू परवीन, मनोज कुमार गुप्ता, जयराम कपूर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आरओ पानी प्लांट का औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रामगढ़ डॉ नवल कुमार के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग रामगढ़ के द्वारा रामगढ़ स्थित विभिन्न आर. ओ. पानी (20लीटर) प्रतिष्ठानों और होटलों रेस्टोरेंट का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग रामगढ़ के द्वारा अमृत जल, कोठार, जल सेवा कोठार, हेलो वाटर कोठार, त्रिमूर्ति जल, श्री आर ओ जल बाजार समिति के नजदीक, जीवन धारा शुद्ध जल, साधना जल, पारसोतीया का निरीक्षण किया गया। सभी वाटर प्रतिष्ठानों से नमूना लिया गया और खाद्य सुरक्षा जांच प्रयोगशाला नामकुम भेजा गया।

साथ ही होटल राज नेक्स्ट, शालीमार स्वीट्स और होटल सम्राट गोला रोड, रामगढ़ का निरीक्षण किया गया। जिसमें सभी को किचन की साफ सफाई मेंटेन करने का निर्देश दिया गया। शालीमार स्वीट्स गोला रोड रामगढ़ में 10 लीटर एक्सपायर्ड कोल्ड ड्रिंक पाया गया जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। शालीमार स्वीट्स से मिल्क केक, राज नेक्स्ट से पनीर तथा होटल सम्राट से बेसन लड्डू का नमूना लिया गया और खाद्य सुरक्षा जांच प्रयोगशाला नामकुम भेजा गया।

वार्ड-13 में जलजमाव की समस्या पर नगर निगम सख्त, स्थायी समाधान के लिए तैयार हुई कार्ययोजना

बिभा संवाददाता

हजारीबागः शहर के वार्ड संख्या 13 स्थित सिमेट्री रोड में वर्षों से चली आ रही जलजमाव और जल निकासी की गंभीर समस्या को अब नगर निगम प्रशासन ने पूरी तरह खत्म करने का बीड़ा उठा लिया है। इस समस्या के स्थायी निदान हेतु आज नगर निगम की एक उच्चस्तरीय टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया और जल निकासी के मार्ग का गहन अध्ययन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए! निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त ओमप्रकाश गुप्ता, महापौर अर्विन्द राणा, उपमहापौर अविनाश कुमार यादव और वार्ड पार्षद विकास यादव ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला। उनके साथ सहायक नगर आयुक्त अनिल पांडेय और विपिन कुमार सहित नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों की टीम ने नाली के बहाव क्षेत्र का बारीकी से मुआयना किया और तकनीकी खामियों को चिह्नित किया। वर्तमान में सिमेट्री रोड की नालियों का पानी हुरहुरु तालाब में जाकर जमा होता है, जो जलजमाव का मुख्य कारण बना हुआ है। निगम की टीम ने अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। नगर निगम की योजना तालाब से जल निकासी के लिए एक बेहतर और वैज्ञानिक मार्ग विकसित करने की है, ताकि भविष्य में बारिश के दौरान भी जलजमाव जैसी स्थिति पैदा न हो सके।इस कार्ययोजना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निगम ने भविष्य की एक बड़ी रणनीति भी तैयार की है। इसके तहत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जिससे नाली के पानी को उपचारित (शुद्ध) करने के बाद सुरक्षित रूप से कोनार नदी क्षेत्र तक पहुँचाया जा सकेगा। यह पहल न केवल जलजमाव को खत्म करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगी। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहरवासियों को जलजमाव मुक्त, स्वच्छ और आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बीजीआर इंफ्रा माइनिंग कार्यालय में तोड़फोड़ मामले में पहली गिरफ्तारी, विकास कुशवाहा भेजे गए जेल

बिभा संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव स्थित बादम कोल खनन परियोजना क्षेत्र में बीजीआर इंफ्रा माइनिंग के साइट ऑफिस में हुई तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। घटना के कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने गोंदलपुरा गांव निवासी विकास कुमार कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने बीजीआर इंफ्रा माइनिंग के साइट कार्यालय में जमकर हंगामा किया और कार्यालय में तोड़फोड़ की। घटना की सूचना मिलते ही बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय हुई और मामले की जांच

शुरू की गई।

जांच के आधार पर पुलिस ने विकास कुमार कुशवाहा को आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल अन्य लोगों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस की टीम वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है।

बताया जा रहा है कि बादम कोल खनन परियोजना क्षेत्र में लंबे समय से विभिन्न मुद्दों को लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध और विवाद की स्थिति बनी हुई है। मंगलवार सुबह हुए इस घटनाक्रम के बाद इलाके में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की हिंसा या सरकारी एवं निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई जा रही है।

पीएम मोदी के 12 वर्ष पूरे होने पर सांसद मनीष जायसवाल का तूफानी दौरा, क्षेत्र में प्रवास कार्यक्रम का किया आगाज

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार सबसे लंबे समय तक पीएम बने रहने और उनके कार्यकाल के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा के संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने मंगलवार से क्षेत्र में विशेष प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पीएम मोदी के राष्ट्रहित और जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। मंगलवार को सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के नगर पूर्वी, सदर पश्चिम और पूर्वी मंडल के विभिन्न वार्डों व एक दर्जन से अधिक गांवों का अहले सुबह से लेकर देर रात तक तूफानी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डेढ़ दर्जन विशिष्ट जनों के आवास पर जाकर सैकड़ों प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित

किया।

सांसद मनीष जायसवाल ने अपने प्रवास कार्यक्रम की शुरूआत हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड संख्या 5 स्थित दीपूगढ़ा में डीएमएफटी मद से नाली निर्माण के शिलान्यास के साथ की। इसके बाद उन्होंने नगर पूर्वी क्षेत्र के भाजपा मंडल मीडिया प्रतिनिधि श्रेष्ठ उपाध्याय के आवासीय परिसर में स्थानीय विशिष्टजनों के साथ बैठक की। तत्पश्चात सदर प्रखंड के सिंघानी में सांसद मद की 5 लाख रुपए की राशि से बनने वाले सांस्कृतिक भवन का विधिवत नारियल फोड़कर और शिलापट्ट का अनावरण कर शिलान्यास किया।

अपने सदर विधानसभा क्षेत्र के प्रवास के क्रम में सांसद मनीष जायसवाल सदर प्रखंड के विभिन्न गांवों में पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय गणमान्य और विशिष्ट जनों के आवास पर जाकर आत्मीय मुलाकात की।

सांसद मनीष जायसवाल ने सभी विशिष्ट व प्रबुद्ध जनों से आग्रह किया कि वे पीएम मोदी के कार्यकाल की अभूतपूर्व उपलब्धियों को अपने स्तर से भी समाज के हर वर्ग तक अवश्य पहुंचाएं। इस दौरान क्षेत्र के कार्यकताओं और ग्रामीणों में सांसद मनीष जायसवाल के तूफानी दौरे को लेकर भारी उत्साह देखा गया। क्षेत्र में लोगों ने उनका गाजे बाजे के साथ फूल माला पहनाकर गर्मजोशी से जबरदस्त स्वागत किया ।

मौके पर विशेषरूप से हजारीबाग के भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, जिला सांसद प्रतिनिधि अजय साहू, सदर विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा, सांसद प्रतिनिधि विनोद झुनझुनवाला, रेणुका साहू, दामोदर प्रसाद, कृष्णा मेहता, दीपू यादव, अनिल पांडेय,विधायक प्रतिनिधि दिनेश कुशवाहा, महेंद्र राम बिहारी, कौलेश्वर रजक, अनेश्वर प्रसाद, अनूप कुमार, महेश प्रसाद, सदर भाजपा मंडल अध्यक्ष अजीत कुशवाहा, दिनेश यादव, वार्ड पार्षद रेखा सिंह, राजू सिंह, नगर पूर्वी भाजपा मंडल अध्यक्ष रिंकू वर्मा, धर्मेंद्र कुमार, लेखराज कुमार सहित अन्य दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता साथ रहें ।

फोटोग्राफरों ने तय किए नए रेट, 40 हजार की सहायता राशि वाला राहत कोष भी बनेगा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। फोटोग्राफी एसोसिएशन हजारीबाग (पीएचए) की बैठक सोमवार को सारले पार्क में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विकास, फोटोग्राफरों के हितों की सुरक्षा, कार्यप्रणाली में सुधार, पारिश्रमिक निर्धारण तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। उपस्थित सदस्यों की सहमति से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 जून से 15 जुलाई तक सभी सदस्यों का विवरण प्राप्त कर 30 जुलाई तक पहचान पत्र (आईडी कार्ड) तैयार कर वितरित किए जाएंगे। इसके लिए निर्धारित प्रारूप एवं व्हाट्सएप नंबर समूह में साझा किया जाएगा।

फोटोग्राफी व्यवसाय में बढ़ती महंगाई को देखते हुए एसोसिएशन ने विवाह फोटोग्राफी के लिए न्यूनतम पैकेज निर्धारित किए हैं। सिल्वर पैकेज 50 हजार रुपये, गोल्ड पैकेज 75 हजार रुपये तथा डायमंड (प्रीमियम) पैकेज 1 लाख रुपये तय किया गया है। अतिरिक्त कैमरा, ड्रोन, स्टाफ एवं कार्य-दिवसों के अनुसार शुल्क बढ़ाया जा सकेगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक फोटोग्राफर अथवा स्टूडियो संचालक ग्राहक को बुकिंग के समय ही स्पष्ट रूप से बताएगा कि कार्य पूर्ण होने के 90 दिनों के भीतर डाटा एवं डिलीवरी प्राप्त कर लें। इसके बाद डाटा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संबंधित फोटोग्राफर या स्टूडियो संचालक की नहीं होगी।

जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका दिखा अलग थलग, दुनिया जता रही मोदी पर भरोसा

नीरज कुमार दुबे

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है।

जी-7 शिखर सम्मेलन इस बार वैश्विक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और व्यापार का मंच नहीं बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था का आईना प्रतीत हुआ। फ्रांस में आयोजित इस सम्मेलन में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे तो उनके सामने वह यूरोप खड़ा था जो अब आंख मूंदकर वॉशिंगटन के पीछे चलने को तैयार नहीं दिखता। लंबे समय तक टैरिफ की धमकियां, कूटनीतिक दबाव, सार्वजनिक अपमान और अचानक फैसलों का सामना करने के बाद अब यूरोपीय देशों ने यह मान लिया है कि ट्रंप बदलती अमेरिकी सोच का स्थायी चेहरा हैं। यही कारण है कि इस बार जी-7 सम्मेलन पर सबसे गहरी छाया अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ती दूरी की रही।

देखा जाये तो ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। ट्रंप इस सम्मेलन में यह साबित करने पहुंचे कि उनकी आक्रामक और टकराव वाली विदेश नीति परिणाम दे रही है। वह चाहते हैं कि दुनिया अमेरिकी प्राथमिकताओं को स्वीकार करे, चाहे मामला व्यापार का हो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का, सुरक्षा का या फिर चीन को घेरने की रणनीति का। लेकिन इस बार यूरोप का स्वर बदला हुआ है। वह अमेरिका के साथ तो रहना चाहता है, मगर उसकी हर बात पर सिर झुकाने को तैयार नहीं है।

देखा जाये तो यूरोप के भीतर यह बदलाव अचानक नहीं आया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वर्षों से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क साफ है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा और अपने हितों की रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इस बार सम्मेलन की मेजबानी कर रहे मैक्रों ने साफ शब्दों में कह दिया है कि यह ऐसा समय है जब अमेरिकी, रूसी और चीनी नेतृत्व यूरोप के हितों के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। इसलिए यूरोप को अब जागना होगा और अपने हितों की रक्षा खुद करनी होगी।

हालांकि मैक्रों की रणनीति केवल विरोध की नहीं है। उन्होंने ट्रंप के साथ निजी संबंध बनाए रखने की भी भरपूर कोशिश की है। कभी एफिल टावर पर भोज, कभी सैन्य परेड में विशेष सम्मान और कभी नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनरोद्धार समारोह में आमंत्रण देकर उन्होंने ट्रंप को साधने की कोशिश की है। लेकिन ईरान युद्ध और ग्रीनलैंड विवाद के बाद यूरोप में ट्रंप विरोध चरम पर पहुंच गया। एक समय तो हालात ऐसे बन गए थे कि यूरोपीय नेताओं को लगने लगा कि ट्रंप डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए अमेरिकी सेना भेज सकते हैं। यह केवल एक भू-राजनीतिक विवाद नहीं था, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक था जिस पर दशकों से अटलांटिक गठबंधन टिका हुआ था।

दरअसल, ग्रीनलैंड प्रकरण ने यूरोप को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं नाटो की सबसे बड़ी सैन्य ताकत ही उसके लिए सबसे बड़ा खतरा न बन जाए। यही कारण है कि अब यूरोपीय देशों में यह बहस तेज हो गई है कि अगर अमेरिका हर वैश्विक संकट में नेतृत्व नहीं करता या करना नहीं चाहता, तो आगे की दुनिया कैसी होगी। इस चिंता ने नाटो और अटलांटिक गठबंधन की नींव तक को हिला दिया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी इस बार दबाव में दिखे। घरेलू राजनीति में चुनौती झेल रहे स्टारमर को ईरान पर अमेरिकी हमलों का समर्थन न करने के कारण ट्रंप की नाराजगी का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ब्रिटेन का मजाक उड़ाया और उसे असहयोगी तक कह दिया। नतीजा यह हुआ कि ब्रेक्जिट के बाद अमेरिका के और करीब जाने की कोशिश कर रहा ब्रिटेन अब फिर यूरोप की ओर झुकता दिखाई दे रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जिन्हें कभी ट्रंप का स्वाभाविक सहयोगी माना जाता था, वह भी अब दूरी बनाती नजर आ रही हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची इस सम्मेलन में पहली बार शामिल हुईं और उन्होंने अमेरिका, यूरोप तथा पश्चिम एशिया के बीच संवाद की कड़ी बनने की कोशिश की। साफ है कि दुनिया अब केवल अमेरिकी नेतृत्व पर निर्भर रहने की बजाय बहुध्रुवीय संतुलन की तरफ बढ़ रही है।

देखा जाये तो ट्रंप की सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि वह निजी कूटनीति को सार्वजनिक तमाशे में बदल देते हैं। पिछले वर्ष नाटो प्रमुख मार्क रुटे के निजी संदेश सार्वजनिक कर उन्होंने यह दिखा दिया था कि यूरोपीय नेता निजी तौर पर अमेरिका के दबाव को स्वीकार करते हैं, भले ही सार्वजनिक मंचों पर विरोध का अभिनय करें। इस कारण अब यूरोपीय नेताओं के लिए संतुलन साधना और मुश्किल हो गया है। उन्हें अपने मतदाताओं को भी संतुष्ट रखना है और अमेरिका से रिश्ते भी नहीं बिगाड़ने हैं।

इसी उथल पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी इस सम्मेलन में विशेष महत्व रखती है। जब पश्चिमी दुनिया भीतर से विभाजित दिखाई दे रही है, तब भारत एक ऐसे संतुलित और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है जिस पर हर शक्ति केंद्र भरोसा करना चाहता है। मोदी ने रूस और अमेरिका दोनों से संबंध बनाए रखे, पश्चिम एशिया के संकटों में संतुलन साधा और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठाया। यही वजह है कि आज दुनिया भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि स्थिर नेतृत्व वाली निर्णायक शक्ति के रूप में देख रही है।

देखा जाये तो मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने भारत को किसी एक खेमे में सीमित नहीं होने दिया। अमेरिका से रणनीतिक साझेदारी भी कायम रखी और रूस के साथ पुराने रिश्ते भी नहीं टूटने दिए। पश्चिम एशिया में भारत की स्वीकार्यता बनी रही और यूरोप के साथ आर्थिक तथा तकनीकी सहयोग भी लगातार बढ़ता गया। जी-7 जैसे मंचों पर मोदी की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत केंद्र में आ चुका है। जब दुनिया अविश्वास, टकराव और अनिश्चितता से जूझ रही है, तब भारत संवाद, संतुलन और स्थिरता का चेहरा बनकर उभरा है। यही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बहरहाल, जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि गहरे मतभेदों और पश्चिमी देशों के भीतर बढ़ती अविश्वास की राजनीति के बावजूद संवाद की प्रक्रिया टूटी नहीं। ईरान संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुए तनाव, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाओं और यूक्रेन युद्ध की लंबी खिंचती स्थिति के बीच सदस्य देशों ने कम से कम इस बात पर सहमति दिखाई कि बहुपक्षीय सहयोग को जिंदा रखना जरूरी है। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा और विकासशील देशों के कर्ज संकट जैसे मुद्दों पर साझा चर्चा आगे बढ़ी। यूरोप ने अपनी सामरिक स्वायत्तता का स्वर बुलंद किया, जबकि अमेरिका ने भी यह संकेत दिया कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों में अधिक भागीदारी निभानी होगी। भारत, ब्राजील, केन्या और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की भागीदारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ग्लोबल साउथ को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासशील देशों की आकांक्षाओं को मजबूती से उठाकर भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया।

हालांकि सम्मेलन कई अहम मुद्दों पर ठोस नतीजे देने में विफल भी रहा। यूक्रेन युद्ध को लेकर कोई निर्णायक रोडमैप सामने नहीं आया, चीन को लेकर पश्चिमी देशों के भीतर मतभेद बने रहे और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय को जानबूझकर पीछे कर दिया गया ताकि अमेरिका और यूरोप के बीच टकराव नहीं बढ़े। ईरान समझौते पर भी स्पष्टता का अभाव रहा और ट्रंप की आक्रामक शैली के कारण साझा घोषणापत्र को लेकर एकजुटता कमजोर दिखाई दी। कुल मिलाकर यह सम्मेलन उपलब्धियों से अधिक बदलती विश्व राजनीति के अंतर्विरोधों का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां संवाद तो जारी रहा लेकिन भरोसे का संकट अब भी गहराता दिखाई दिया।

संपादकीय

'चिट्टा' को चुनौती

हाल के दिनों में पंजाब के बाद, हिमाचल के लिए भी नशीले पदार्थों का तेजी से बढ़ता दुरुपयोग एक गंभीर सामाजिक चुनौती बन गया है। नशे के बढ़ते सेवन की जो समस्या कभी सीमावर्ती राज्यों व सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित मानी जाती थी, अब दुर्भाग्य से वह इस पहाड़ी राज्य के गांवों तक पहुंच गई है। जिससे कई परिवारों का अस्तित्व, लोगों की आजीविका और युवा पीढ़ी का भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे हालात में राज्य सरकार का वह फैसला एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है, जिसमें नशीले पदार्थों से मुक्ति के अभियान ह्यचिट्टा-मुक्त गांवह्व में पंचायतों को शामिल करने का रणनीतिक निर्णय लिया गया है। सालों तक इस संकट को कानून व्यवस्था से जुड़ा प्रश्न माना जाता रहा है। नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने के लिये सप्लायरों व नशे की आदत का शिकार लोगों की गिरफ्तारी, नशीले पदार्थों की बरामदगी और पुलिस की कार्रवाई को प्राथमिकता बना लिया गया था। निस्संदेह, कानून के अनुपालन के बिना इस संकट का समाधान संभव भी नहीं था, लेकिन सिर्फ इन प्रयासों से सफलता कम ही मिली। नशीले पदार्थ बेचने वालों की गिरफ्तारी के बाद सप्लाई चेन तेजी से बदल जाती है। नशे के कारोबारी स्थानीय तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते और नये लोग नशे की लत की चपेट में आ जाते थे। इस संकट के बने रहने ने संकेत दिए कि यह समस्या सिर्फ कानूनी नहीं है बल्कि इसे एक सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संकट के रूप में भी देखा जाना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी ग्रामीण समाज में पंचायतों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पंचायतें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय हालात को बेहतर ढंग से समझती हैं। वहीं दूसरी ओर उन्हें स्थानीय समुदायों का विश्वास भी हासिल होता है। वे गांव के लोगों के व्यवहार संबंधी बदलावों को आसानी से से पहचान सकती हैं। ऐसे बदलाव जिन्हें दूर बैठे प्रशासन व पुलिस के अधिकारी नहीं समझ सकते। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि यदि पंचायतों को प्रभावी अधिकार और संसाधन उपलब्ध करा दिए जाएं तो वे जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। साथ ही ग्रामीण परिवारों को समय रहते मदद लेने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। इतना ही नहीं, वे इस जागरूकता अभियान का दायरा बढ़ाने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिये स्कूल तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ सार्थक तालमेल स्थापित कर सकती हैं। साथ ही बिना किसी भेदभाव के, संवेदनशील ढंग से पुनर्वास के प्रयासों में मदद कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर गांव स्तर पर निगरानी समितियां बनाकर पंचायतें नशे की आपूर्ति श्रृंखला पर नजर रख सकती हैं। वे समय रहते कानून के क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियों को भी सतर्क करने में मददगार साबित हो सकती हैं।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं। स्वास्थ्य बीमा केवल अस्पताल में भर्ती होने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यक दवाओं और दीर्घकालिक उपचार को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि सरकार समय-समय पर दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्र समीक्षा कराए। यदि वास्तव में लागत बढ़ी है तो उसका प्रमाण सार्वजनिक होना चाहिए। पारदर्शिता से जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और अनावश्यक मूल्यवृद्धि पर भी रोक लगेगी। स्वास्थ्य नीति का मूल उद्देश्य कंपनियों के लाभ और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज रफ्तार सड़कों और बढ़ती जीडीपी से नहीं बनेगा। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वहां का सबसे गरीब नागरिक कितना सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएंगे। आज आवश्यकता केवल दवाइयों की कीमतों पर बहस करने की नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की समग्र समीक्षा करने की है। यह स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक मानवीय अधिकार है। जिस राष्ट्र में नागरिकों को स्वस्थ जीवन का अवसर नहीं मिलता, वहां विकास की चमक भी फीकी पड़ जाती है।

वेतन से आगे: विकसित भारत के लिए कुशल कार्यबल की तैयारी

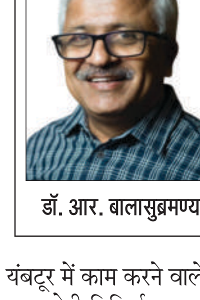

डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम

कोयंबटूर में काम करने वाले युवा रवि को, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई में अपनी पहली औपचारिक नौकरी के छह महीने पूरे कर चुके हैं और हाल ही में अपनी मासिक तनख्वाह के अलावा उन्हें बैंक खाते में 7,500 रुपये मिले। लगातार छह महीने की नौकरी पूरी होने के बाद यह रकम अपने आप जारी कर दी गई। इससे पहले उनका परिवार सिर्फ. अनौपचारिक काम करता था, जिसमें कोई अनुबंध, भविष्य निधि में योगदान या नौकरी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं होता था। यह पहला मौका था, जब उनकी नौकरी को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया और उन्हें इस तरह का लाभ मिला। रवि को मिली यह धनराशि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के 'भाग अ' के तहत मिली पहली किस्त है। इस योजना को केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री के रोजगार और कौशल पैकेज के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रावधान के तहत, ईपीएफओ में पंजीकृत कंपनियों में पहली बार नौकरी पाने वाले ऐसे कर्मचारी, जिनकी मासिक कमाई 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें 15,000 रुपये तक का नकद प्रोत्साहन मिलता है। यह रकम दो किस्तों में दी जाती है: पहली किस्त लगातार छह महीने की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त बारह महीने के बाद। इसके लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को ईपीएफओ पोर्टल के जरिए वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना होगा और यह राशि बचत के एक साधन में जमा की जाएगी, ताकि कर्मचारी को एक आर्थिक सुरक्षा मिल सके। रवि के लिए, ये छह महीने सिर्फ. योग्यता हासिल करने का समय नहीं थे। ये वो वक्त था, जिसमें उन्होंने अपने काम की जगह को समझा, अपने काम से जुड़ी बुनियादी कौशल और योग्यता सीखी और अपने लिए रोजगार का एक रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, जो पहले कभी नहीं था। यह समय उनके नियोक्ता के लिए भी अहम था, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई थी और उसने अपने विस्तार के तहत रवि को काम पर रखा था। पीएम-वीबीआरवाई के भाग इ में प्रावधान है कि जो नियोक्ता अपनी मौजूदा बेसलाइन से ज्यादा रोजगार पैदा करते हैं, उन्हें हर अतिरिक्त कर्मचारी के लिए हर महीने 3,000 रुपये तक का सरकारी योगदान मिलता है। यह योगदान अलग-अलग क्षेत्रों में दो साल तक और विनिर्माण क्षेत्र में चार साल तक मिलता है। यह योगदान उस शुरूआती लागत का कुछ हिस्सा कवर करता है, जो किसी कंपनी को नए कर्मचारी को रखने पर उठानी पड़ती है, खासकर तब जब ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण चल रहा होता है और बिना किसी पिछले औपचारिक अनुभव वाला कर्मचारी, धीरे-धीरे कंपनी के लिए लाभप्रद हो रहा होता है। इस शुरूआती लागत को कम करके यह प्रावधान, योजना का दायरा रवि जैसे लोगों को काम पर रखने वाले छोटे व्यवसायों तक बढ़ाता है। उसकी जैसी विनिर्माण इकाईयों के लिए, चार साल की अवधि, जो सामान्य अवधि से दोगुनी है, कंपनियों को ऑटोमेशन में निवेश के साथ-साथ अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। भारत की जनसांख्यिकीय व्यवस्था को देखते हुए, युवा और बढ़ता कार्यबल 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर बढ़ने के लिए रोजगार-आधारित विकास के जरिए आर्थिक विकास को रफ्तार देने का एक मौका देता है। कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोग किस सीमा तक औपचारिक रोजगार में आते हैं, जहाँ उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत सुरक्षा मिलती है, यह इस बात पर भी असर डालेगा कि परिवारों और समुदायों में विकास का लाभ कैसे मिलता है। पीएम-वीबीआरवाई का मकसद 'स्वतंत्र भारत' से 'समृद्ध भारत' तक के सफर को मजबूत करना है और दो साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा औपचारिक नौकरियाँ पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देना है। इस योजना की शुरूआत से, 60 लाख नए कर्मचारी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें से 43.26 लाख (लगभग 71%) 18 से 30 साल की उम्र के हैं और 18.04 लाख (लगभग 30%) महिलाएं हैं, जो पहली बार औपचारिक रोजगार से जुड़ी हैं। ये कर्मचारी विशेष सेवाओं, इंजीनियरिंग, व्यापार, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाता है कि कई तरह के औपचारिक संस्थानों में इसे अपनाया गया है। सिर्फ. प्रोत्साहन राशि के अलावा, पीएम-वीबीआरवाई से रवि को एक ईपीएफओ खाता और एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिला है। इससे वह एक ऐसी व्यवस्था का हिस्सा बन गए हैं, जो भविष्य निधि योगदान, बीमा सुरक्षा और कानूनी रोजगार लाभ भी देता है। उनके जैसे पहली बार औपचारिक रोजगार पाने वाले कई लोगों के लिए, यह सामाजिक सुरक्षा कवरेज और एक व्यवस्थित रोजगार से जुड़ने का एक बेहतर मौका है। लगातार छह महीने तक नौकरी करने की शर्त का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इस योजना के तहत बनी नौकरियां असल करियर की नींव बनें। लंबे समय तक औपचारिक रोजगार से कई क्षेत्रों में नौकरियों में काम आने वाला कौशल विकसित होता हैं, पेशेवर तौर-तरीके सीखने को मिलते हैं और भविष्य में नौकरी पाने की क्षमता भी मजबूत होती है। इससे मिलने वाले फायदे योजना के तहत मिलने वाली मदद की अवधि के बाद भी बने रहते हैं। रोजगार के मौके पैदा करना एक अहम नीतिगत लक्ष्य है। उतना ही जरूरी यह सुनिश्चित करना भी है कि रवि जैसे कर्मचारी औपचारिक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाए रख सकें, जहाँ रोजगार के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा कवरेज और संस्थागत सुरक्षा भी मिलती है। जैसे-जैसे ज्यादा युवा कर्मचारी औपचारिक नौकरियों में छह महीने, एक साल और उससे ज्यादा समय बिताते हैं, कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आता है और छोटे संस्थान भी औपचारिक तरीके से लोगों को काम पर रखने की प्रक्रिया अपनाते हैं। इस योजना के तहत 3.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां मिलने का अनुमान है और औपचारिक अर्थव्यवस्था का यह धीरे-धीरे बढ़ता दायरा ही वह बदलाव है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए पीएम-वीबीआरवाई को लाया गया है।

(लेखक नीति आयोग के सदस्य हैं)

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को फ़भारत का मिनी इज़राइलफ़ भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

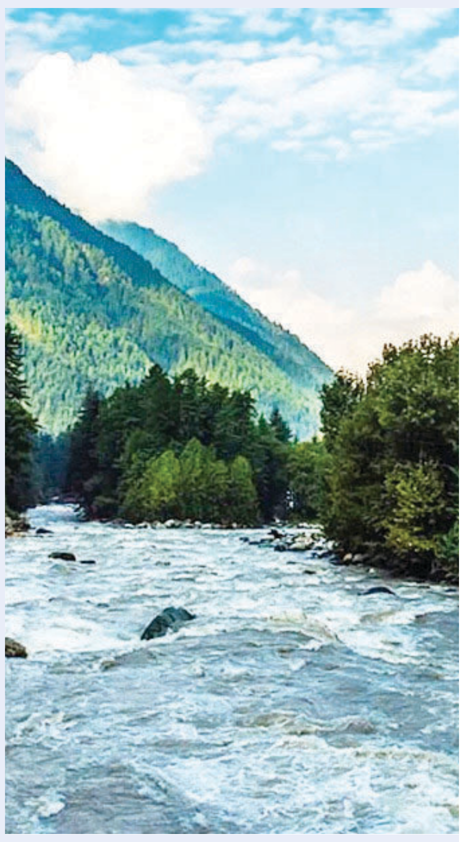

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)
कैम्पिंग और बोनफायर
रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना
स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना
हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ - कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

रक्षा का दशक : बेहतर सामर्थ्य, अधिक वहन क्षमता और अत्यधिक विश्वसनीयता

बिहान भारत

वर्ष 2014 से 2026 के बीच भारत के रक्षा क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। इस दशक में देश ने अपनी सामर्थ्य, तकनीकी दक्षता और वैश्विक विश्वसनीयता को नई मजबूती दी है। यह बदलाव सुधारों, बढ़े हुए निवेश और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित नीतियों के माध्यम से संभव हुआ है। रक्षा बजट 2013-14 के 2.53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 7.85 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसी अवधि में देश का रक्षा उत्पादन 2014-15 के 46,429 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया। रक्षा निर्यात भी अभूतपूर्व रूप से बढ़ा और 2013-14 के 686 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि भारतीय रक्षा उत्पादों का निर्यात 80 से अधिक देशों में होने लगा है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020, सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों (2020) और रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडेक्स) जैसी गतिविधियों ने घरेलू विनिर्माण, नवाचार तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी को नई गति दी। स्वदेशीकरण और आधुनिकीकरण पर आधारित इस परिवर्तनकारी दौर में भारत की रक्षा कूटनीति ने भी नई ऊंचाइयों को छुआ तथा देश एक भरोसेमंद वैश्विक रक्षा साझेदार के रूप में उभरा है।

भारत का रक्षा कायापलट

पिछले 12 वर्षों में भारत ने दूरदर्शी सोच और दृढ़ संकल्प के साथ रक्षा क्षमता के एक नए युग की शुरूआत की है। आत्मनिर्भर भारत व मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर सरकार ने व्यापक नीतिगत सुधार लागू किए, स्वदेशी नवाचार को प्रोत्साहित किया और एक मजबूत, आधुनिक तथा आत्मनिर्भर रक्षा इकोसिस्टम के निर्माण को गति दी।

रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 और रक्षा खरीद नियमावली (डीपीएम) 2025 जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से सरकार ने रक्षा खरीद प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी तथा प्रभावी बनाया है। इन सुधारों ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ निजी क्षेत्र और एमएसएमई की भागीदारी के लिए व्यापक अवसर तैयार किए हैं। इस परिवर्तन में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने भी केंद्रीय भूमिका निभाई है। संगठन ने अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास, स्वदेशी अनुसंधान को प्रोत्साहन देने तथा उद्योग जगत के साथ साझेदारी में नवाचारों को युद्ध के लिए तैयार प्रणालियों में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आधुनिकीकरण और स्वदेशी विनिर्माण को गति देने के लिए रक्षा बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। रक्षा उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थानों की बढ़ती भागीदारी के साथ अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटित निधि भी दोगुने से अधिक स्तर तक बढ़ाई गई है। सृजन दीप , सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नियमों को अधिक उदार बनाने जैसी महत्वपूर्ण पहलों ने निजी क्षेत्र की भागीदारी को नई गति दी है। इन सुधारों के माध्यम से घरेलू रक्षा उत्पादन, नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास के लिए व्यापक अवसर तैयार हुए हैं, जिससे भारत का रक्षा क्षेत्र अधिक आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी बन रहा है।

भारत का रक्षा निर्यात आज अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज करते हुए 80 से अधिक देशों तक पहुंच चुका है। रणनीतिक साझेदारियों और स्वदेशी रक्षा प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देश अपनी युद्ध-तैयारी को लगातार मजबूत कर रहा है तथा एक जिम्मेदार एवं विश्वसनीय वैश्विक रक्षा शक्ति के रूप में उभर रहा है।

लगातार प्रयासों और दूरदर्शी नीतियों से चिह्नित इस दशक ने एक आत्मनिर्भर, आधुनिक व भविष्य के लिए तैयार रक्षा इकोसिस्टम की मजबूत नींव रखी है, जो विकसित भारत तथा विजन 2047 के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

भाग एः रक्षा क्षमता का दशक सैन्य शक्ति और नवाचार को नई दिशा

भारत ने स्वदेशी नवाचार, तकनीकी प्रगति और रणनीतिक सुधारों के माध्यम से अपने रक्षा क्षेत्र में निरंतर परिवर्तन किया है। घरेलू विनिर्माण और अनुसंधान क्षमताओं को सशक्त बनाते हुए देश ने अपनी सैन्य तैयारियों को नई मजबूती प्रदान की है। यह परिवर्तन भारत को अधिक आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम और वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय रक्षा शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है।

बढ़ा हुआ रक्षा बजट

भारत ने अपनी सैन्य तैयारियों, आधुनिकीकरण और स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमताओं को सशक्त बनाने के लिए रक्षा व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। कुल रक्षा बजट वित्त वर्ष 2013 14 के 2.53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 27 में 7.85 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह वृद्धि राष्ट्रीय सुरक्षा, आधुनिक सैन्य क्षमता निर्माण और रणनीतिक आत्मनिर्भरता के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसी प्रकार, पूंजीगत व्यय भी वित्त वर्ष 2014 15 के 94,587.95 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026 27 में 2.19 लाख करोड़ रुपये हो गया है। रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय का अर्थ उन दीर्घकालिक निवेशों से है, जिनका उपयोग आधुनिक सैन्य प्लेटफॉर्म, हथियार प्रणालियां, उपकरण, अवसंरचना और अन्य रणनीतिक परिसंपत्तियों की खरीद तथा आधुनिकीकरण के लिए किया जाता है। यह बजट का वह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भविष्य की सैन्य क्षमताओं के निर्माण और सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाने में निर्णायक भूमिका निभाता है।

यह निवेश रक्षा अवसंरचना के विकास, उन्नत हथियार प्रणालियों की खरीद और तकनीकी आधुनिकीकरण पर विशेष जोर देता है। आत्मनिर्भर भारत पहल के अंतर्गत किए गए नीतिगत सुधारों, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधारों ने रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को नई गति प्रदान की है। परिणामस्वरूप, भारत तेजी से एक उभरते हुए वैश्विक रक्षा उत्पादन और निर्यात केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

अनुसंधान, नवाचार और साझेदारी के माध्यम से रक्षा क्षमता का सशक्तिकरण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटन वित्त वर्ष 2014 15 के 13,716.14 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 27 में 29,100.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो 112 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। यह बढ़ोतरी उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों, स्वदेशी नवाचार और भविष्य की सैन्य क्षमताओं के विकास के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। वर्ष 2022 23 में सरकार ने नवाचार को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थानों के लिए खोल दिया। इस पहल ने निजी क्षेत्र और अकादमिक संस्थानों की भागीदारी को बढ़ावा देते हुए रक्षा अनुसंधान को अधिक सहयोगात्मक एवं गतिशील बनाया है। इसी दिशा में, वर्ष 2024 में रक्षा विभाग ने इस उद्देश्य के लिए 1,757 करोड़ रुपये व्यय किए।

इसके अतिरिक्त, रक्षा क्षेत्र में एक पारदर्शी और सहयोगात्मक इकोसिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की कई विश्वस्तरीय अनुसंधान व विकास सुविधाओं को निजी उद्योगों के लिए भी उपलब्ध कराया गया है। इस प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु रक्षा मंत्रालय ने आवश्यक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की हैं तथा 24 डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के परीक्षण अवसंरचना संबंधी विवरण को डिफेंस टेस्टिंग पोर्टल पर अपलोड किया है। इस पहल से उद्योगों, स्टार्टअप्स और अनुसंधान संस्थानों को अत्याधुनिक परीक्षण सुविधाओं तक बेहतर पहुंच मिल रही है, जिससे स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास, परीक्षण और प्रमाणन की प्रक्रिया अधिक तेज, पारदर्शी व प्रभावी बनी है।

रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडेक्स)

आईडेक्स भारत के रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास व आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पहल स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए एमएसएमई, स्टार्टअप्स, व्यक्तिगत नवोन्मेषकों, अनुसंधान संस्थानों और शिक्षण संस्थानों सहित उद्योग जगत की व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। इस नवाचार इकोसिस्टम को और मजबूत करने के उद्देश्य से डीआरडीओ ने डिफेंस टेस्टिंग पोर्टल के माध्यम से अपना अत्याधुनिक परीक्षण अवसंरचना निजी उद्योगों एवं स्टार्टअप्स के लिए भी उपलब्ध कराया है। इससे नवोन्मेषकों को आवश्यक परीक्षण, सत्यापन व प्रमाणन सुविधाओं तक पहुंच मिल रही है, जो स्वदेशी रक्षा तकनीकों के तेज विकास और उन्हें उपयोग के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

आईडेक्स योजना को वर्ष 2021 22 से 2025 26 की अवधि के लिए 498.78 करोड़ रुपये के बजट के साथ स्वीकृति प्रदान की गई थी। इसके अतिरिक्त, अदिति (आईडेक्स के माध्यम से नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों के विकास में उल्लेखनीय सफलता) योजना को वर्ष 2023 24 से 2025 26 के लिए 750 करोड़ रुपये के बजट के साथ मंजूरी दी गई। दोनों योजनाएं डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन (डीआईओ) के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती हैं, जिससे नवोन्मेषकों को रक्षा उपयोग के लिए अत्याधुनिक और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास में सहयोग मिल सके। मार्च 2026 तक आईडेक्स के अंतर्गत 676 स्टार्टअप्स, एमएसएमई और नवोन्मेषकों को जोड़ा जा चुका था, जबकि 551 डिजाइन एवं विकास अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए थे। ये उपलब्धियां भारत के स्वदेशी रक्षा नवाचार इकोसिस्टम की तेजी से हो रही प्रगति, बढ़ती भागीदारी और तकनीकी परिपक्वता को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं।

विकास-सह-उत्पादन भागीदार (डीसीपीपी) मॉडल

डीसीपीपी मॉडल, रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास और उत्पादन में भारतीय उद्योग के साथ सहयोग को सुदृढ़ बनाने हेतु डीआरडीओ का एक महत्वपूर्ण ढांचा है। इस मॉडल के अंतर्गत, डीआरडीओ प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से सक्षम विनिर्माण साझेदारों का चयन करता है तथा उन्हें उत्पादन के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी हस्तांतरित करता है। सब-सिस्टम, सिस्टम और उपकरण निर्माण में सक्षम 2,200 से अधिक उद्योगों के मजबूत नेटवर्क के समर्थन से यह मॉडल देश में रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने में सहायक बना है। मार्च 2026 तक, 134 कंपनियां डीसीपीपी अथवा प्रोडक्शन एजेंसी के रूप में डीआरडीओ के साथ साझेदारी कर चुकी थीं। इसके अतिरिक्त, 2,180 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते किए जा चुके थे तथा 2,780 से अधिक बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) भारतीय उद्योग के उपयोग के लिए उपलब्ध कराए गए थे।

प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीडीएफ)

प्रौद्योगिकी विकास कोष रक्षा मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य देश में रक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना तथा सरकारी और निजी उद्योगों, विशेषकर स्टार्टअप्स एवं सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। यह योजना महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए प्रति परियोजना 50 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसके तहत कई उन्नत तकनीकों का सफलतापूर्वक विकास किया गया है, जबकि दो परियोजना प्रणालियों को पीएसएलवी मिशन के माध्यम से अंतरिक्ष में भी भेजा गया है। भारत के डीप-टेक इकोसिस्टम को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस योजना के लिए अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है, जिसमें अत्याधुनिक एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जून 2026 तक, टीडीएफ योजना के अंतर्गत कुल 334 करोड़ रुपये की लागत वाली 80 परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर था।

डीआरडीओ इंडस्ट्री-एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीआईए-सीओई)

डीआरडीओ ने डीआरडीओ-इंडस्ट्री-एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीआईए-सीओई) नेटवर्क के माध्यम से रक्षा और सुरक्षा संबंधी आवश्यक तथा भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान की एक प्रभावी नीति और कार्यप्रणाली विकसित की है। वर्तमान में देशभर में कुल 15 डीआईए-सीओई स्थापित किए गए हैं, जो लगभग 82 चिन्हित अनुसंधान क्षेत्रों में ट्रांसलेशनल रिसर्च गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीआरडीओ ने अपनी विभिन्न प्रयोगशालाओं में इंडस्ट्री इंटरैक्शन ग्रुप्स (आईआईजी) का गठन भी किया है।

तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए मानवीय क्षमता का निर्माण

तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए प्रतिभा, अनुसंधान और संस्थागत क्षमता में निरंतर निवेश आवश्यक है। इसी दिशा में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने जनवरी 2020 में पांच यंग साइंटिस्ट्स लैबोरेटरीज (डीवाईएसएल) की स्थापना की, जबकि छठी प्रयोगशाला वर्ष 2026 में शुरू की जानी प्रस्तावित है। डीआरडीओ ने अपने अनुसंधान नेटवर्क को अधिक प्रभावी और केंद्रित बनाने के उद्देश्य से अपनी प्रयोगशालाओं की संख्या को 36 तक सीमित रखते हुए उनका पुनर्गठन भी किया है। नई भर्ती किए गए वैज्ञानिकों को प्रयोगशालाओं में कार्यभार संभालने से पहले डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी में रक्षा प्रौद्योगिकी विषय में दो वर्षीय एम.टेक. कार्यक्रम पूरा करना होता है। इसके अतिरिक्त, महत्वपूर्ण परियोजनाओं में प्रोजेक्ट-बेस्ड मैनपावर को शामिल किए जाने से विशेष ज्ञान व विशेषज्ञता तक पहुंच और अधिक सुदृढ़ हुई है।

भारत ने रक्षा इकोसिस्टम में कौशल विकास और अनुसंधान के अवसरों का भी विस्तार किया है। प्रतिवर्ष 3,500 से अधिक इंजीनियर और तकनीशियन डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में सवेतन प्रशिक्षु (पेड अप्रेंटिस) के रूप में शामिल होते हैं। साथ ही, एक सवेतन इंटर्नशिप योजना के माध्यम से इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को रक्षा अनुसंधान का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जा रहा है। डीआरडीओ-इंडस्ट्री-एकेडेमिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीआईए-सीओई) नेटवर्क के तहत 52 संस्थानों में 967 करोड़ रुपये की लागत वाले 281 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य जारी है। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश के पिलखुवा स्थित डीआरडीओ स्किल डेवलपमेंट सेंटर में कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा प्रौद्योगिकी और अग्निशमन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाता है। ये सभी पहलें मिलकर भारत की भविष्य की रक्षा क्षमताओं के लिए कुशल, प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम मानव संसाधन की एक मजबूत आधारशिला तैयार कर रही हैं।

रक्षा खरीद सुधारों से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा

भारत की रक्षा खरीद से जुड़ी सर्वोच्च संस्था, रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी), ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 के तहत किए गए सुधारों के माध्यम से परिषद ने स्वदेशी खरीद, घरेलू विनिर्माण तथा रक्षा प्रणालियों में अधिकाधिक स्वदेशी सामग्री के उपयोग को प्राथमिकता दी है। डीएसी ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा डिजाइन तथा भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की रक्षा प्रणालियों के लिए एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी (एओएन) को मंजूरी प्रदान की है। इनमें से कई प्रणालियां सशस्त्र बलों में शामिल की जा चुकी हैं या शामिल किए जाने की प्रक्रिया में हैं। प्रमुख स्वीकृतियों में लगभग 62,000 करोड़ रुपये की लागत वाले 97 लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान, लगभग 62,700 करोड़ रुपये की लागत वाले 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड , तथा 26 राफेल मरीन विमान जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

पिछले दशक में भारत ने बढ़ते निवेश, स्वदेशी नवाचार और व्यापक नीतिगत सुधारों के माध्यम से अपनी रक्षा क्षमताओं को उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया है। रक्षा बजट में वृद्धि, उद्योग क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी तथा अनुसंधान एवं विकास पर विशेष जोर ने देश की आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता को नई गति दी है। आईडेक्स, टीडीएफ और डीआरडीओ इंडस्ट्री साझेदारी जैसी पहलों ने रक्षा नवाचार के लिए एक मजबूत व गतिशील इकोसिस्टम तैयार किया है, जिसमें स्टार्टअप्स, एमएसएमई और निजी उद्योगों की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। रक्षा खरीद प्रक्रियाओं में किए गए सुधारों और रणनीतिक आधुनिकीकरण प्रयासों के साथ मिलकर, ये पहलें भारत को एक तकनीकी रूप से उन्नत, भविष्य के लिए तैयार व वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी रक्षा शक्ति के रूप में स्थापित कर रही हैं।

भाग बीः क्षमता में बदलाव बड़े पैमाने पर विस्तार और औद्योगिक प्रगति का एक दशक

लगातार नीतिगत और औद्योगिक सुधारों के माध्यम से भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। रक्षा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उत्पादन, तकनीकी सुदृढ़ता और स्वदेशीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप आयात पर निर्भरता की जगह एक सशक्त और आत्मनिर्भर घरेलू रक्षा इकोसिस्टम विकसित हो रहा है। हाल के वर्षों में रक्षा खरीद प्रक्रियाओं में भी उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2024-25 में 2,09,050 करोड़ रुपये मूल्य के 193 रक्षा अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 1.82 लाख करोड़ रुपये के रक्षा अनुबंध संपन्न किए जा चुके हैं। यह परिवर्तन न केवल देश की रक्षा उत्पादन क्षमता और औद्योगिक आधार को गहराई प्रदान कर रहा है, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता व रक्षा आत्मनिर्भरता को भी मजबूत कर रहा है।

खरीददार से निमार्ता की ओर संरचनात्मक बदलाव

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा उत्पादन बढ़कर 1,78,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह पिछले वित्त वर्ष के 1,54,071 करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में 15.6% की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। वहीं, वित्त वर्ष 2020-21 के 84,643 करोड़ रुपये के स्तर से तुलना करने पर रक्षा उत्पादन में 110% से अधिक की अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह उपलब्धि सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और एक सुदृढ़ व प्रतिस्पर्धी रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम के निर्माण के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रक्षा उत्पादन में यह निरंतर वृद्धि आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप देश के रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम की बढ़ती क्षमता को प्रदर्शित करती है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल रक्षा उत्पादन में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का योगदान लगभग 76% रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर 24% तक पहुंच गई। यह सफलता रक्षा विनिर्माण में रक्षा उद्योग जगत के विस्तार को प्रतिबिंबित करती है।

पिछले दशक में भारत के रक्षा निर्यात में बदलाव

भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2013 14 के 686 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 26 में 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो लगभग बारह वर्षों में 5500% से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। यह तेज प्रगति मेक इन इंडिया पहल, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बढ़ते जोर और स्वदेशी रक्षा निर्माण को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों का परिणाम है। भारत अब धीरे-धीरे दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातकों में से एक देश की भूमिका से आगे बढ़कर रक्षा विनिर्माण और निर्यात क्षमता वाले राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। जहां पहले रक्षा उपकरणों के लिए देश की 65-70% आवश्यकताएं आयात पर निर्भर थीं, वहीं अब लगभग 65% रक्षा उपकरणों का उत्पादन देश के भीतर ही किया जा रहा है।

अब भारतीय रक्षा उत्पादों का निर्यात दुनिया के 80 से अधिक देशों में किया जा रहा है, जो वैश्विक रक्षा बाजार में भारत की बढ़ती उपस्थिति और स्वीकार्यता को दर्शाता है। रक्षा निर्यात में शामिल कंपनियों की संख्या बढ़कर 145 तक पहुंच गई है, जिससे इस क्षेत्र में उद्योगों की व्यापक और सक्रिय भागीदारी स्पष्ट होती है। रक्षा निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि भारतीय रक्षा प्रणालियों, प्लेटफॉर्मों और प्रौद्योगिकियों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते विश्वास का संकेत है। यह प्रगति भारत की स्वदेशी निर्माण क्षमता, गुणवत्ता मानकों और तकनीकी दक्षता को भी प्रतिबिंबित करती है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार ने वर्ष 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जो भारत को एक उभरती हुई वैश्विक रक्षा विनिर्माण और निर्यात शक्ति के रूप में और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

रक्षा औद्योगिक क्षमता का विस्तार

भारत ने नीतिगत सुधारों और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के माध्यम से अपने रक्षा विनिर्माण आधार का निरंतर विस्तार किया है। पिछले एक दशक में देश ने एक मजबूत व व्यापक घरेलू रक्षा इकोसिस्टम विकसित किया है, जिसमें वर्तमान में 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (डीपीएसयू), लगभग 500 लाइसेंस प्राप्त रक्षा कंपनियां और करीब 17,000 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) शामिल हैं। रक्षा क्षेत्र में बढ़ती औद्योगिक क्षमता और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों के परिणामस्वरूप रक्षा औद्योगिक लाइसेंसों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2015 में जहाँ ऐसे लाइसेंसों की संख्या 258 थी, वहीं मार्च 2026 तक यह बढ़कर 834 हो गई, अर्थात तीन गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। यह विस्तारशील रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम देश की स्वदेशी उत्पादन क्षमता को सशक्त कर रहा है, नवाचार और तकनीकी विकास को प्रोत्साहित कर रहा है तथा रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के भारत के दीर्घकालिक लक्ष्य को गति प्रदान कर रहा है।

यह तेज वृद्धि रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में निवेशकों के बढ़ते विश्वास और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। इसी अवधि में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के रक्षा निर्यात में भी 151% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो भारतीय रक्षा उत्पादों की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का संकेत है। घरेलू उत्पादन क्षमताओं में लगातार हो रहे विस्तार ने पूरे रक्षा क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला, उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने की क्षमता और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर किया है।

क्षेत्रीय विनिर्माण को संचा बढ़ावा देने वाले रक्षा औद्योगिक गलियारे

रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर भारत में रक्षा विनिर्माण के प्रमुख विकास केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। ये कॉरिडोर क्षेत्रीय सप्लाई चेन को मजबूत करने, निवेश आकर्षित करने और एकीकृत औद्योगिक इकोसिस्टम विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अप्रैल 2026 तक उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर ने 42,057 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया, जिनमें से 4,409 करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश हो चुका है। इसके साथ ही रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र (डीटीटीसी) की स्थापना ने परीक्षण, अनुसंधान और नवाचार क्षमताओं को नई मजबूती प्रदान की है। इसी अवधि में तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर ने 32,699 करोड़ रुपये के निवेश आकर्षित किए, जिनमें 6,446 करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश दर्ज किया गया। दोनों कॉरिडोर मिलकर रक्षा क्षेत्र के औद्योगिक अवसंरचना विकास को गति दे रहे हैं, घरेलू विनिर्माण क्षमता का विस्तार कर रहे हैं तथा बड़े पैमाने पर रोजगार और तकनीकी अवसर सृजित कर रहे हैं। ये पहलें भारत को आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी रक्षा विनिर्माण शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

भाग सीः नवाचार से परिचालन उत्कृष्टता तक

पिछले एक दशक में भारत के रक्षा इकोसिस्टम में व्यापक और संरचनात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। यह प्रगति परिचालन उपलब्धियों, स्वदेशी रक्षा प्लेटफॉर्मों के विकास, आधुनिक अवसंरचना के विस्तार और एक सशक्त नवाचार इकोसिस्टम के निर्माण में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। इन प्रयासों ने न केवल देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को अधिक मजबूत और सक्षम बनाया है, बल्कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के दीर्घकालिक विजन को महत्वपूर्ण गति प्रदान की है।

रणनीतिक प्रभाव के लिए परिचालन संबंधी तैयारी

27 मार्च 2019 को भारत ने मिशन शक्ति के माध्यम से अंतरिक्ष में उपग्रह को नष्ट करने की अपनी क्षमता का सफल प्रदर्शन किया और एंटी-सैटेलाइट क्षमता रखने वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया।

11 मार्च 2024 को भारत ने मिशन दिव्यास्त्र के तहत एक लंबी दूरी की मिसाइल का सफल परीक्षण किया, जो एक साथ कई लक्ष्यों पर प्रहार करने में सक्षम मल्टीपल वॉरहेड प्रणाली से सुसज्जित है

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आकाश एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली, ब्रह्मोस मिसाइल, एंटी-ड्रोन सिस्टम और एयरबोर्न सर्विलांस प्लेटफॉर्म जैसे स्वदेशी रक्षा प्रणालियों ने सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमता को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किया।

23 अगस्त 2025 को डीआरडीओ ने एक उन्नत वायु रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण किया, जिसमें मिसाइल इंटरसेप्टर, कम दूरी की वायु रक्षा हथियार प्रणाली और लेजर-आधारित तकनीकों का एकीकृत उपयोग शामिल है।

अगली पीढ़ी की रक्षा तकनीकें

स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान को फरवरी 2019 में अंतिम परिचालन मंजूरी प्राप्त हुई और भारतीय वायु सेना द्वारा 83 विमानों की खरीद को स्वीकृति दी गई।

अर्जुन एमके-आईए मुख्य युद्धक टैंक को फरवरी 2021 में भारतीय सेना में शामिल किया गया, जिससे स्वदेशी बख्तरबंद क्षमता को मजबूती मिली।

वर्ष 2022 में रक्षा क्षेत्र के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित 75 तकनीकों का विकास किया गया, जिनमें निगरानी (सर्विलांस), साइबर सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, स्वायत्त प्रणालियां और युद्धक्षेत्र सहायता जैसी क्षमताएं शामिल हैं।

भारत ने अगली पीढ़ी की लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों के लिए उन्नत प्रणोदन तकनीकों के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है।

9 जनवरी 2026 को डीआरडीओ ने स्क्रैमजेट कनेक्ट पाइप टेस्ट सुविधा में 12 मिनट से अधिक समय तक सक्रिय रूप से शीतित स्क्रैमजेट फुल-स्केल कंबस्टर का सफल दीर्घकालिक ग्राउंड परीक्षण किया, जो हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक के विकास में एक बड़ी उपलब्धि है।

भविष्य की उच्च गति मिसाइल तकनीक के विकास को समर्थन देने के लिए हैदराबाद में एक अत्याधुनिक हाइपरसोनिक विंड टनल सुविधा स्थापित की गई है।

भारत का रक्षा क्षेत्र में हुआ यह परिवर्तन अनुसंधान, नवाचार और रणनीतिक क्षमताओं के सतत विकास के प्रति उसकी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। युद्धक्षेत्र के लिए तैयार प्रणालियों से लेकर भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों और सहयोगात्मक नवाचार नेटवर्क तक, देश ने दीर्घकालिक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक सुदृढ़ आधार तैयार किया है। ये उपलब्धियां भारत की उस क्षमता को और मजबूत करती हैं, जिसके माध्यम से वह बदलती वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सके और अपनी घरेलू तकनीकी एवं औद्योगिक शक्ति पर आधारित एक आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था को साकार कर सके।

भाग डीः 12 वर्षों में विश्वसनीय शक्ति - भारत की रक्षा कूटनीति और प्रतिबद्धता

पिछले दशक में भारत की रक्षा कूटनीति राष्ट्रीय सुरक्षा, रणनीतिक प्रभाव और वैश्विक सहभागिता का एक महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है। अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखते हुए भारत ने प्रमुख वैश्विक शक्तियों के साथ रक्षा साझेदारियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। रक्षा सहयोग आज केवल सैन्य आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, रक्षा उद्योग में साझेदारी, सह-विकास और संयुक्त निर्माण जैसे आयाम भी शामिल हो चुके हैं। साथ ही, भारत ने क्षेत्रीय और बहुपक्षीय सुरक्षा मंचों पर अपनी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाया है। क्वाड, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) जैसे मंचों के माध्यम से भारत समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग तथा नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बढ़ावा दे रहा है। ये प्रयास भारत के बढ़ते रणनीतिक आत्मविश्वास, वैश्विक जिम्मेदारियों के लिए उसकी प्रतिबद्धता और एक विश्वसनीय सुरक्षा साझेदार के रूप में सशक्त होती पहचान को प्रतिबिंबित करते हैं।

भारत-अमेरिका

पिछले एक दशक में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग अभूतपूर्व रूप से सशक्त हुआ है। इस दौरान दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिन्होंने सामरिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वर्ष 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एलईएमओए) पर सहमति बनी, जिससे दोनों देशों की सेनाओं को एक-दूसरे की सैन्य सुविधाओं के उपयोग की अनुमति मिली। इसके बाद 2018 में कम्युनिकेशंस कम्पैटिबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट (सीओएमसीएएसए) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने सुरक्षित सैन्य संचार और अत्याधुनिक रक्षा तकनीक के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त किया। वर्ष 2020 में बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट (बीईसीए) के माध्यम से भू-स्थानिक एवं सामरिक सूचनाओं के साझा उपयोग को संस्थागत रूप दिया गया। इसके अतिरिक्त, अमेरिका ने भारत को 'मेजर डिफेंस पार्टनर' (प्रमुख रक्षा भागीदार) का विशेष दर्जा प्रदान किया तथा स्ट्रैटेजिक ट्रेड ऑथराइजेशन-1 (एसटीए-1) की मान्यता देकर उच्च तकनीक एवं रक्षा उपकरणों तक भारत की पहुंच को और सुदृढ़ बनाया है।

इन घटनाक्रमों ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को एक मजबूत संस्थागत आधार प्रदान किया। दोनों देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से 2023 में 'इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी' (आईसीईटी) की शुरूआत की गई। इसके बाद 2025 में इसे 'ट्रांसफॉर्मिंग द रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजी' (ट्रस्ट) पहल के तहत और व्यापक बनाया गया। इस ढांचे ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर निर्माण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी तथा अन्य उभरती रणनीतिक तकनीकों के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को उल्लेखनीय रूप से विस्तार दिया। इसी क्रम में, अक्टूबर 2025 में भारत और अमेरिका ने कुआलालंपुर में दस वर्षीय रक्षा साझेदारी फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर किए। इस महत्वपूर्ण समझौते ने संयुक्त सैन्य अभ्यासों, रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग, रक्षा औद्योगिक साझेदारी तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने का मार्ग प्रशस्त किया। साथ ही, दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को दीर्घकालिक और व्यापक स्वरूप प्राप्त हुआ।

भारत-रूस

बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य और अंतरराष्ट्रीय शक्ति-संतुलन में हो रहे परिवर्तनों के बावजूद भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग निरंतर मजबूत बना हुआ है। यह साझेदारी 'सैन्य एवं सैन्य-तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग' (आईआरआईजीसी-एम एंड एमटीसी) के संस्थागत ढांचे पर आधारित है, जिसके 21वें और 22वें सत्र क्रमशः दिसंबर 2024 तथा दिसंबर 2025 में आयोजित किए गए। इन बैठकों में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को और गहरा करने तथा दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान दोनों पक्षों ने एस-400 वायु रक्षा प्रणाली से संबंधित सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की तथा भारतीय वायु सेना के एसयू -30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन कार्यक्रम को सहयोग दिया। रक्षा संबंधों का केंद्र अब पारंपरिक खरीद-बिक्री से आगे बढ़कर संयुक्त अनुसंधान, सह-विकास, सह-उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की दिशा में स्थानांतरित हो रहा है। यह परिवर्तन 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के अनुरूप देश में स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही, भारत और रूस के बीच आयोजित होने वाला इंद्र त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास दोनों देशों की सैन्य अंतर-संचालन क्षमता तथा रणनीतिक समन्वय का महत्वपूर्ण प्रतीक बना हुआ है। भारत ने रूस के साथ अपने रक्षा सहयोग को सुदृढ़ करते हुए रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को भी बनाए रखा है। इसके अतिरिक्त, देश के भीतर रखरखाव, मरम्मत एवं ओवरहाल (एमआरओ) क्षमताओं के विस्तार पर विशेष बल दिया गया है, जिससे रक्षा उपकरणों के संचालन, रखरखाव और दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है।

भारत-यूरोपीय संघ (ईयू)

27 जनवरी 2026 को ईयू-भारत शिखर सम्मेलन के दौरान ईयू और भारत ने सुरक्षा और रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर किए। एचआर/वीपी काजा कल्लास और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा हस्ताक्षरित यह साझेदारी शांति, सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करती है - जिसमें समुद्री सुरक्षा, साइबर-रक्षा, आतंकवाद-रोधी उपाय और अंतरिक्ष जैसे विषय शामिल हैं।

यह साझेदारी सालाना 'भारत-ईयू सुरक्षा और रक्षा वार्ता' के माध्यम से सहयोग को संस्थागत रूप देती है और संयुक्त विकास तथा सप्लाई चेन की मजबूती के लिए 'भारत-ईयू रक्षा उद्योग मंच' की व्यवस्था करती है।

भारत-फ्रांस

भारत और फ्रांस के बीच रक्षा संबंध समय के साथ भारत की सबसे गहन व विश्वसनीय रणनीतिक-औद्योगिक साझेदारियों में विकसित हुए हैं। यह सहयोग केवल रक्षा उपकरणों की खरीद तक सीमित न रहकर संयुक्त उत्पादन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और रक्षा विनिर्माण क्षमता के विकास तक विस्तृत हो चुका है। वर्ष 2016 में संपन्न राफेल लड़ाकू विमान सौदे ने भारतीय वायु सेना की परिचालन एवं युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की तथा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को नई मजबूती प्रदान की। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में भी सहयोग लगातार गहरा हुआ है। प्रोजेक्ट-75 के अंतर्गत फ्रांसीसी सहयोग से निर्मित सभी छह कलवरी-श्रेणी (स्कॉर्पीन) पनडुब्बियों को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। इन पनडुब्बियों का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से किया गया, जबकि छठी और अंतिम पनडुब्बी को जनवरी 2025 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। यह परियोजना भारत की स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमता और समुद्री प्रतिरोधक शक्ति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है। वर्ष 2023 में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-मरीन लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दिए जाने से दोनों देशों के रक्षा सहयोग को और गति मिली। इसके अतिरिक्त, डसॉल्ट एविएशन और टाटा समूह के संयुक्त उद्यम ने भारत में एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ किया है, जबकि सफ्रान और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के बीच सहयोग ने उन्नत विमान इंजन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी को नई दिशा प्रदान की है।

भारत-जापान

पिछले दशक में भारत और जापान की 'खास रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' रक्षा के क्षेत्र में काफी मजबूत हुई है। 'एक्विजिशन एंड क्रॉस-सर्विसिंग एग्रीमेंट' (एसीएसए, 2020) ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी लॉजिस्टिक्स व सप्लाई सपोर्ट को संभव बनाया है। 'जिमेक्स' अभ्यास नौसेनाओं के बीच आपसी तालमेल को लगातार मजबूत कर रहा है; इसका सबसे हालिया संस्करण 2025 में योकोसुका में आयोजित किया गया। भारत के रक्षा मंत्री और जापान के रक्षा मंत्री के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक (मई 2025) ने क्षेत्रीय शांति के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।

भारत-संयुक्त अरब अमीरात

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा संबंध अब पारंपरिक लेन-देन आधारित सहयोग से आगे बढ़कर एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी का रूप ले चुके हैं। नवंबर 2025 में आयोजित दुबई एयर शो में भारत ने संयुक्त अनुसंधान एवं विकास तथा सह-उत्पादन के अवसरों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देकर रक्षा औद्योगिक सहयोग को नई दिशा प्रदान की। इसके बाद, जनवरी 2026 में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी को संस्थागत स्वरूप देने हेतु एक लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता रक्षा उद्योग सहयोग, विशेष अभियान, आतंकवाद-रोधी प्रयासों तथा उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के क्षेत्रों में सहयोग को और सुदृढ़ करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया

2020 में भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत होने के बाद, दोनों देशों के रक्षा संबंधों में उल्लेखनीय विस्तार और संस्थागत सुदृढ़ीकरण देखने को मिला है। इस प्रगति का महत्वपूर्ण प्रतीक अक्टूबर 2025 में कैनबरा में आयोजित पहली ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता रही, जिसने इस साझेदारी के पांच वर्षों की उपलब्धियों को रेखांकित किया। साथ ही, इस बैठक ने समुद्री क्षेत्रीय जागरूकता, संयुक्त सैन्य अभ्यासों तथा रक्षा उद्योग सहयोग को और गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता को भी पुनः पुष्ट किया।

जिला समन्वय समिति की बैठक में विकास योजनाओं की हुई समीक्षा, उपायुक्त ने दिए आवश्यक निर्देश

जनहित एवं विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की मासिक समीक्षात्मक बैठक में आयोजित की गई। बैठक मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं बैठक के दौरान उपायुक्त ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा के क्रम में बोरियो क्षेत्र में

सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की स्थिति पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

वहीं नगर परिषद साहेबगंज एवं नगर पंचायत बरहरवा अंतर्गत प्रस्तावित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने भूमि हस्तांतरण एवं वन स्वीकृति से संबंधित प्रक्रियाओं में तेजी लाने का निर्देश दिया। शिक्षा विभाग को विद्यालय मरम्मती एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नामांकन के पश्चात रिक्त सीटों को लेकर आवश्यक निर्देश दिये। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त सेविका एवं सहायिका पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने, पीएम-जनमन योजना अंतर्गत स्वीकृत आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण कार्य में गति लाने, मानदेय भुगतान, पोषाहार की नियमित उपलब्धता तथा अभिश्रव के यथाशीघ्र नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उपायुक्त ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों का विभागीय दिशा निर्देशों के आलोक में शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। वहीं बैठक में पर्यटन प्राधिकार गठन, न्यायालयों में लंबित वाद, लघु सिंचाई गणना की प्रगति सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने हेतु अभिलेखों एवं प्रस्तावों को शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इनमें बरहेट प्रखंड में 2500 एमटी क्षमता के गोदाम निर्माण, होमगार्ड कार्यालय सह परिसर, बालिका गृह निर्माण, नगर पालिका कार्यालय के नव निर्माण, डटीआरडब्ल्यू निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि इन योजनाओं के लिए भूमि संबंधी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि परियोजनाओं का कार्य समयबद्ध रूप से प्रारंभ किया जा सके। मौके पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं विभिन्न थाना प्रभारी उपस्थित थे। वहीं बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करते हुए जनहित एवं विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

आरएसएस कार्यालय पर हमले के विरोध में हिन्दू धर्म रक्षा मंच का आक्रोश, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

बिभा संवाददाता

राजमहल। रांची के निवारणपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंके जाने की घटना को लेकर हिन्दू धर्म रक्षा मंच ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला बताया है। घटना के बाद पुलिस जांच में जुटी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। वहीं संत कुमार घोष ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक समरसता के कार्यों से जुड़ा संगठन है। ऐसे संगठन के कार्यालय को निशाना बनाना भय और अस्थिरता का माहौल बनाने की कोशिश प्रतीत होता है।

उन्होंने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से मांग की कि घटना में शामिल लोगों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर साजिश में शामिल सभी तत्वों का पदार्फाश किया जाए। साथ ही केंद्रीय अध्यक्ष ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता शांति और सौहार्द में विश्वास रखती है तथा किसी भी प्रकार की हिंसा या अराजकता को स्वीकार नहीं करेगी। उनके अनुसार, इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। गौरतलब है कि बुधवार तड़के रांची के निवारणपुर स्थित आरएसएस कार्यालय पर दो अज्ञात युवकों द्वारा पेट्रोल बम फेंके जाने की घटना सामने आई थी। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

शांतिपूर्ण वातावरण में हुई आयोजित वस्तानिया,फौकानिया व मौलवी की परीक्षा

उधवा(बिभा) । झारखंड अधिविद्य परिषद मदरसा बोर्ड परीक्षा 2026 द्वारा आयोजित वस्तानिया, फौकानिया एवं मौलवी की परीक्षा बुधवार को प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा में कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण वातावरण में हुई। जानकारी के अनुसार वस्तानिया की परीक्षा में प्रथम पाली में दिनियात व द्वितीय पाली में अरबी -1 विषय की परीक्षा हुई।फौकानिया एवं मौलवी की परीक्षा में प्रथम पाली में दिनियात -1 एवं द्वितीय पाली में दिनियात -2 विषय की परीक्षा हुई। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षा हुई। इस दौरान प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा के प्रधानाध्यापिका सह केंद्राधीक्षक नुसरत जहां ने बताया कि वस्तानिया की परीक्षा में 282 परीक्षार्थी उपस्थित हुए,जबकि 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। साथ ही उन्होंने बताया कि फौकानिया की परीक्षा में कुल 83 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें एवं मौलवी की परीक्षा में 24 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 1 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। मौके पर दण्डाधिकारी शंकर साव, एएसआई बिटाराम मुर्मू सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

विशेष शिविर में जाति, आय व निवास प्रमाण-पत्र के लिए लोगों ने किया आवेदन जमा

उधवा (बिभा)। आगामी शैक्षणिक सत्र,नियुक्तियों तथा विभिन्न छात्रवृतियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उधवा प्रखंड के सभी पंचायत सचिवालयों में आयोजित तीन दिवसीय शिविर बुधवार को संपन्न हो गया। जानकारी के अनुसार प्रखंड के अमानत दियारा पंचायत, पूर्वी उधवा, दक्षिण सरफराजगंज, पश्चिमी उधवा, पतौड़ा, उत्तर पियारपुर, राधानगर, उत्तर बेगमगंज, चांदशहर, मसना, उत्तर पलाशगाछी, दक्षिण पलाशगाछी, आतापुर, मोहनपुर, कटहलबाड़ी पंचायत सहित 26 पंचायत सचिवालयों में विशेष शिविर में सैकड़ो लोगों ने प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन जमा दिया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों को समय पर आवश्यक प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना है,ताकि कोई भी छात्र-छात्राएं शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में दस्तावेजों की कमी के कारण परेशानी ना हों। इस दौरान शिविर में जाति,आय एवं निवास प्रमाण-पत्र बनाने के लिए लोगों ने फॉर्म भरकर संबंधित कागजात के साथ आवेदन जमा किया। वहीं बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविर का औचक निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने शिविर में उपस्थित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मौके पर प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद,पंचायत सचिव मोनिका मुर्मू, सत्यनारायण रजवार, प्रेमचंद रजक, शिवराम मुर्मू, मुखिया धनी पहाड़िन, फरीदा खातून, मोहम्मद मुस्ताकिम, जियाउल हक, प्रियंका कुमारी, दीपा देवी, बानू बेगम, मासुफा बीवी, वीएलई सहित अन्य मौजूद थे।

अबुआ आवास योजना में बड़ी कार्रवाई: राशि लेने के बाद भी घर नहीं बनाने वाले 150 लाभुकों पर शिकायत दर्ज

राजमहल (बिभा)। अबुआ आवास योजना के तहत सरकारी सहायता प्राप्त करने के बावजूद आवास निर्माण कार्य शुरू नहीं करने वाले लाभुकों के खिलाफ राजमहल प्रखंड प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूसुफ की पहल पर 150 से अधिक लाभुकों के विरुद्ध राजमहल और तीनपहाड़ थाना में सनाहा दर्ज कराया गया है। वहीं प्रशासनिक जांच में पाया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में चयनित इन लाभुकों को पहली किस्त के रूप में 30 हजार की राशि उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी अधिकांश लाभुकों ने प्लिंथ स्तर तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया। इससे योजना के क्रियान्वयन और आवास पूर्णता की रफ्तार प्रभावित हो रही है। वहीं बीडीओ मो. यूसुफ ने बताया कि कार्रवाई से पूर्व संबंधित लाभुकों को कई बार नोटिस जारी कर निर्माण कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया था। पंचायत स्तर पर आवास प्रभारियों और रोजगार सेवकों के माध्यम से लगातार संपर्क किया गया, वहीं क्षेत्र भ्रमण, औचक निरीक्षण और माइकिंग के जरिए भी जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके बावजूद अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई। दाहुटोला, गदाई महाराजपुर दियारा, घाट जमनी, गुनिहारी, कसवा, खुटहरी, लक्ष्मीपुर, लालमाटी, महासिंगपुर, मोकिमपुर, प्राणपुर, सैदपुर, समसपुर, बाबुपुर, दरला, परिया और तेतुलिया समेत विभिन्न पंचायतों के चिन्हित लाभुकों की सूची संबंधित थानों को सौंप दी गई है। साथ ही प्रखंड प्रशासन ने लाभुकों को अंतिम अवसर देते हुए सात दिनों के भीतर निर्माण कार्य में प्रगति दिखाने का निर्देश दिया है। निर्धारित अवधि में कार्य शुरू नहीं होने पर सरकारी राशि के दुरुपयोग और गबन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करने की चेतावनी दी गई है। साथ ही, पूर्व में जारी की गई राशि की ब्याज सहित वसूली की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। वहीं बीडीओ ने सभी पंचायतों के आवास प्रभारियों, रोजगार सेवकों एवं जनसेवकों को विशेष निगरानी अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि योजना के उद्देश्यों को हर हाल में पूरा किया जाएगा और सरकारी धन के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संताल परगना पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन, देवघर बना चैंपियन, साहेबगंज उपविजेता

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । तीन दिनों तक चले संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का बुधवार को पुलिस लाइन मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच समापन हो गया। खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा से भरपूर इस आयोजन में देवघर जिलाबल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की, जबकि मेजबान साहेबगंज जिलाबल उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में संताल परगना के छह जिलों के पुलिस अधिकारी एवं जवानों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डीआईजी अंबर लकड़ा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने विभिन्न खेलों के विजेता खिलाड़ियों को मेडल और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीआईजी ने आगामी प्रतियोगिता के आयोजन के लिए जामताड़ा पुलिस को खेलकूद ध्वज सौंपा। वहीं डीआईजी अंबर लकड़ा ने पुलिसकर्मियों से नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देते हैं, बल्कि मानसिक और बौद्धिक क्षमता को भी मजबूत बनाते हैं। उन्होंने नशा उन्मूलन पर विशेष जोर देते हुए पुलिसकर्मियों से स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता अभियान चलाने की अपील की। प्रतियोगिता के अंतिम दिन एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबॉल सहित विभिन्न खेलों के फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में सभी छह जिलों की टीमों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं कार्यक्रम का समापन रंगारंग आतिशबाजी के साथ हुआ। इस दौरान आयोजन से जुड़े तकनीकी पदाधिकारियों, टीम मैनेजरों और अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मौके पर साहेबगंज एसपी अमित कुमार सिंह सहित देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़ और गोड्डा जिलों के पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

नरेश अग्रवाल को अमेरिकन फोटोग्राफिक सोसायटी ने विशिष्ट डिस्टिंक्शन ईपीएसए प्रदान किया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: नरेश अग्रवाल को अमेरिकन फोटोग्राफिक सोसायटी के द्वारा विशिष्ट सम्मान ई. पी.एस. ए. प्रदान किया गया है । भारत में अब तक मात्र 60 लोगों को ही यह सम्मान दिया जा चुका है, जबकि झारखंड के वे पहले व्यक्ति होंगे जिन्हें यह सम्मान मिला है। यह सम्मान किसी भी छायाकार की कम से कम सात सौ तस्वीरें को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने योग्य पाए जाने पर दिया जाता है। इस उपलब्धि के बाद अमेरिकन फोटोग्राफिक सोसायटी द्वारा आयोजित किसी भी अंतरराष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता में उन्हें चयनकर्ता के रूप में शामिल किया जा सकता है। नरेश अग्रवाल के अब तक 2500 छायाचित्र विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में शामिल किये जा चुके हैं। उन्हें 100 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं । फोटोग्राफी उनका पैशा नहीं है बल्कि अपने को जीवंत और ताजा रखने का साधन मात्र है। उनकी अधिकांश छवियां झारखंड, बंगाल, राजस्थान और उड़ीसा के ग्रामीण जीवन पर आधारित हैं । उन्होंने सबर जाति पर विशेष कार्य किया है । वे निरंतर सक्रिय हैं और अपना बहुत सारा समय इस कला को निखारने में लगाते हैं। आशा है भविष्य में उनकी इस कला में और अधिक निखार आएगा।

गुरु गोष्ठी में शिक्षकों को सख्त निर्देश, समय पर विद्यालय संचालन और ऑनलाइन उपस्थिति पर जोर

बिभा संवाददाता

तालझारी। प्रखंड सभागार में बुधवार को आयोजित मासिक गुरु गोष्ठी में शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रॉबिन चन्द्र मंडल ने की। इस दौरान सरकारी एवं अभियान विद्यालयों के शिक्षकों को विद्यालयों के नियमित संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने और शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बीईईओ ने कहा कि सभी विद्यालय निर्धारित समय पर संचालित हों और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर नियमित रूप से पाठ योजना तैयार करने तथा बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। गुरु गोष्ठी में ऑनलाइन कार्यों की समीक्षा भी की गई। शिक्षकों को प्रतिदिन छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज करने, मध्याह्न भोजन (एमडीएम) का एसएमएस समय पर भेजने तथा ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर पुस्तक वितरण से संबंधित लंबित डाटा दो दिनों के भीतर अपलोड करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शैक्षणिक गतिविधियों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विद्यालयों की नियमित निगरानी की जाएगी। बैठक में बीपीओ सुनील टुडू, बीआरपी राजेंद्र मंडल, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं सीआरपी उपस्थित थे।

सौरभ पांडे ने संभाली माय भारत साहेबगंज की कमान, युवाओं को जोड़ेगा नया नेतृत्व

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संचालित मेरा युवा भारत (माय भारत) साहेबगंज को नया नेतृत्व मिल गया है। नव नियुक्त जिला युवा अधिकारी सौरभ पांडे ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। उनके स्वागत में माय भारत के जिला कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें युवा क्लबों के सदस्य, पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक तथा संगठन से जुड़े कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम के दौरान युवा क्लब के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सौरभ पांडे का स्वागत किया और उनके नेतृत्व में संगठन की गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई। समारोह में माय भारत जमशेदपुर के जिला युवा अधिकारी मोंटू पातर तथा साहिबगंज, पाकुड़ एवं गोड्डा के लेखा एवं कार्यक्रम पदाधिकारी अनिल कुमार भी मौजूद रहे। वहीं पदभार ग्रहण करने के बाद सौरभ पांडे ने युवा क्लबों और पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवकों के साथ अपनी पहली समीक्षा बैठक की। बैठक में युवाओं की भूमिका, संगठनात्मक गतिविधियों तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और सहभागिता ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। समाज सेवा, जागरूकता अभियान और जनहित के कार्यक्रमों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी से सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि माय भारत का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना, उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाना और सेवा भाव से जोड़ना है। साथ ही जिले के अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़कर उन्हें रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने पर जोर दिया। वहीं बैठक के दौरान युवा क्लब के सदस्यों ने भी अपने सुझाव साझा किए और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने नए नेतृत्व के साथ मिलकर जिले में युवाओं के हित में बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चंदन कुमार, राहुल कुमार यादव, नूर आलम, विकास कुमार सहित विभिन्न युवा क्लबों के सदस्य एवं पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक उपस्थित रहे। पूरा कार्यक्रम उत्साह, नई ऊर्जा और युवा शक्ति के संकल्प का प्रतीक बनकर उभरा।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ओ-एसी-टी-82 टू 85-26-27 (ओपन), दिनांक: 16.06.2026। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा (खुली) आमंत्रित की जाती है: **क्रम संख्या:** 1। **केस संख्या: ओ-एसी-टी-82-26-27। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/2/आसनसोल के अधीन निम्नलिखित की शेष मात्रा के लिए खुली निविदा- (1) मधुपुर में सिविल इंजीनियरिंग कार्य: पावर हाउस से विभिन्न स्थानों (जैसे कि स्टेशन, डीटीसी, पश्चिम केबिन, फ़िल्टर हाउस आदि तथा अन्य स्थानों) तक ओएच लाइन के मज़बूतीकरण सहित बदली। (2) सहायक अभियंता/मधुपुर के अधीन जामताड़ा में टीआरडी कॉलोनी के बगल में स्टेशन अप्रोच रोड के सुधार का सिविल इंजीनियरिंग कार्य सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। (3) रजला हाल्ट पर नए बुकिंग कार्यालय सह प्रतीक्षालय के निर्माण का सिविल इंजीनियरिंग कार्य। (4) नरगंजो हाल्ट पर नए बुकिंग कार्यालय सह प्रतीक्षालय के निर्माण का सिविल इंजीनियरिंग कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 39,79,859.59। **बयाना राशि:** ₹ 79,600। **क्रम संख्या:** 2। **केस संख्या: ओ-एसी-टी-83-26-27। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/जसीडीह के अधीन टीआरआर (पी), टीएसआर (पी), सीएमएस क्रॉसिंग का कैज़ुअल नवीकरण, टीडब्ल्यूएसईजे, टीडब्ल्यूएस/डब्ल्यूसीएमएस तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,89,93,726.28। **बयाना राशि:** ₹ 9,79,900। **क्रम संख्या:** 3। **केस संख्या: ओ-एसी-टी-84-26-27। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/मधुपुर के अधीन टीआरआर (पी), टीएसआर (पी), सीएमएस क्रॉसिंग का कैज़ुअल नवीकरण, टीडब्ल्यूएसईजे, टीडब्ल्यूसी/डब्ल्यूसीएमएस तथा अन्य आनुषंगिक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,64,90,862.64। **बयाना राशि:** ₹ 5,29,800। **क्रम संख्या:** 4। **केस संख्या: ओ-एसी-टी-85-26-27। कार्य का नाम:** दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सम्पूर्ण आसनसोल मंडल में एसएसई/बीआर/सीतारामपुर द्वारा अनुरक्षित पुलों के लिए आनुषंगिक कार्यों सहित पुलों के सुपर स्ट्रक्चर के रखरखाव हेतु जोनल कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** ₹ 51,00,000। **बयाना राशि:** ₹ 1,02,000। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 09 महीना (क्रम संख्या 1 के लिए) एवं 12 महीना (क्रम संख्या 2 से 4 प्रत्येक के लिए)। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 16.07.2026 को दोपहर 12.00 बजे (क्रम सं. 1 से 4 प्रत्येक के लिए)। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(ASN-141/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

कॉन्सुल जनरल]यूएस कॉन्सुलेट जनरल-कोलकाता ने सीएमपीडीआई का दौरा किया

बिभा संवाददाता

रांची। कोलकाता स्थित यूएस कॉन्सुलेट जनरल की कॉन्सुल जनरल सुश्री कैथी गाइल्स-डियाज ने राजनीति और आर्थिक मामलों के कॉन्सुल ब्राफस कालुंड और पब्लिक इंगेजमेंट स्पेशलिस्ट सुचरिता भट्टाचार्जी के साथ सीएमपीडीआई का दौरा किया। उन्होंने खनिज गवेषण माइनिंग, क्रिटिकल मिनरल्स, सरफेस कोल गैसीफिकेशन, अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन, रिमोट सेंसिंग आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर सीएमपीडीआई के साथ संक्षिप्त चर्चा की। इस बैठक का उद्देश्य बातचीत को बढ़ावा देना। मुख्य क्षेत्रों में आपसी समझ को मजबूत करना, शैक्षणिक और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना और यूएस विशेषज्ञों के साथ जुड़ने के संभावित तरीकों का पता लगाना था। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की और संस्थान की प्रोफाइल]उसकी विशेषज्ञता और सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने ऑपरेशनल दक्षता और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाने के लिए खनिज गवेषण]रिसोर्स एस्टीमेशन और डिजिटल माइनिंग समाधानों को आगे बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)/मशीन लरनिंग (एमएल) तकनीकों का लाभ उठाने के सीएमपीडीआई के इरादे पर जोर दिया। हाल ही में सम्पन्न हुए भारत-अमेरिका के ह्यह्यमहत्वपूर्ण खनिजों और रेयर अर्थ्स की माइनिंग और प्रोसेसिंग में सप्लाई सुरक्षित करनेह्यह्य से जुड़े फ्रेमवर्क के लक्ष्यों को दोहराते हुए]सुश्री कैथी गाइल्स-डियाज. ने सीएमपीडीआई को भरोसा दिलाया कि अमेरिकी वाणिज्य दूतावास हर संभव मदद करेगा। यह सहयोग अमेरिका के संभावित डेवलपर्स और शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर माइनिंग और उससे जुड़े क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित होगा।

ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाली बीएलओ को मुआवजा देने की मांग, विधायक प्रदीप यादव ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

बिभा संवाददाता

गोड्डा/रांची: पोड़ैयाहाट विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप यादव ने क्षेत्र की एक कर्तव्यनिष्ठ महिला कर्मी के निधन पर गहरा दुख जताते हुए उनके परिवार के लिए न्याय और आर्थिक संबल की मांग की है। विधायक ने आज इस संबंध में झारखंड के मुख्यमंत्री और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव को दो अलग-अलग आधिकारिक पत्र भेजे हैं। मामला गोड्डा जिला अंतर्गत 16-पोड़ैयाहाट विधानसभा क्षेत्र का है। मतदान केंद्र संख्या 150, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सरविन्धा (पश्चिम भाग) की बीएलओ सह आंगनबाड़ी सेविका श्रीमती संजू टूडू का निधन उनके कार्यक्षेत्र में ड्यूटी पर रहने के दौरान हो गया था। विधायक प्रदीप यादव ने पत्र के माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए कहा है कि विभाग से मिलने वाले सामान्य लाभ और सुविधाओं के अतिरिक्त, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को न्यूनतम 10 लाख (दस लाख) रुपये की मुआवजा राशि अविलंब उपलब्ध कराई जाए। पत्र में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए गोड्डा उपायुक्त द्वारा भी इस संबंध में अपनी सकारात्मक अनुशंसा संबंधित विभाग को पहले ही भेजी जा चुकी है। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पीड़ित परिवार को समुचित राहत और मुआवजा राशि दिलाने हेतु आदेश जारी करने की कृपा करें।

फीफा विश्व कप 2026

200 वें मैच में मेसी का जादुई शो

पहली विश्व कप हैट्रिक से अर्जेंटीना को दिलाई जीत

कैनसस सिटी। फीफा विश्व कप 2026 में लियोनल मेसी ने एक ऐसी रात को यादगार बना दिया, जिसे अर्जेंटीना के फुटबॉल फैंस शायद कभी नहीं भूलेंगे। अल्जीरिया के खिलाफ ग्रुप-जे के मुकाबले में मेसी ने अपने विश्व कप करियर की पहली हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को 3-0 की शानदार जीत दिलाई। इसके साथ ही उन्होंने जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोज के विश्व कप में सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना शुरू से ही हावी रहा। कप्तान मेसी ने पहले हाफ में टीम को बढ़त दिलाई और फिर दूसरे हाफ में दो और गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनकी हैट्रिक की बदौलत मौजूदा विश्व चैंपियन ने अपने खिताब बचाने के अभियान की दमदार शुरुआत की।

हालंद और एमबाप्पे पर भारी पड़े मेसी

विश्व कप के छठे दिन एरलिंग हालंद और किलियन एमबाप्पे ने भी दो-दो गोल किए थे, लेकिन सारी सुर्खियां मेसी के नाम रहीं। हालंद ने नॉर्वे की ओर से इराक के खिलाफ दो गोल दागे, जबकि एमबा पे ने सेनेगल के खिलाफ फ्रांस की जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मेसी की हैट्रिक और रिकॉर्ड की बराबरी ने इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया। 80वें मिनट में जब मेसी को मैदान से बाहर बुलाया गया तो पूरा स्टेडियम खड़ा हो गया। यह सिर्फ एक हैट्रिक नहीं थी, बल्कि फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक के करियर का एक और सुनहरा अध्याय था।

20 साल बाद रचा इतिहास

यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि मेसी ने अपना पहला विश्व कप मैच 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ खेला था। ठीक 20 साल बाद उन्होंने उसी मंच पर पहली विश्व कप हैट्रिक लगाकर इतिहास रच दिया। वह विश्व कप के पांच अलग-अलग संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस सूची में उनके साथ केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम शामिल है।

विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	देश	गोल
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	16
लियोनल मेसी	अर्जेंटीना	16*
रोनाल्डो	ब्राजील	15
किलियन एमबाप्पे	फ्रांस	14
गेर्ड मुलर	जर्मनी	14
जस्ट फोंटेन	फ्रांस	13
पेले	ब्राजील	12

क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी

विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मेसी के नाम विश्व कप में 13 गोल थे। अल्जीरिया के खिलाफ तीन गोल दागकर उन्होंने अपना आंकड़ा 16 तक पहुंचा दिया ।इसके साथ ही उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजे के सर्वाधिक विश्व कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अभी टूर्नामेंट के कई मैच बाकी हैं और ऐसे में मेसी के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा।

एमबाप्पे फ्रांस के लिए बने सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

न्यू जर्सी। कायलियन एमबाप्पे के दम पर फ्रांस ने ग्रुप आई के मुकाबले में सेनेगल को 3-1 से हराकर फीफा विश्व कप में विजयी आगाज किया। फ्रांस के लिए एमबाप्पे ने दो गोल दागे। एमबाप्पे इसके साथ ही फ्रांस की ओर से विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। दोनों टीमें पहले हाफ तक कोई गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान कायलियन एमबाप्पे ने टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद ब्रैडली बारकोला ने गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। निर्धारित 90 मिनट के बाद फ्रांस 2-0 से आगे था। हालांकि, आठ मिनट के इंजरी समय के दौरान सेनेगल के लिए इब्राहिम मबाये ने गोल दागा। लेकिन इसके चंद सेकेंड बाद ही एमबाप्पे ने एक और गोल कर फ्रांस को 3-1 से आगे कर दिया।

इंग्लैंड को लगा झटका, लिवरामेंटो चोट के कारण विश्व कप से हुए बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के फुल बैक टिनो लिवरामेंटो पिंडली की चोट के कारण फुटबॉल विश्व कप से बाहर हो गए जिससे कोच थॉमस ट्यूशेल को क्रोएशिया के खिलाफ अपनी टीम के पहले मैच से ठीक पहले टीम में बदलाव करना पड़ा। चेल्सी के डिफेंडर ट्रेवो चालोबाह को उनकी जगह बुलाया गया है और वे कैनसस सिटी में इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर में शामिल होने वाले हैं।

ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए थे लिवरामेंटो- इंग्लिश फुटबॉल संघ ने बताया कि न्यूकासल के डिफेंडर लिवरामेंटो रविवार को ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। एक बयान के अनुसार, 'सोमवार को हुए स्कैन और मेडिकल जांच से दुर्भाग्य से पुष्टि हुई कि वह (लिवरामेंटो) टूर्नामेंट में आगे इंग्लैंड की ओर से हिस्सा नहीं ले पाएंगे।' लिवरामेंटो को मुख्य रूप से उनकी बहुमुखी प्रतिभा के कारण चुना गया था क्योंकि वह राइट-बैक और लेफ्ट-बैक दोनों पोजीशन पर सहज थे। उन्हें मुख्य रूप से राइट-बैक पोजीशन पर अक्सर चोटिल होने वाले रीस जेम्स के बैकअप के तौर पर देखा जा रहा था। चालोबाह ने हाल के सत्र में चेल्सी के लिए अधिकतर सेंटर-बैक के तौर पर खेला है लेकिन उन्हें राइट-बैक के तौर पर खेलने का भी अनुभव है। इंग्लैंड गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मैच के लिए डलास जा रहा है। टीमें अपने पहले मैच की शुरुआत से 24 घंटे पहले तक चोटिल खिलाड़ियों की जगह दूसरे खिलाड़ियों को बुला सकती हैं।

खिताबी सूखे को समाप्त करने उतरेगा इंग्लैंड

डिफेंस में दोनों तरफ खेलने वाले टीनो लिवरामेंटो जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट में पूरी तरह मैच-फिट नहीं थे। वह फ्लोरिडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दूसरे हाफ में खेले थे, लेकिन कोस्टा रिका के विरुद्ध टीम के आखिरी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान बेंच पर ही रहे। इंग्लैंड ने साल 1966 में अपना एकमात्र फीफा विश्व कप खिताब जीता था। यह टीम इस साल छह दशक के सूखे को समाप्त करने उतरेगी।

भारत ने अफगानिस्तान को 403 रनों का विशाल लक्ष्य दिया

➡ गिल और किशन ने खेली शानदार शतकीय पारी

लखनऊ, एजेंसी। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला का दूसरा मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 403 रन का लक्ष्य दिया। 49.5 ओवर में टीम इंडिया 402 रन पर सिमट गई। पहले खेलते हुए भारत की शुरुआत खास नहीं रही और यशस्वी जायसवाल 4 रन पर आउट हुए। उसके बाद रोहित शर्मा ने बेहतरीन 48 रन बनाए और कप्तान गिल व इशान किशन ने ताबड़तोड़ शतकीय पारियां खेलीं। शुभमन गिल ने 154 और इशान किशन ने 125 रन बनाए। वहीं रोहित शर्मा ने भी 48 रन की पारी खेली। भारत ने वनडे इंटरनेशनल में 8वीं बार 400 रनों का आंकड़ा पार किया है। अफगानिस्तान के लिए खरोटे ने 4 और राशिद खान ने 3 विकेट झटके।

शुभमन गिल भारत में सबसे तेज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में विराट कोहली और शिखर धवन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। गिल अब भारत में इनिंग के हिसाब से सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। गिल ने लखनऊ के एकाना स्टेडियम में ना सिर्फ यह रिकॉर्ड बनाया और बल्कि शतक भी लगाया। गिल ने भारत में 19 इनिंग्स में एक हजार वनडे रन पूरे किए हैं। इससे पहले भारत में सबसे तेज एक हजार वनडे रन का रिकॉर्ड कोहली और धवन के नाम था जिन्होंने संयुक्त रूप से 24 इनिंग्स में यह कमाल किया है। लिस्ट में तीसरे नम्बर पर नवजोत सिंह सिद्धू और श्रेयस अय्यर हैं, इन दोनों ने 25 इनिंग्स में ऐसा किया है। इस लिस्ट में चौथे स्थान पर ईशान किशन हैं जिन्होंने 26 इनिंग्स में भारत में एक हजार रन पूरे किए हैं।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम खेलेंगी सेरेना विंबलडन में बहन वीनस के साथ दिखेंगी

लंदन (एजेंसी)। टेनिस जगत की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स करीब चार साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में वापसी करने जा रही हैं। 44 वर्षीय अमेरिकी स्टार विंबलडन 2026 में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल वर्ग में खेलती नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों ने मंगलवार को महिला युगल के लिए वाइल्ड कार्ड प्राप्त जोड़ियों की घोषणा की, जिसमें विलियम्स बहनों का नाम भी शामिल है।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम में वापसी

सेरेना विलियम्स ने आखिरी बार किसी ग्रैंड स्लैम में यूएस ओपन 2022 के दौरान हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया था, जहां उन्हें अजला टोम्लजानोविच के खिलाफ तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से उन्होंने किसी भी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। अब विंबलडन 2026 के जरिए सेरेना एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर वापसी करने जा रही हैं। उनकी वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

विंबलडन महिला युगल वाइल्ड कार्ड जोड़ियां

- केटी बोल्टर / हीदर वॉटसन (ब्रिटेन)
- मेडेलीन ब्रूक्स / अमेलिया राजेकी (ब्रिटेन)
- जोडी बरेज / मिका स्टोजसाव्लजेविक (ब्रिटेन)
- फ्रेया क्रिस्टी / ईडन सिल्वा (ब्रिटेन)
- हैरियट डार्ट / माया लुम्सडेन (ब्रिटेन)
- एलिसिया डुडने / मिमी शू (ब्रिटेन)
- सेरेना विलियम्स / वीनस विलियम्स (अमेरिका)

हाल ही में की थी प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी

सेरेना ने हाल ही में क्वींस क्लब चैंपियनशिप में वापसी की थी। उन्होंने कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ युगल मुकाबले में जीत हासिल कर शानदार शुरुआत की थी। उनकी जोड़ी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी क्योंकि म्बोकोदौरान चोटिल हो गई थीं। इसके बावजूद सेरेना की वापसी ने यह संकेत दे दिया था कि वह एक बार फिर बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के लिए तैयार हैं।

वीनस-सेरेना की जोड़ी पर रहेंगी नजरें

वीनस और सेरेना विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही हैं। दोनों बहनों ने साथ मिलकर कई ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए हैं। लंबे समय बाद दोनों को एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ खेलते देखना प्रशंसकों के लिए खास मौका होगा।

विंबलडन में आकर्षण का केंद्र रहेंगी बहनें

विंबलडन 2026 में कई युवा सितारों के अलावा अनुभवी खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सेरेना और वीनस की जोड़ी को लेकर होने की उम्मीद है। टेनिस इतिहास की दो महान खिलाड़ियों की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए यादगार होगी, बल्कि महिला युगल प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को भी और रोमांचक बना देगी।

रोहित को लेकर जोंटी बोले-

उन्हें जन्म से ही कोई खास टैलेंट नहीं मिला

केपटाउन। जोंटी रोड्स का मानना है कि भले ही रोहित शर्मा को जन्म से ही कोई असाधारण टैलेंट नहीं मिला था लेकिन अपने काम करने के तरीके में निरंतरता (कंसिस्टेंसी) की वजह से उन्होंने जबरदस्त सफलता हासिल की। रोहित क्रिकेट जगत में एक बड़ा नाम हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी कप्तान के तौर पर उनका करियर शानदार रहा है। रोहित अभी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रहे हैं। रोड्स ने मुंबई इंडियंस के साथ फील्डिंग कोच के तौर पर बिताए अपने समय को याद किया, जब उन्होंने बहुत करीब से देखा था कि रोहित अपने खेल पर कैसे काम करते थे। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर के मुताबिक रोहित की खासियत यह है कि वह मुश्किल चीजों को भी आसान बना देते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पत्रकारों से हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे पास दुनिया का सबसे अच्छा काम था। मुझे रोहित शर्मा को प्रैक्टिस करते हुए देखने का मौका मिला।

पुरुषों में प्रदीप शीर्ष पर रहे

किरण ने जीती महिलाओं की 400 मीटर दौड़

सूरत। इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के 12वें चरण में हरियाणा की इंटरनेशनल रनर किरण पहल ने मंगलवार को महिलाओं की 400 मीटर दौड़ जीती। सूरत में आयोजित प्रतियोगिता में 25 वर्षीय किरण ने 53.49 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। इस सीजन किरण पहल का बेस्ट 52.89 सेकेंड रहा है, जो हाल ही में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के लुधियाना चरण में दर्ज किया गया था। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया था। 400 मीटर दौड़ में उनका पर्सनल बेस्ट 50.92 सेकेंड है। 48.41 सेकेंड का समय लेकर तमिलनाडु के प्रदीप एस. ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ का खिताब अपने नाम किया। हरियाणा के नवीन कुमार डागर ने लंबे समय बाद प्रतियोगिता में वापसी करते हुए पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ 9:09.80 सेकेंड में जीती। दिल्ली की चारू शौकीन ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 12.29 सेकेंड में अपने नाम की।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप: आयरलैंड को हराकर इंग्लैंड ने दर्ज की दूसरी जीत

लंदन। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले गेंदबाजों ने आयरलैंड को 20 ओवर में 118/9 पर रोक दिया, फिर कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट की अहम साझेदारी की बदौलत लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि जीत के बीच इंग्लैंड को अपनी कप्तान की फिटनेस को लेकर चिंता भी सताने लगी है। 119 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने शुरुआती तीन विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली और 64 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

नैट 37 गेंदों में 48 रन बनाकर खेल रही थीं, लेकिन 16वें ओवर में उनकी पुरानी पिंडली (काफ) की चोट फिर उभर आई। इसके चलते उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा और मैच अधिकारियों ने उन्हें रिटायर्ड आउट घोषित किया। वह अपने अर्धशतक से सिर्फ दो रन दूर रह गईं। मैच के बाद नैट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगली बार वह उन दो रनों का इंतजार जरूर करेंगी।

हीदर नाइट ने दिया फिटनेस अपडेट

मैच के बाद हीदर नाइट ने बताया कि नैट को उसी काफ में हल्का खिंचाव महसूस हुआ, जिसमें पहले भी चोट लगी थी। उन्होंने कहा, 'उन्हें एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर भेजा गया। अगले कुछ दिनों में उनकी जांच होगी और उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगी।'

क्या स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेंगी नैट?

इंग्लैंड का अगला मुकाबला 20 जून को स्कॉटलैंड से है। नैट की फिटनेस को देखते हुए इस मैच में उनका खेलना फिलहाल तय नहीं माना जा रहा है। यदि वह उपलब्ध नहीं होती हैं तो चार्ली डीन टीम की कप्तानी संभाल सकती हैं। हालांकि इंग्लैंड चाहेगा कि 24 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले तक उनकी कप्तान पूरी तरह फिट हो जाएं।

गेंदबाजों ने आयरलैंड को किया बेबस

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत शानदार रही। लिन्सी स्मिथ ने पहले ही ओवर में एमी हंटर को आउट किया, जबकि लॉरेन बेल ने कप्तान गैबी लुईस को गोल्डन डक पर चलता किया। आयरलैंड की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 10वें ओवर तक 57 रन पर पांच विकेट खो चुकी थी। आखिर में लुईस लिटल ने 15 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर टीम को 118/9 तक पहुंचाया।

नैट की पारी ने दिलाई जीत

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने पांच ओवर के भीतर दोनों ओपनरों एमी जोन्स और डैनी वायट-हॉज के विकेट गंवा दिए। एलिस कैप्सी भी सस्ते में आउट हो गईं और स्कोर 35/3 हो गया। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली। हीदर ने 23 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि नैट ने 48 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनके रिटायर्ड आउट होने के बाद कुछ और विकेट गिरे, लेकिन चार्ली डीन और डेनिएल गिब्सन ने 18वें ओवर में इंग्लैंड को जीत दिला दी। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-बी में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

पत्नी निकली पति हत्याकांड की मास्टरमाइंड, पुत्र समेत तीन गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी। खूँटी पुलिस ने तपकरा थाना क्षेत्र के डिगरी गांव निवासी राधेश्याम साहू हत्याकांड का सफल उद्भेदन करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मृतक के साथ रह रही महिला लक्ष्मी देवी, उसका पुत्र रविन्द्र मांझी तथा संदीप मांझी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार लक्ष्मी देवी ने ही हत्या की साजिश रची थी।

पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 15 जून को रनिया थाना क्षेत्र के तांबा जंगल में सड़क किनारे राधेश्याम साहू का शव बरामद हुआ था। शव के ऊपर स्कूटी पड़ी होने के कारण प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा था, लेकिन पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की।

अनुसंधान एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को पता चला कि लक्ष्मी देवी और राधेश्याम साहू के बीच अक्सर विवाद एवं मारपीट होती थी। लक्ष्मी देवी उसके साथ नहीं रहना चाहती थी। उसने अपनी परेशानी की जानकारी अपने पहले पति से हुए 18 वर्षीय पुत्र रविन्द्र मांझी को दी। इसके बाद रविन्द्र ने संदीप मांझी के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई।

पुलिस के अनुसार 15 जून की रात दोनों आरोपी डिगरी गांव पहुंचे, जहां उन्होंने राधेश्याम साहू के साथ मारपीट की और उसकी ही स्कूटी से उसे अगवा कर तांबा जंगल ले गए। वहां लाठी, डंडे और पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी। बाद में घटना को दुर्घटना का रूप देने के लिए शव के ऊपर स्कूटी डालकर फरार हो गए।

पूछताछ में लक्ष्मी देवी ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, जिसके बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले के अनुसंधान में रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुम्भकार सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वाराणसी से रांची आ रही बस औरंगाबाद में दुर्घटनाग्रस्त, फार्मा कर्मी की मौत, 22 यात्री घायल

बिभा संवाददाता

औरंगाबाद/रांची : वाराणसी से मंगलवार रात रांची के लिए निकली रेखा बस बिहार के औरंगाबाद जिले में सड़क हादसे का शिकार हो गई। यह दुर्घटना एनएच-19 पर मदनपुर थाना क्षेत्र के पहारचापी मोड़ के समीप मंगलवार की अहले सुबह हुई, जब बस ने सड़क निर्माण कार्य में लगी डंपर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक फार्मा कर्मी की मौत हो गई, जबकि 22 यात्री घायल हो गए।

मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के राजा तालाब निवासी 35 वर्षीय बाबू विवेक सिंह के रूप में हुई है। वह एक फार्मा कंपनी में कार्यरत थे और कंपनी के काम से अपने सहयोगी आशु पटेल के साथ रांची जा रहे थे। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल विवेक सिंह को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, रेखा बस सोमवार रात करीब नौ बजे वाराणसी से रांची के लिए रवाना हुई थी। मंगलवार की सुबह करीब दो बजे मदनपुर थाना क्षेत्र के पहारचापी मोड़ के पास चालक का नियंत्रण बस से हट गया और बस आगे चल रहे डंपर ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय

ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इसके बाद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों और पुलिस के सहयोग से सभी घायलों को बस से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर और सदर अस्पताल औरंगाबाद भेजा गया।

घायलों में वाराणसी निवासी मनेश गुप्ता, संजय राम, मनिकेश सिंह, अमन मिश्रा, दुलारी देवी समेत कई अन्य यात्री शामिल हैं। अधिकांश घायल वाराणसी के शहरी क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं और उनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है।

मृतक के सहयोगी आशु पटेल ने बताया कि घटना की जानकारी विवेक सिंह के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मदनपुर थाना अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस हादसे के बाद कुछ समय के लिए एनएच-19 पर यातायात भी प्रभावित रहा।

रांची नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांची : शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के उद्देश्य से रांची नगर निगम द्वारा आज विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत हरमू नदी पुल (लाह कोठी), हरमू बाजार मार्ग, सर्कुलर रोड के आसपास एवं अन्य क्षेत्रों में अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई। हरमू नदी पुल एवं हरमू बाजार मार्ग में चलाए गए अभियान के दौरान सड़क किनारे निर्माण किए हुए अवैध दुकानों एवं अन्य अस्थायी संरचनाओं को हटाया गया तथा दो ठेलों को भी जब्त किया गया। वहीं, सर्कुलर रोड के आस-पास एवं वर्धमान कंपाउंड क्षेत्र में भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान बांस-बल्ली से निर्मित अस्थायी संरचनाओं को हटाते हुए तीन ठेलों को भी जब्त किया गया। रांची नगर निगम ने संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में पुनः अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी है। निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों, नालियों एवं अन्य सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

पवित्र श्रावणी पर धाम की तैयारी शुरू, बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति ने बनई नदी का किया निरीक्षण

खूँटी(बिभा) । पवित्र श्रावणी माह आगामी 30 जुलाई से शुरू होनेवाला है। वहीं झारखंड में भोलेनाथ की दूसरी बड़ी नगरी खूँटी जिले के बाबा आम्रेश्वर धाम में झारखण्ड के अलावे बिहार बंगाल उड़िसा मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक करने व पूजा अर्चना करने आते हैं। जिनकी व्यवस्था बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति की अगुवाई में खूँटी जिले का प्रशासन करती है। जिस जगह सुविधा व सुरक्षा व सहयोग के लिए कार्यकर्ता लगते हैं। इस बार भी स्वयंभू महादेव की पूज करने आनेवाले श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित कराने के दृष्टिकोण से अब समिति कार्यकताओं के साथ मंत्रणा करना शुरू कर दिया है। वहीं सोमवार को बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार की अगुवाई में बनई नदी का जायजा लेने प्रबंध समिति के पदाधिकारी पहुँचे। जिसमें श्रद्धालु भक्तों को स्नान व जल उठाव की सुविधा कैसे सुनिश्चित कराया जा सके। इसपर वहाँ साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्था देने के मामले पर विचार विमर्श किया गया। वहीं पूजा अर्चना करने में सुविधा व सहयोग करने पर चर्चा की गयी । बता दें कि, झारखंड में भोलेनाथ की दूसरा स्थान रखने वाला बाबा आम्रेश्वर धाम खूँटी जिला के पर्यटन स्थलों में से एक है। जहाँ जिला प्रशासन भी अपनी भूमिका श्रावणी मेले में सुनिश्चित करती है। इसी दृष्टिकोण से व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक स्वयं इसकी बागडोर संभालते हैं। वहीं बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के पदाधिकारियों ने धाम परिसर के अलावे जल उठाने के स्थल बनई नदी में व्यवस्थाओं पर चिंतनशील है। जहाँ मंच बनाने , ध्वनि विस्तारक यंत्र विद्युत बत्ती, शौचालय आदि पर चर्चा किया गया । मौके पर, मंत्री महेन्द्र भगत, दिनेश कुमार, संतोष सिंह, लेचा भगत, राम महतो , सत्यजीत कुण्डू आदि उपस्थित थे।

बाबा आम्रेश्वर धाम विकास को लेकर समिति ने उपायुक्त को सौंपा मांगपत्र

खूँटी(बिभा)। बाबा आम्रेश्वर धाम वरीय पदाधिकारी समिति के महामंत्री मनोज कुमार के नेतृत्व में बुधवार को समिति के प्रतिनिधिमंडल ने जिले के उपायुक्त मो. जावेद हुसैन से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने उपायुक्त का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा आगामी श्रावण माह में बाबा आम्रेश्वर धाम में आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को एक पत्र सौंपते हुए श्रावण मास के दौरान धाम में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों से अवगत कराया। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा एवं धाम के समुचित विकास के लिए एक मांगपत्र भी सौंपा गया। मांगपत्र में बाबा आम्रेश्वर धाम परिसर में श्रद्धालुओं के लिए स्थायी शेड निर्माण तथा बनई नदी पर एक छलका डेम के निर्माण की मांग की गई। समिति के सदस्यों ने कहा कि इन सुविधाओं के विकसित होने से श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलेगी और क्षेत्र का धार्मिक पर्यटन भी बढ़ावा पाएगा। इस अवसर पर समिति के सदस्य रमेश मांझी, कैलास भगत, संतोष पोद्दार, श्रीपाल चंद जैन, महेंद्र कश्यप, उपेंद्र कश्यप, महेंद्र प्रसाद भगत, जगदीश नाग, विजय राम सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

झारखंड सरकार विकास के सभी मुद्दों पर फेल : संजय सेठ

खूँटी / बुण्डू(बिभा) । झारखंड में व्याप्त कुव्यवस्था व विकास व सुशासन मुद्दे पर झारखंड सरकार के विरुद्ध केंद्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ ने हमला बोला है। उन्होंने सरकार के कृत्यों पर सवाल खड़ा किया है । उन्होंने साफ शब्दों में कह कि झारखण्ड सरकार हर मायने में फेल है। बिजली को ही उदाहरण लें लिया जाए जो कि अति आवश्यकता के रुप में आता है । 16-16 घंटा बिजली गुल रहती है। विकास कहाँ है। ये बात लोकनृत्य के संरक्षण और संवर्धन मामले में प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार हेतु चयनित बुटन देवी को सम्मानित करने मंगलवार को ताऊ गाँव पहुँचे संजय सेठ ने कही। श्री सेठ ने कहा कि सड़क बिजली पानी मूलभूत सुविधाओं को भी सरकार वंचित करके रख दिया है। विद्यालय है पर सड़क विहिन। केंद्र सरकार की पेयजल आपूर्ति योजना भी फेल है। जबकि बिहार में अच्छा कार्य हुआ है। विकास कार्य पर झारखंड सरकार फेल है। इसे विकास का काम मोदी जी से सिखना चाहिए।

20 वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थापित पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण की मांग

खूँटी(बिभा)। झारखंड विकास मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने मुख्य सचिव, झारखंड सरकार को पत्र भेजकर खूंटी सहित राज्य के सभी जिलों में 15 से 20 वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण की मांग की है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक एक ही जगह पदस्थापना से प्रशासनिक निष्पक्षता, कार्यकुशलता एवं कर्मियों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पुलिसकर्मियों को मिलने वाले भत्तों में सुधार तथा सरकार के स्थानांतरण संबंधी नियमों का समान रूप से अनुपालन सुनिश्चित करने की भी मांग की है।

स्किड लोडर मशीन से संकरी गलियों में हो रही नालियों की सफाई

बिभा संवाददाता

रांची : मॉनसून को ध्यान में रखते हुए निगम द्वारा शहरभर में नालियों की सफाई हेतु विशेष सफाई अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न वार्डों के सकरी गलियों, मोहल्लों एवं संवेदनशील जलजमाव प्रभावित क्षेत्रों में जाम नालियों की सफाई एवं गाद निकासी का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

निगम द्वारा पहली बार चार स्किड लोडर (मिनी जेसीबी) मशीनों को विशेष रूप से तैनात किया गया है, जो संकरी गलियों एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में आसानी से प्रवेश कर नालियों की प्रभावी सफाई कर रही हैं। इन मशीनों की मदद से वर्षों से जमी गाद, प्लास्टिक कचरा एवं

अवरोधों को तेजी से हटाया जा रहा है, जिससे जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने में काफी सहायता मिल रही है। स्किड लोडर मशीन से बंद नालियों को फंक्शनल करने एवं अस्थायी नाली निर्माण करने में भी कार्य किया जा रहा है।

उक्त मशीनों द्वारा वार्ड संख्या 18, लोहराकोचा, वार्ड 14, राम मंदिर चुटिया के निकट, वार्ड 12 कांटा टोली एवं आसपास की गलियों, वार्ड 19 धोबीघाट, वार्ड 26 हरमू क्षेत्र, वार्ड 28 मधुकम, वार्ड 30 अलकापुरी, वार्ड 33, ओटीसी ग्राउंड के पास, वार्ड 35, अरगोड़ा तालाब के पास, करमटोली, किशोरगंज एवं कुसुम बिहार क्षेत्र की कई संकरी गलियों में नालियों की सफाई का कार्य किया गया है। नगर निगम की टीम लगातार फील्ड में कार्यरत हैं ताकि बरसात के दौरान उत्पन्न होने वाले जलजमाव की समस्या को न्यूनतम किया जा सके और नागरिकों को राहत मिल सके। अभियान के दौरान निकाली जा रही गाद एवं कचरे का त्वरित उठाव भी सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि पुनः नालियां अवरुद्ध न हों।

रांची नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे नालियों में प्लास्टिक, ठोस कचरा एवं निर्माण सामग्री न फेंकें तथा स्वच्छ एवं जलजमाव मुक्त रांची बनाने में निगम का सहयोग करें। किसी भी क्षेत्र में जाम नालियों की समस्या हेतु निगम के टोल फ्री नंबर 18005701235 पर संपर्क किया जा सकता है।

युथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का एक्सीलेंस अवार्ड समारोह 20 जुलाई को

बिभा संवाददाता

रांची : युथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया झारखंड राज्य शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक आज आयोजित की गई, जिसमें आगामी एक्सीलेंस अवार्ड समारोह के आयोजन का निर्णय लिया गया।यह अवार्ड प्रति दो वर्ष के अंतराल पर आयोजित किया जाता है

बैठक में यह तय किया गया कि दिनांक 02 जुलाई 2026 को राँची विश्वविद्यालय परिसर स्थित आर्यभट्ट सभागार में इस समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा, युवा विकास, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति तथा अन्य विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में समारोह की रूपरेखा, अतिथियों को आमंत्रित करने तथा आयोजन की विभिन्न

तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। यह भी निर्णय लिया गया कि झारखंड के राज्यपाल को समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा।

बैठक में झारखंड राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी, शिवेंद्र दुबे, चंचल भट्टाचार्य एवं उदय साहू उपस्थित थे।

सभी सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह समारोह समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने के साथ-साथ युवाओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

झारखण्ड के 11 नए उत्पादों को मिला जीआई टैग, राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार राज्य की अनूठी कला, शिल्प, कृषि उत्पादों और पारंपरिक वस्तुओं को पहचान दिलाने, उन्हें सुरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, जीआई रजिस्ट्री ने हाल ही में राज्य के 11 और महत्वपूर्ण उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्रदान किया है। इन पहलों का मुख्य उद्देश्य झारखंड के पारंपरिक उत्पादों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करना, बाजार में उनकी पहचान बढ़ाना और उन्हें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर स्थापित करना है।

झारखंड के ये उत्पाद हुए जीआई क्लब में शामिल

हाल ही में जिन उत्पादों को जीआई दर्जा दिया गया है, उनमें कुचाई सिल्क साड़ी और कपड़े, भगैया साड़ी और कपड़े, दुमका चादर बदोनी पुतुल (कठपुतली), झारखंड पंछी परहान पंछी साड़ी और कपड़े, झारखंड की टसर सिल्क साड़ियाँ और कपड़े, झारखंड डोकरा क्राफ्ट (धातु शिल्प) झारखंड के आदिवासी आभूषण , झारखंड के बांस शिल्प , केसरिया कलाकंद, झारखंड बेनाम और झारखंड जादुपटुआ पेंटिंग शामिल हैं। इन सभी नए जीआई टैगों का आधिकारिक प्रकाशन अगले कुछ दिनों में कर दिया जाएगा। वर्ष 2019 तक झारखंड के पास केवल एक जीआई-टैग उत्पाद (सोहराई और खोवर पेंटिंग) था, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 12 हो गई है, जो जीआई परिदृश्य में राज्य की बढ़ती ताकत को दशार्ता है।

झारक्राफ्ट की बड़ी उपलब्धि

उद्योग विभाग, झारखंड सरकार के तहत कार्यरत झारक्राफ्ट और मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड वर्ष 2019 से ही जीआई पंजीकरण गतिविधियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। इसी प्रयास के तहत एक उल्लेखनीय मील का पत्थर तब हासिल हुआ, जब झारक्राफ्ट ने एक साथ तीन उत्पादों झारखंड की टसर सिल्क साड़ियाँ और कपड़े, झारखंड के आदिवासी आभूषण और झारखंड के बांस शिल्प के लिए जीआई पंजीकरण सुरक्षित किया है। ये पंजीकरण झारखंड के कारीगरों और पारंपरिक समुदायों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की दृश्यता, प्रामाणिकता और बाजार क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगे।

अन्य उत्पाद भी हैं कतार में

झारखंड की यह जीआई यात्रा राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक ज्ञान की रक्षा के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर चुकी है। इसके अतिरिक्त, कई अन्य अनूठे उत्पादों के आवेदन भी जीआई रजिस्ट्री में जमा किए गए हैं, इनमें मांदर, प्यतकर पेंटिंग, निमुचा/करनी शॉल, लाह की चूड़ियाँ, देवघर पेड़ा, रागी, रुगड़ा, धुस्का, कुसुमी लाहा, साल के बीज, महुआ का फूल और करंज के बीज शामिल हैं। राज्य में अभी भी कई और स्वदेशी उत्पादों को जीआई ढांचे के तहत लाने और राष्ट्रीय व वैश्विक बाजारों में उन्हें सही पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

चट्टान पर बनी झोपड़ी में गुजर रहा जीवन, 15 वर्षों से आवास की आस में किसान रतनु मुण्डा

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के बिरहू पंचायत अंतर्गत सिलादोन गांव के निवासी किसान रतनु मुण्डा का परिवार पिछले लगभग 15 वर्षों से चट्टान पर बनी एक अस्थायी झोपड़ी में रहने को मजबूर है। गरीबी और संसाधनों की कमी के कारण उनका पक्का घर ध्वस्त हो गया, जिसके बाद से वे चट्टान पर प्लास्टिक और चदरा तानकर जीवन-यापन कर रहे हैं।

रतनु मुण्डा ने बताया कि उनके माता-पिता ने भी इसी झोपड़ी में रहते हुए अंतिम सांस ली। दो वर्ष पूर्व बीमारी के कारण उनके एक जवान पुत्र का भी निधन हो गया। परिवार की आजीविका का मुख्य साधन खेती और पशुपालन है। अपने हिस्से की लगभग दो एकड़ जमीन के अलावा वे प्रतिवर्ष पांच हजार रुपये किराया देकर अतिरिक्त भूमि लेकर खेती करते हैं।

रतनु की पत्नी ने बताया कि रहने की जगह बेहद सीमित होने के कारण घर के बाहर ही चूल्हा बनाकर खाना पकाना पड़ता है। धान भंडारण के लिए भी कोई सुरक्षित व्यवस्था नहीं है, इसलिए फसल को चट्टान पर प्लास्टिक से ढंककर रखा जाता है। परिवार कुछ बकरियां और मुर्गियां पालकर अतिरिक्त आय अर्जित करने का प्रयास करता है।

परिवार का आरोप है कि वर्ष 2013 से अब तक उन्होंने कई बार प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अबुआ आवास योजना के लिए आवेदन किया, लेकिन उन्हें अब तक आवास का लाभ नहीं मिल सका। पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में भी आवेदन देने के बावजूद केवल आश्वासन ही मिला है।

रतनु मुण्डा का कहना है कि बार-बार आवेदन करने के बाद भी जब कोई सहायता नहीं मिली तो वे मजबूरी में इसी झोपड़ी में रहने को विवश हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि उन्हें आवास योजना का लाभ मिल जाए तो उनका परिवार सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जी सकेगा।

उप विकास आयुक्त ने बताया कि इस विषय का जाँच किया जाएगा और सुयोग्य व्यक्ति तक अगर लाभ नहीं मिला है तो उसे आवास दिया जाएगा। सरकारी योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने देव दास दत्ता को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट सभागार में आयोजित समारोह में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन प्रशिक्षण सामग्रियों को पेडोलॉजी के अनुरूप तैयार करने एवं आई-गोट प्लेटफॉर्म पर ईझलर्निंग मैटिरियल तैयार कर पोस्ट करने के कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, झारखण्ड के स्टेट ट्रेनिंग नोडल पदाधिकारी श्री देव दास दत्ता को सम्मानित किया।

ज्ञातव्य हो कि IIIDEM जो भारत निर्वाचन आयोग का प्रशिक्षण संस्थान है राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है इसकी स्थापना 17 जून 2011 को हुई थी। IIIDEM के स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा देव दास दत्ता को इसके अलावा पूरे भारतवर्ष में निर्वाचन प्रशिक्षण सामग्रियों को तैयार करने हेतु चयनित 7 एनएलएमटी के कोर एक्सपट्र्स के रूप में भी शामिल किया गया है।

विदित हो कि देव दास दत्ता 2019 एवं 2024 के लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में देश के विभिन्न राज्यों एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षणों में भी नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर के रूप में अपना योगदान दिया है ।

झामुमो के बूथ स्तरीय कार्यकर्त्ता सम्मेलन में जुटे हजारों कार्यकर्त्ता

एसआइआर के नाम पर काटे जा रहे है मतदाताओं के नाम : विनोद

बिभा संवाददाता

खूंटी. झारखण्ड मुक्ति मोर्चा खूंटी जिला का बूथ स्तरीय कार्यकर्त्ता सम्मेलन बुधवार को नगर भवन खूंटी में जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह केंद्रीय प्रवक्ता बिनोद कुमार पांडेय उपस्थित थे. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एसआइआर के नाम पर बेवजह मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से काटा जा रहा है. उन्होंने कहा कि अभी हाल ही इसी तरह का एसआइआर बिहार में हुआ. पश्चिम बंगाल में भी चुनाव के पूर्व एसआइआर के तहत लाखों मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया. इसका परिणाम सबके सामने है. इस मामले में केंद्र सरकार व चुनाव आयोग की नियत साफ नहीं है.उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटने से लोग लोकतान्त्रिक और अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित हो जायेंगे. इसके साथ हो लोगों को योजना का लाभ मिलना बंद हो जायेगा. उन्होंने कहा कि सभी बीएलए एसआइआर को गंभीरता से लें. बेवजह किसी मतदाता का नाम सूची से ना हटे यह सुनिश्चित करें. इसके पूर्व स्वागत भाषण करते हुए जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि झामुमो बड़े भाई बिनोद पांडेय जी के संवाद से कार्यकताओं को नई ऊर्जा मिली है. यह ऊर्जा संगठन को मजबूती प्रदान करेगा. विधायकों ने कहा : सम्मेलन में तमाड़ के विधायक विकास मुंडा, तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया एवं खूंटी के विधायक रामसूर्या मुंडा ने भी विचार व्यक्त किया. विधायक विकास मुंडा ने कहा कि एसआइआर को गंभीरता से लेने की जरूरत है. कार्यकर्त्ता जिस प्रकार चुनाव में सक्रिय रहते हैं उसी प्रकार एसआइआर को लेकर भी सक्रिय रहें. विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि एसआइआर के तहत मतदाता सूची से मतदाताओं का नाम हटाकर लोगों की नागरिकता छीनने की का प्रयास हो रहा है. मतदाता सूची से नाम हटने से लोग अपने अधिकारों से वंचित हो जायेंगे. रामसूर्या मुंडा ने कहा कि किसी भी मतदाता का नाम सूची से ना कटे इसके कार्यकर्त्ता काम करें. इसके पूर्व केंद्रीय महासचिव बिनोद कुमार पांडेय का खूंटी पहुंचने के पूर्व कार्यकताओं ने पारम्परिक ढंग से स्वागत किया. कार्यक्रम के पूर्व बिनोद पांडेय ने जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद, विधायक सुदीप गुड़िया एवं रामसूर्या मुंडा तथा झामुमो कार्यकताओं के साथ खूंटी कचहरी मैदान स्थित भगवान बिरसा मुंडा, तमाड़ रोड स्थित जयपाल सिंह मुंडा, सरदार भगत सिंह तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.सम्मेलन में एसआइआर को लेकर पार्टी की विशेषज्ञ टीम द्वारा ऑडियो विजुअल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया. सम्मेलन का संचालन शंकर सिंह मुंडा ने किया.सम्मेलन में जिला सचिव सुशील पाहन, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुशांति कोनगाड़ी, युवा मोर्चा अध्यक्ष अमृत हेमरोम, वीरेन कंडुलना, देवनाथ माघईया, तनवीर आलम, भोला नाथ लाल, विजय सांगा, मकसूद अंसारी,अमरनाथ मुण्डा स्नेहलता कण्डुलना,उषा धान ,सनिका बोदरा ,मनोज मंडल, तौकीर आलम, शेख फिरोज, प्रकाश मुण्डा,कमलेश महतो, रूबीन तोपनो, मोजीर अंसारी आदि उपस्थित थे.

दूसरी साउथ एशियन थ्रोबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ

खेल सद्भावना, भाईचारे एवं अंतरराष्ट्रीय मैत्री संबंधों को सुदृढ़ बनाने का सशक्त माध्यम है : राधाकृष्ण

बिभा संवाददाता

रांची : हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची में आयोजित दूसरी साउथ एशियन थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2026 का आज भव्य एवं रंगारंग शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों से आए खिलाड़ियों, खेल पदाधिकारियों, खेल प्रेमियों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड सरकार के मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि विभिन्न देशों एवं संस्कृतियों के बीच सद्भावना, भाईचारा और मैत्री संबंधों को मजबूत करने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ क्षेत्रीय सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देते हैं।

इस अवसर पर साउथ एशियन थ्रोबॉल फेडरेशन के डायरेक्टर श्री बी. एम. शाहिद एवं स्पार्टन कंपनी के महाप्रबंधक श्री धीरज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

चैंपियनशिप में भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल एवं भूटान की पुरुष एवं महिला टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए लीग मुकाबलों में भारतीय पुरुष एवं महिला टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजयी शुरूआत की।

महिला वर्ग में भारत ने बांग्लादेश को रोमांचक मुकाबले में 25-19, 23-25, 25-22 से पराजित किया। इसके बाद भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 25-15, 25-22 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

वहीं पुरुष वर्ग में भारत ने बांग्लादेश को 25-14, 25-17 तथा श्रीलंका को 25-19, 25-22 से पराजित कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

पहले दिन के लीग मुकाबलों के उपरांत भारतीय पुरुष एवं महिला टीम दोनों अपने-अपने सभी मैच जीतकर अपराजित रहते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बनी हुई हैं। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को भरपूर उत्साह एवं मनोरंजन प्रदान किया।

आयोजन समिति ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों के बीच खेल सहयोग को बढ़ावा देना, खिलाड़ियों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को सुदृढ़ करना तथा थ्रोबॉल खेल को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाना है। उद्घाटन समारोह के दौरान प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन एवं सौहार्द बनाए रखने की शपथ भी ली। प्रतियोगिता के शेष लीग मुकाबले एवं फाइनल मैच 18 जून को आयोजित किए जाएंगे, जिसके उपरांत विजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल ने गागी बस्ती में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

रांची (बिभा): सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के जन आरोग्य केंद्र, गांधीनगर बुधवार को रांची स्थित गागी बस्ती में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कुल 70 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। उपस्थित चिकित्सकों द्वारा मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया तथा सभी जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। शिविर के सफल आयोजन में डॉ. भरत सिंह, सीएमओ इंचार्ज, गांधीनगर, डॉ. प्रीति तिग्गा, सीएमओ (सीएसआर) इंचार्ज, डॉ. शिल्पी झा, श्री मुन्ना कुमार सिंह सहित सभी पारा मेडिकल स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा। सीसीएल अपने सामुदायिक विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों के माध्यम से आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनकल्याण से जुड़ी सेवाएं निरंतर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर आयोजित, 28 शिकायतों का हुआ पंजीकरण

रांची(बिभा) : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशालय (मानव संसाधन प्रबंधन) के तत्वावधान में आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र में दिनांक 17 जून, 2026 को एक शिकायत निवारण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों एवं हितधारकों की समस्याओं और शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सुमन रस्तोगी, महाप्रबंधक (समाधान प्रकोष्ठ) ने की। इस अवसर पर श्री संजीव कुमार, महाप्रबंधक, आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र, श्री तेजविंदर सिंह, मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन), समाधान प्रकोष्ठ, स्टाफ अधिकारी (मानव संसाधन), आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र सहित मानव संसाधन विभाग के अधिकारीगण, स्टाफ अधिकारी (सिविल), स्टाफ अधिकारी (वित्त एवं लेखा), अन्य अधिकारीगण तथा विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।शिविर प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक संचालित हुआ, जिसमें सभी उपस्थित व्यक्तियों को अपनी समस्याएं एवं सुझाव रखने का अवसर प्रदान किया गया। शिविर के दौरान कुल 28 शिकायतें दर्ज की गईं। प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से आवास (क्वार्टर) अनुरक्षण, सीएमपीएफ से संबंधित ऑनलाइन डाटा अद्यतन तथा अन्य सेवा संबंधी विषय शामिल रहे। सभी शिकायतों का विधिवत पंजीकरण किया गया तथा अनेक मामलों में मौके पर ही संबंधित व्यक्तियों को आवश्यक जानकारी एवं समाधान उपलब्ध कराया गया। शेष मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए औपचारिक उत्तर प्रदान किया जाएगा तथा शिकायतों का समयबद्ध एवं यथोचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर के सफल आयोजन से कर्मचारियों एवं हितधारकों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु एक प्रभावी मंच उपलब्ध हुआ तथा संगठन की पारदर्शी एवं उत्तरदायी कार्यसंस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायता मिली।

22 जून को आजसू स्थापना दिवस पर जनाक्रोश मार्च : सुदेश महतो

रांची (बिभा): पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो ने कहा है कि आगामी 22 जून को धनबाद में आजसू स्थापना दिवसझ्रसहझ्रजनाक्रोश मार्च ऐतिहासिक होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में चल रहे माफिया राज के खिलाफ 22 जून को उलगुलान का बिगुल फूंका जाएगा। उन्होंने अपने बुकरू, रांची स्थित आवासीय कार्यालय में कांके प्रखंड के आजसू पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की बैठक को संबोधित करते हुए स्थापना दिवस की तैयारी का दिशानिर्देश दिया। श्री महतो ने कहा कि आजसू ने संघर्ष कर राज्य बनाया, लेकिन झारखंड की जनता भ्रष्टाचार, अपराध और माफिया तंत्र से त्रस्त है। जनता की आवाज को बुलंद करने तथा जनहित के मुद्दों पर संघर्ष को और धार देने के लिए 22 जून को आजसू के 40 वें स्थापना दिवस पर जनाक्रोश मार्च में झारखंड के अलावा ओडिशा और बंगाल से भी कार्यकर्ता शिरकत करेंगे।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने जेडआरयूसीसी की 106वीं बैठक आयोजित

बिहान भारत

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे की जोनल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की 106वीं बैठक 17 जून को कोलकाता में दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में सांसद प्रताप चंद्र सारंगी, विद्युत बरन महतो सहित कुल 24 माननीय `फ्र्रउउ सदस्यों ने भाग लिया।

महाप्रबंधक अनिल कुमार जैन ने सदस्यों को दक्षिण पूर्व रेलवे की हालिया उपलब्धियों एवं विकासात्मक कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने यात्री सुविधाओं में सुधार, निर्माण कार्यों की प्रगति, सुरक्षा उपायों के सुदृढ़ीकरण, माल ढुलाई में वृद्धि तथा अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन पुनर्विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला।

बैठक के दौरान सदस्यों ने दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए रेल सेवाओं में और सुधार के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इनमें ट्रेनों की समयपालन व्यवस्था में सुधार, रेल मार्गों का विस्तार, अतिरिक्त ठहराव, ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाने, नए हॉल्ट स्टेशन बनाने तथा स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर, शौचालय, प्लेटफॉर्म शेड, यात्रियों के लिए रैंप जैसी सुविधाओं के विस्तार की मांग प्रमुख रही।

महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार जैन ने अपने संबोधन में कहा कि सदस्यों के सभी सुझावों एवं मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने रेलवे परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए जनप्रतिनिधियों के सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। सदस्यों ने दक्षिण पूर्व रेलवे के अधोसंरचना विकास के संबंध में भी अपने बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

धनबाद में बनेगा जी प्लस आधुनिक पुलिस कॉम्प्लेक्स, एक छत के नीचे संचालित होंगे पांच थाना

बिभा संवाददाता

धनबाद। शहर की पुलिस व्यवस्था को और अधिक आधुनिक एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जल्द ही धनबाद थाना, महिला थाना, हरिजन थाना, यातायात थाना और साइबर थाना एक ही भवन से संचालित होंगे। इसके लिए सदर थाना परिसर में जी प्लस 6 अत्याधुनिक पुलिस कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाएगा। बुधवार को एसएसपी प्रभात कुमार ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों और इंजीनियरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वर्तमान में सदर थाना परिसर में महिला थाना और यातायात थाना संचालित हो रहे हैं। अब इसी परिसर में करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से ग्राउंड प्लस छह मंजिला आधुनिक भवन बनाया जाएगा।

इस भवन में जिले के पांच महत्वपूर्ण थानों को एकीकृत किया जाएगा, जिससे पुलिस प्रशासन और आम जनता दोनों को सुविधा मिलेगी। परियोजना को पूरा करने में लगभग डेढ़ वर्ष का समय लगेगा।

एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि यह योजना पहले से प्रस्तावित थी, जिस पर अब तेजी से काम शुरू किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा भेजी गई इंजीनियरों की टीम ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और परियोजना की रूपरेखा पर चर्चा की। नए भवन के निर्माण से पुलिसिंग व्यवस्था अधिक प्रभावी और सुगम होगी।

उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को अलग-अलग थानों के लिए विभिन्न स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा। एक ही परिसर में सभी आवश्यक पुलिस सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही जिले के सभी थाना परिसरों का सौंदर्यीकरण भी कराया जा रहा है, ताकि फरियादियों और आम लोगों को बेहतर एवं सुविधाजनक माहौल मिल सके।

आधुनिक सुविधाओं से लैस यह पुलिस कॉम्प्लेक्स न केवल पुलिस प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ाएगा, बल्कि आम लोगों को भी बेहतर और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मंडल रेल प्रबंधक ने धनबाद-कोडरमा रेलखंड का किया निरीक्षण

धनबाद: मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा धनबाद-कोडरमा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलखंड में संरक्षा, संरचनात्मक सुविधाओं एवं यात्री सुविधाओं की समीक्षा की साथ ही उन्होंने कोडरमा स्टेशन के निमार्णाधीन नए स्टेशन भवन का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था एवं आधारभूत संरचनाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर धनबाद मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सामंजस्यपूर्ण गति: पूर्व रेलवे 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भव्य राष्ट्रव्यापी उत्सव के लिए पूरी तरह तैयार

बिहान भारत

कोलकाता: योग केवल भारत की एक प्राचीन परंपरा नहीं है, बल्कि यह भारत की ओर से पूरे विश्व को दिया गया एक अमूल्य और कालजयी उपहार है, जो मन, शरीर और आत्मा को पूर्ण सामंजस्य में जोड़ता है। जैसे-जैसे 21 जून के लिए उल्टी गिनती शुरू हो रही है पूरा देश 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव की तैयारियों में जुट गया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं प्रेरणादायक मार्गदर्शन में, जो इस राष्ट्रव्यापी अभियान के शुभारंभ अवसर पर स्वयं सहभागिता करेंगे, योग वास्तव में स्वास्थ्य और समग्र कल्याण का एक वैश्विक प्रतीक बन गया है। आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय नेतृत्व में इस वर्ष के सामूहिक योग सत्र कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के समन्वित दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किए जाएंगे, जो देशभर के करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य एवं कल्याण की एक साझा भावना में जोड़ेंगे।

इसी राष्ट्रीय भावना के अनुरूप, पूर्व रेलवे इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अभूतपूर्व एवं अत्यंत भव्य स्तर पर पूरे जोन में मनाने जा रहा है। मुख्य केंद्रीय कार्यक्रम का आयोजन पूर्व रेलवे मुख्यालय में किया जाएगा, जिसमें पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर गरिमामयी उपस्थिति दर्ज करेंगे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्व रेलवे के चारों प्रमुख मंडलों—सियालदह, हावड़ा, मालदा एवं आसनसोल—तथा लिलुआ, कांचरापाड़ा एवं जमालपुर स्थित तीनों प्रमुख कारखानों में भी एक साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संबंधित मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पूरे उत्साह के साथ अग्रणी भूमिका निभाते हुए आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने हेतु संस्थागत स्तर पर सभी आवश्यक प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। इस आयोजन का दायरा अत्यंत व्यापक है, जिसमें पूर्व रेलवे के 3,000 से अधिक कर्मचारी उत्साहपूर्वक सामूहिक योगाभ्यास में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त, पूरे जोन के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष योग प्रदर्शन भी आयोजित किए जाएंगे। योगाभ्यास की शुद्धता, सटीकता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए इन सार्वजनिक प्रदर्शनों का संचालन योग प्रमाणन बोर्ड (वाईसीबी) के प्रमाणित प्रशिक्षकों द्वारा किया जाएगा। इससे यात्रियों एवं रेलकर्मियों दोनों को इस जीवन-परिवर्तनकारी अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा, योग स्वयं की, स्वयं के माध्यम से, स्वयं तक की सर्वोच्च यात्रा है। पूर्व रेलवे को गर्व है कि वह अपने पूरे क्षेत्र में इस भव्य आयोजन का आयोजन कर रहा है, जिससे हमारे रेल परिवार एवं सम्मानित यात्रियों के बीच स्वास्थ्य, सजगता तथा समर्पित सेवा की संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

नावाडीह में गोड्डा नई दिल्ली एक्सप्रेस का ठहराव शुरू, लोगों की मांग पूरी

धनबाद : कोडरमा सांसद और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के प्रयास से नावाडीह रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 14049/ 14050 गोड्डा नई दिल्ली एक्सप्रेस का ठहराव बुधवार से शुरू हो गया है।

सांसद अन्नपूर्णा देवी और डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने बुधवार को गोड्डा से दिल्ली तक चलने वाली ट्रेन का ठहराव होने के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पूर्व नावाडीह स्टेशन के समीप रेलवे की ओर से एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद सह केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि ट्रेन के ठहराव की स्वीकृति मिलने और संचालन शुरू होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी है। यह क्षेत्र वासियों की पुरानी मांग थी, जो अब पूरी हो गयी है।

उन्होंने बताया कि गोड्डा नई दिल्ली एक्सप्रेस के नावाडीह स्टेशन पर रुकने से स्थानीय लोगों को दिल्ली सहित अन्य महत्वपूर्ण शहरों तक यात्रा करना आसान हो जाएगा। अब यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए दूर दराज के स्टेशनों पर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने सांसद अन्नपूर्णा देवी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र की लम्बे समय से लंबित मांग पूरी हुई है। यह निर्णय क्षेत्र के विकास, बेहतर रेल संपर्क और यात्रियों की सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी नावाडीह स्टेशन पर अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव सहित रेलवे सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को और अधिक लाभ मिल सके।

कार्यक्रम को डीआरएम धनबाद अखिलेश मिश्रा, मुखिया संघ के अध्यक्ष बेदु साव ने भी सम्बोधित किया, जबकि मंच का संचालन स्टेशन प्रबंधक बीबी सिंह ने किया।

मौके पर डीआरएम अखिलेश मिश्रा, वरीय मंडल समन्वयक अभियंता प्रदीप कुमार, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक मनीष सौरभ, वरीय मंडल अभियंता द्वितीय आशीष कुमार, मंडल अभियंता-05 राजेश मीणा, सीनियर डीएसटीई रजनीश कुमार पांडे, सीनियर डीईईजी प्रशांत कुमार सहित सैंकड़ों स्थानीय महिला पुरुष उपस्थित थे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com